अखिल भारतीय राढ़ी कायस्थ संगठन, दिल्ली

ABRKS

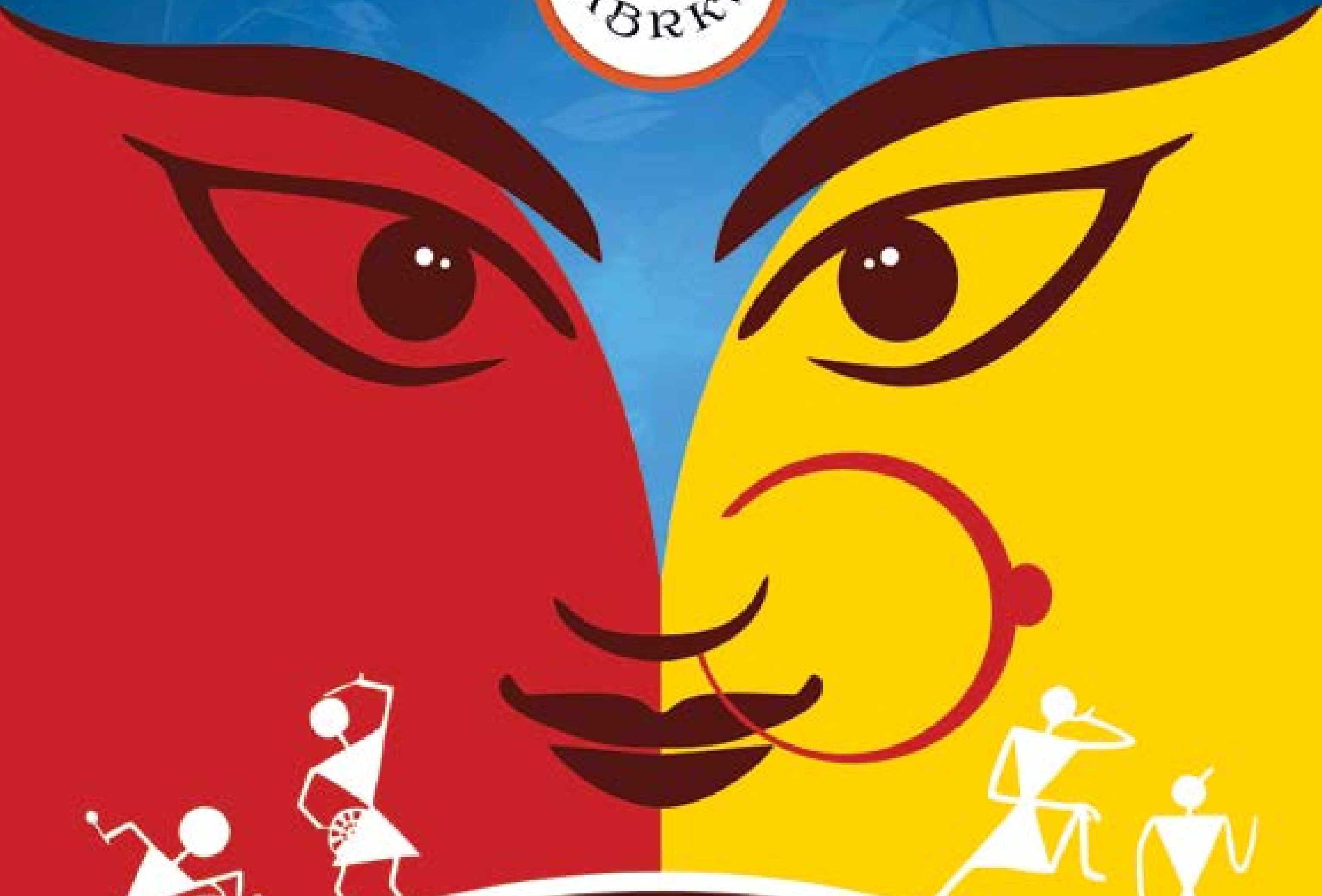

स्मारिका

विजया मिलन 2020

https://www.facebook.com/abrks.delhi | YouTube ABRKS Delhi | www.abrks.com

CHAITANYA PROJECTS CONSULTANCY PRIVATE LIMITED

Defined by…. Conception, Design & Planning

ISO 9001:2015 Certified

NABARD · CPWD · MORTH Government of India · **Clientele** · NHAI · THE WORLD BANK IBRD • IDA | WORLD BANK GROUP

Providing Designing and Construction Management services for Expressways, National Highways and State Highway

Providing Designing and Construction Management services for Bridges

FLS, PETS and PMC for Railway Bridges and Railway Electrification

REACH US !

C-5, 2nd Floor, R.K.Tower, Sector-4, Vaishali, Ghaziabad -201012

Phone: 0120-4120472 ;

E-mail: chaitanya.projects@gmail.com

Website: www.chaitanyaprojects.com

Hightlights: Souvenir 2020

- EXECUTIVE BODY
- EDITORIAL
- MESSAGES
- E-VIJAYA MILAN
- DURGA MANDIR
- LIFETIME MEMBERS
- AKHBAR KE PANNO SE
- CONTRIBUTORS LIST
- ACTIVITY OF ABRKS
- SAD DEMISE AND MEMORY
- GLIMPSES OF 2019 VIJAYA MILAN
- ARTICLES (POEM AND STORY)
- DHAROHAR
- MERA GAON MERA DESH
- MERITORIOS STUDENT
- ACHIEMENT/APPRECIATION
- ACTIVITY OF OTHER RK SANGATHAN

Executive Body Member 2019-2021

Ajit Kumar Das

Nihar Ranjan

Abhinandan Kumar Sinha

Nirupam Kumar Sinha

Manas Kumar Mitra

Sumit Das

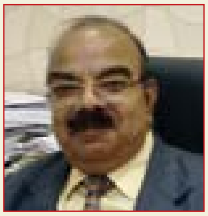
Sadhan Kumar Das

Punit Sinha

Pravin Kumar Das

Ashish Kumar Sinha

Prafulla Kumar Sinha

Amit Kumar Das

Sanjay Kumar Sinha

Som Ranjan

Saurabh Ghosh

Naveen Kumar Mitra

Tushar Kant Ghosh

Prabhat Kumar Ghosh

Amit Kumar Sinha

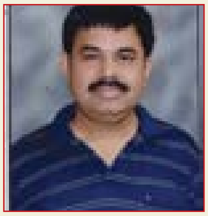
Sudesh Kumar Ghosh

Uttam Kumar Das

Chandan Das

Manoj Kumar Sinha

Pradeep Kumar

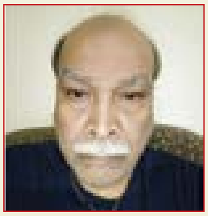
Snehendu Ghosh Verma

Sujeet Kumar Das

Sanjay Kumar Sinha

Kaushal Kumar Sinha

Amarendra Kumar Ghosh

Sumit Kumar

Amreshwar Prasad Das

Ashok Ghosh

AKHIL BHARTIYA RADHI KAYASTHA SANGATHAN, NEW DELHI

EXECUTIVE MEMBERS 2019-2021

Name of Members	Post	Mobile No.	Present Address	Permanent Address
1. Ajit Kumar Das	President	9350214515	Chhatarpur	Kasba, Banka
2. Nihar Ranjan	General Secretary	9968062186	Dhaulakuan	Bhuriya, Bhagalpur
3. Abhinandan Kr. Sinha	Treasurer	9971295833	Mehrauli	Rupsa, Banka
4. Nirupam Kumar Sinha	Vice President	9310570751	Noida Extension	Rupsa, Banka
5. Manas Kumar Mitra	Vice President	9811114326	Lajpatnagar	Lakhanpur, Bhagalpur
6. Sumit Das	Vice President	9310015115	Munirka Vihar	Manoharpur, Bhagalpur
7. Sadhan Kumar Das	Vice President	9910108978	Noida Extension	Dumrahma, Banka
8. Punit Sinha	Joint Secretary	9650923023	Govindpuramm	Orai Jankipur, Banka
9. Pravin Kumar Das	Joint Secretary	8130298190	Vasundhra	Sujapur, Bhagalpur
10. Ashish Kumar Sinha	Joint Secretary	9911032813	Narela	Ranikitta, Banka
11. Prafulla Kumar Sinha	Joint Secretary	9899704052	Mayur Vihar	Mohanganj, Monghyr
12. Amit Kumar Das	Executive Member	9313515114	Munirka Vihar	Manoharpur, Bhagalpur
13. Sanjay Kumar Sinha	Executive Member	9818860992	Vaishali	Sujapur, Bhagalpur
14. Som Ranjan	Executive Member	9313009668	Kaushambi	Jagatpur, Banka
15. Saurabh Ghosh	Executive Member	9868531823	Uttam Nagar	Chara Badgaon, Banka
16. Naveen Kumar Mitra	Executive Member	9312277498	Ganeshnagar	Kunouni, Banka
17. Tushar Kant Ghosh	Executive Member	9871042633	Uttam Nagar	Lakhanpur, Bhagalpur
18. Prabhat Kumar Ghosh	Executive Member	9891237180	Pratap Vihar	Saidapur, Godda
19. Amit Kumar Sinha	Executive Member	9582820100	Gurgaon	Lakhanpur, Bhagalpur
20. Sudesh Kumar Ghosh	Executive Member	9990384135	Janakpuri	Lakhanpur, Begusarai
21. Uttam Kumar Das	Executive Member	8510013908	Faridabad	Pipra, Monghyr
22. Chandan Das	Executive Member	7082000372	Narela	Mukheria, Bhagalpur
23. Manoj Kumar Sinha	Executive Member	9213092233	Dwarka	Manoharpur, Bhagalpur
24. Pradeep Kumar	Executive Member	9654287784	Indirapuram	Singhnan, Banka
25. Snehendu Ghosh Verma	Executive Member	9999966968	Dwarka	Bihpur, Bhagalpur
26. Sujeet Kumar Das	Executive Member	8588804152	Noida	Jagatpur, Banka
27. Sanjay Kumar Sinha	Executive Member	9953999734	Faridabad	Manoharpur, Bhagalpur
28. Kaushal Kumar Sinha	Executive Member	8800836966	Mehrauli	Laxmipur, Banka
29. Amarendra Kr. Ghosh	Executive Member	9871003459	Mahavir Enclave	Baghras, Teghra Lakhanpur
30. Sumit Kumar	Executive Member	8859500377	Noida Extension	Jagatpur, Banka
31. Amreshwar Prasad Das	Executive Member	9654111272	Faridabad	Pipra, Monghyr
32. Ashok Ghosh	Executive Member	9643353568	Indrapuram	Laxmipur, Banka

संपादकीय

संपादकः—
प्रवीण कुमार घोष
संस्थापक सदस्य अखिल भारतीय राढ़ी कायस्थ संगठन
संपर्क—9891159490
pravinghosh@gmail.com
पैतृक स्थानः सैदापुर (गोड्डा)
वर्तमानः राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र

सभी बड़ों को विजया प्रणाम एवं सभी हम—उम्रों को विजया का नमस्कार व सभी छोटों को शुभाशीष।

आज समस्त पृथ्वी लोक एक बहुत ही भयंकर वैश्विक महामारी के प्रकोप के कारण एक संकट भरे दौर से गुजर रहा है। परंतु, इस संकट के समय में भी हमारा संगठन पहले से भी अधिक सशक्त और संगठित होकर अपने कार्य को संचालित करने में अग्रसर हुआ है। इस कठिन समय में हमारे समाज के सभी संगठनों ने मिल जुलकर सामाजिक सहायता का कार्य किए है। सभी सदस्यों ने अपनी—अपनी क्षमता के अनुसार महत्वपूर्ण योगदान दिए है। इन सभी की मदद से, संकट से प्रभावित लोगों को सहायता पहुँचाई गई। इसके अलावा भी जिन्होंने प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से इस कोरोना काल में जिस भी रूप में समाज में सहयोग एवं सहायता किया है हम उनका हार्दिक सम्मान करते है एवं धन्यवाद देते है।

'अखिल भारतीय राढ़ी कायस्थ संगठन, दिल्ली' की स्थापना २००७ में हुई। तब से ही, हम विजया मिलन समारोह प्रतिवर्ष आयोजित करते आए है। परंतु २०२० में, वैश्विक महामारी के कारण इस बार विजया मिलन का आयोजन असंभव सा प्रतीत हो रहा था। पर ऐसे घड़ी में भी, सभी सदस्यों की कार्य कुशलता, परिश्रम व एकाग्रता ने आधुनिक तकनीकों की सहायता से आयोजित करने का एक प्रशंसनीय प्रयास किया। इस "ई—विजया मिलन" की संरचना का श्रेय हमारे सक्रिय सदस्य श्री अमरेन्द्र कुमार घोष जी को जाता है।

हम भले ही "ई—विजया मिलन" कर रहे है परंतु इसकी सबसे अद्भुत बात यह है कि, राढ़ी कायस्थ संगठन की सभी इकाइयाँ (पुणे, मुंबई, बैंगलोर, जमशेदपुर, पटना, रांची, भागलपुर, बांका, दुमका, देवघर आदि) इस समारोह में सम्मिलित होने जा रही है। इसके अलावा हमारे समाज के लोग जो विदेश में रहते है उनका भी शामिल होना संभव हो पाया। यह एक महा—संगम सा प्रतीत होगा। इस कठिनाइयों के दौर में भी, संगठन की चाह ने तकनीकी मदद से एक अनोखा राह निकाला है जो की सभी संगठनों को एक जुट कर बाँधने की कोशिश की तरफ एक कदम है।

इस वर्ष स्मारिका की निरंतरता को कायम रखने के लिए इस बार तत्कालीन तौर पर 'ई—स्मारिका' यानि 'ई—सोविनीयर' को तैयार किया गया है। यह हमारी स्मारिका का तेरहवाँ संस्करण है। हमारे सभी सदस्यों के परिश्रम से इस बार इसका ई—प्रकाशन हुआ है। प्रत्येक वर्ष के जैसे ही स्मारिका में, कई लेख, कहानियाँ, कविताएं आदि के साथ बहुत सारे गाँव के दुर्गा पूजा के चित्र व तस्वीरें है। उन दुर्गा देवी प्रतिमाओं या दुर्गा मंदिर (जगत जननी) के छवि का संग्रह राढ़ी सेवा मंच के सदस्यों के पोस्ट के सौजन्य से संभव हुआ है।

"तमसो (महामारी संकट) मा ज्तोत्गिमय (स्वास्थ्य)"

आप सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ और अंग्रेजी नववर्ष की अग्रिम बधाई।

संपादक

प्रवीण कुमार घोष

संस्थापक सदस्य अखिल भारतीय राढ़ी कायस्थ संगठन

(स्मारिका में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी हैं। इसका संपादक या संस्था से सहमत होना जरूरी नहीं। स्मारिका तैयार एवं सुसज्जित करने के दौरान हर संभव त्रुटियों का ध्यान रखा गया। फिर भी अगर कुछ त्रुटियाँ रह गई हो तो कृपया अपने प्रतिपुष्टिध्विचार दे कर हमें अनुग्रहीत करें। धन्यवाद)

सह-संम्पादक के कलम से

एक स्वस्थ सामाजिक संगठन की परिकल्पना के साथ हम पूरे उत्साह और मनोयोग से विजया–मिलन की चौदहवीं वर्षगांठ मनाने की ओर अग्रसर हैं। संगठन के स्थापना वर्ष 2007 से लेकर अबतक हम सतत् इस संगठन को सफलता के शीर्ष पर ले जाने हेतु संघर्षरत हैं और इसमें लेशमात्र भी अतिश्योक्ति नहीं कि हमें बहुत हद तक इसमें कामयाबी भी मिली है। हर वर्ष आयोजित होने वाला भव्य विजया मिलन समारोह इस बात की पुष्टि करता है। सभागार का खचाखच भरा होना कार्यक्रम के रोचक और मनोरंजक होने का प्रमाण देता है।

संगठन के इस उत्थान में हमारे सम्मानित बुजुर्गो के आशीष एवं उनके मार्गदर्शन की भूमिका तो बेहद अहम है ही, युवाओं के तकनीकी ज्ञान एवं शारीरिक श्रम का योगदान भी उल्लेखनीय है। यहाँ यह कहना भी अत्यंत आवश्यक है कि संस्था के कुछ धनसम्पन्न सदस्यों ने उम्मीद से कहीं अधिक धनराशि निःस्वार्थ भाव से दानस्वरूप समाजोपयोगी कार्यो के लिए दिया।

आज अखिल भारतीय राढ़ी कायस्थ संगठन की स्मारिका में लगभग 500 सदस्य सूचीबद्ध हैं। हम आशान्वित हैं कि अधिकाधिक परिवारों के साथ हमारा समन्वय स्थापित हो सके और हमारा संगठन और भी जागरूक एवं गतिशील बने। हम आर्थिक रूप से संगठन को समृद्ध और शक्तिशाली बनाने के भगीरथ प्रयास में हमें अवश्य सफलता मिलेगी किन्तु इसमें कमोवेश सबकी आहुति आवश्यक है। ऐसा होने पर हम निस्संदेह संगठन के महत्वूपर्ण उद्देश्यों की पूर्ति कर पायेंगे।

हमारे संगठन के सदस्यों में एक से बढ़कर एक कौशल विद्यमान है। कोई तकनीक विद्या में माहिर है तो किसी के पास बौद्धिक ज्ञान का अपार भंडार है। कोई लेखन में अपनी छाप छोड़ सकता है तो कोई भाग–दौड़ के कार्य में निपुण है किसी को समयदान देने में हिचकिचाहट नहीं तो कोई अर्थदान देने में संकोच नहीं करता । हमें अपने–अपने कौशल का प्रयोग समाजोत्थान हेतु तो करना ही है, साथ में यह भी ध्यान रखना है कि इस आर्थिक युग में धन एक मूल आवश्यकता है।

हमें बिल्कुल नहीं थकना, चलना और मिलकर चलना है। समाज के उत्तरोत्तर विकास को अपना ध्येय मानकर एक अभूतपूर्व मिसाल कायम करनी है। इसमें कोई दो राय नहीं कि व्यस्ततायें कई बार हमारा रास्ता रोकती हैं, किन्तु उन व्यस्तताओं से अल्प समय भी जब देश या समाज को दे पाते हैं तो हमारी आत्मिक खुशी का कोई पारावार नहीं होता ।

हमारा विजया–मिलन समारोह हमारी सभ्यता और संस्कृति को जीवंत बनाये रखने का एक सशक्त माध्यम है। महानग. रीय जीवन–शैली को आत्मसात करने की कोशिश में हम बहुत कुछ भूलते जा रहे हैं। आज हमें अपने विचारों की नहीं वरेन् अपनी निरर्थक आवश्यकताओं को संकुचित करने की सख्त जरूरत है। ऐसा करके हम अपने जी–जोड़ परिश्रम की कमाई का एक बड़ा भाग बचा सकते हैं और उसमें से कुछ राशि निकालकर समाज को अपर्ण कर सकते हैं।

सर्वविदित है कि कोरोना रूपी वैश्विक महामारी ने करोड़ों – अरबों घरों पर अपना कहर बरपाया । लाखों लोग असमय काल के गाल में समा गये । हम उन सभी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। हमारा समाज भी इससे अछूता नहीं रहा । कई लोग स्वास्थ्य संकट व आर्थिक संकट से अब भी जूझ रहे हैं। हम अखिल भारतीय राढ़ी कायस्थ संगठन की ओर से सबके लिये मंगल–कामना करते हैं।

दुख तो है कि हम एक भवन में एक छत के नीचे इस वर्ष एकत्र होकर विजया–मिलन समारोह का आनन्द नहीं उठा पायेंगे किन्तु, इस बात की खुशी भी है कि हम बेहतर तकनीक के माध्यम से इ–विजया मिलन का भरपूर लुत्फ उठायेंगे।

सादर अभिवादन सहित –

नामः आशीष सिन्हा
उपनामः कासिद
संप्रतिः महाराजा अग्रसेन एजुकेशनल सोसायटी नरेला में अँग्रेजी भाषा का अध्यापन

Dr.Ashok Ghosh
Chairman
Bihar State Pollution Control Board

Web: http://bspcb.bih.nic.in
e mail : chairmanbspcb-bih@gov.in
Cell : +91 9334205809

Ref:126/Ch/20 *Date:25.10.2020*

To,
Mr.Nihar Ranjan
General Secretory,
Akhil Bhartiya Radhi Kayastha Sangathan,New Delhi

Dear Nihar Ranjan Ji,

It is great pleasure for me to know that *Akhil Bhartiya Radhi Kayastha Sangathan*, New Delhi is going to publish Annual Magazine "*Smarika - 2020*". I appreciate the initiative of your organization to maintain culture, tradition and customs of Radhi Community.

My heartfelt wishes and blessings for publication of aforementioned e-magazine on the occasion of *Vijoya Milan Samaroh* on 8th November,2020.

Dr Ashok Ghosh, Date: 25.10.2020

Parivesh Bhawan, Plot No. NS-B/2, Patliputra Industrial Area, Patna - 800 010, India

HIMALAYAN GARHWAL UNIVERSITY

Dhaid Gaon, Shiv Nagar, Block Pokhra, District Pauri Garhwal, Uttarakhand (INDIA)

Ph. : +91-8395874101, 8395874102

E-mail : info@hgu.ac.in Web : www.hgu.ac.in

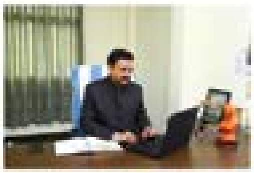

आदरणीय सदस्यगण
अखिल भारतीय राष्ट्री कायस्थ संगठन,
दिल्ली

सपरिवार विजयदशमी की हार्दिक शुभकामनायें,

राष्ट्री कायस्थ समाज का स्थान सम्पूर्ण भारत में अति विशिष्ठ रहा है। सीमित साधनों में आसाधारण सफलता अर्जित करने का इतिहास रहा है। विज्ञान, कला, साहित्य, दर्शन,अभिनय इत्यादि सभी क्षेत्र में अग्रणी नायकों ने परचम लहराया है। उनके आदर्शों का अनुपालन सफलता प्राप्ति के लिए अपेक्षित है ।

सफलता प्राप्ति के लिए निष्ठा, एकाग्रता, एवम सतत कार्यशीलता आवश्यक है, खुद से अर्जित सफलता का अहसास अहंकार को दूर रखता है। प्राप्त सफलता का महत्व सर्वाधिक तब होता है, जब हम हमारे समाज, संस्थान और खानदान से पहचाने जाते हैं ।समाज,संस्थान एवम खानदान हमें सफलता के लिए आत्मविश्वास एवम जरुरी चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करते हैं।बाहरी वातावरण में सहयोग स्थापित करने के लिए आवश्यक पहचान देता है, जो धन दौलत से ज्यादा कीमती होता है।हमारे समाज में 21वीं सदी में महत्वपूर्ण परिवर्तन आया युवाओं ने अपने ज्ञान एवम कौशल से स्वयं का उद्यम तथा सरकारी से ज्यादा नीजि क्षेत्र में ऊँचाईयों को छूने का प्रयास करते हुए आत्मनिर्भरता का अलख जगाया है। 20वीं सदी के अंतिम दशक तक युवाओं की निर्भरता सरकारी नौकरी या परिवार पर ही रहा है।आवश्यकता है युवाओं में सफलता के भूख को जगाने की, समाज में समग्र एवम सतत विकास के लिए संगोष्ठी,संगठन का सुदृढ़ीकरण, संवाद में आत्मीयता, नवाचार एवम पुरातन मूल्यों को समाविष्ट करना । कालखण्ड में यदि कोई नाकारात्मक प्रवृति उतपन्न हुआ है, उसका समन आपसी समन्वय से किया जाना अपेक्षित है।

समाज के सक्रिय सदस्यों को उनके समर्पित सहयोग के लिए धन्यवाद आपने विचार रखने का मौका दिया। मैं समाज के प्रगति के लिए यथासंभव प्रयत्नशील रहूँगा।

शुभाकांक्षी,

नन्द किशोर सिन्हा
कुलपति

सुन्दरवती महिला महाविद्यालय

भागलपुर - 812001

नैक मूल्यांकित - B⁺, तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय की अंगीभूत इकाई

☎ : 0641-2401231 (का), फैक्स : 0641-2400446
e-mail : smcollegebgp@yahoo.co.in, smcdca@sancharnet.in
Web Site : www.smcollege.ac.in

पत्रांक : ....   दिनांक : ....

RAMAN SINHA

मो0 नं0– 9430966436
6299404882
9801357370
ई–मेल: sinharaman45@gmail.com

–:संदेश:–

कायस्थ शब्द का प्रथम अक्षर है "क"। कायस्थो के लिए चार "क" मूल मंत्र है, अर्थात कागज,कलम,कर्म एवं कुर्सी।

कायस्थ तो परिव्राजक होते ही है, विशेषकर राढ़ी कायस्थ किसी देश मे विजेता बनकर नही गए, वरन जहाँ भी गये उस भूमि की मिट्टी के संतान बन गये। राढ़ी कायस्थो ने वातावरण,भाषा, परिवेश एवं संस्कृति आदि को आत्मसात कर लिया।

जानकर काफी प्रसन्नता हो रही है कि कोविड–19 के काल में भी परिव्राजक बनकर आपसबो ने दृढ़ता पूर्वक **"अखिल भारतीय राढ़ी कायस्थ संगठन"** दिल्ली द्वारा **स्मारिका** सहित **विजय मिलन** समारोह आयोजित कर रहे हैं।

मेरी शुभकामना है कि एकजुट होकर मात्र पहचान बनाये रखेंगे तो राढ़ी कायस्थ समाज स्वतः विकसित होता जायगा। राढ़ी कायस्थ सिर्फ एकजुट रहें, विकास स्वतः होता रहेगा। इसी विश्वास के साथ........

रमन सिन्हा
(रमन सिन्हा) 24.10.2020
प्राचार्य
सुन्दरवती महिला महाविद्यालय
भागलपुर।

आर. के. सिन्हा
पूर्व सांसद - राज्य सभा

सदस्य :
स्थायी समिति - गृह मंत्रालय
स्थायी समिति - विदेश मंत्रालय
परामर्शदात्री समिति - श्रम एवं रोजगार मंत्रालय
आवास समिति - राज्य सभा
याचिका समिति - राज्य सभा
हिन्दी सलाहकार समिति - कानून एवं न्याय मंत्रालय
हिन्दी सलाहकार समिति - दूरसंचार मंत्रालय

सत्यमेव जयते

R. K. Sinha
Ex-Member of Parliament - Rajya Sabha
(2014-2020)

Member :
Standing Committee on Home Affairs
Standing Committee on External Affairs
Consultative Committee on Labour & Employment
House Committee, Rajya Sabha
Committee on Petitions, Rajya Sabha
Hindi Advisory Committee on Dept of Law & Justice
Hindi Advisory Committee on Dept of Telecommunication, MoC

संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई कि अखिल भारतीय राढ़ी कायस्थ संगठन एक स्मारिका का प्रकाशन करने जा रहा है। मुझे बिहार में ख़ासकर भागलपुर में बसे राढ़ी कायस्थ बंधुओं के कार्य पद्धति को नज़दीक से देखने का मौका मिला है ।

राढ़ी कायस्थ प्रतिभाओं ने देश दुनिया मे अपनी प्रतिभा के परचम लहराए हैं। स्वामी विवेकानंद हों, महर्षि अरबिंदो हों या नेताजी सुभाष चंद्र बोस सभी कायस्थ समाज के ही नहीं बल्कि समस्त राष्ट्र के गौरव हैं।

कायस्थ महासभाओं में विभिन्न उत्तरदायित्वों का निर्वाह करते हुए कायस्थ नव जागरण आंदोलन को गति देने में सभी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है और इस दृष्टि से प्रकाशित हो रही स्मारिका संगठित कायस्थ समाज की गतिविधियों को उल्लेखनीय आयाम देगा और नयी पीढ़ी को प्रेरणा देने का कार्य करेगा ऐसी आशा है ।

यहाँ एक बात मैं यह कहना चाहूँगा कि बंगाल की ओर से राढ़ी नदी पारकर बिहार आकर बसे राढ़ी कायस्थ बंधुओं के बीच जो संगठन, सहयोग, आपसी सद्भाव और समन्वय है वह अद्भुत है और देश भर में फैले हुये तमाम कायस्थ बंधुओं को राढ़ी कायस्थ समाज से यह गुण तो सीखना ही चाहिये।

स्मारिका के सफल प्रकाशन हेतु शुभकामनाएं,

जय चित्रगुप्त !　　　　जय चित्रांश !!

रवीन्द्र सिन्हा

(रवीन्द्र किशोर सिन्हा)
पूर्व सांसद (राज्य सभा)

Delhi : C-1/22, Humayun Road, New Delhi -110003, Telefax : 011-24656645/46
Patna : Annapoorna Bhawan, Annapoorna Path, Kurji, Patna - 800010
Telephone : 0612-2266666, 2263949, 2273949, 3257528, Fax : 0612-2263948
E-mail : rkishore.sinha@sansad.nic.in, rksinha@rksinha.com • Web. : www.rksinha.com
For Appointments & Enquiry : 9013181285, 9308204424, 9999030690, 9430266666, 9810755345 (SMS Only)

कुमार अनुपम

Kumar Anupam

JOURNALIST & CULTURAL ACTIVIST

CHAIRMAN
PATNA CITIZEN COUNCIL
[redacted] SECRETARY - DIRECTOR
BIHAR CENTRE OF ITI UNESCO
BIHAR ART THEATRE
SECRETARY
J.P. INSTITUTE OF SOCIAL CHANGE

पूर्व उपाध्यक्ष
बिहार संगीत नाटक अकादमी
राष्ट्रीय समन्वयक
राष्ट्रीय कायस्थ महापरिषद्
प्रधान सम्पादक
'कल्चर टुडे' मासिक पत्रिका

B-2, HOUSING COLONY
KANKARBAG,
PATNA - 800020 (BIHAR)
INDIA. 9431426991
TEL. ~~651064 (PATNA) (R)~~
KALIDAS RANGALAYA
GANDHI MAIDAN, PATNA

21/10/2020

संदेश

यह जानकर प्रसन्नता हुई कि अखिल भारतीय राढ़ी कायस्थ संगठन, दिल्ली के संयोजन में वार्षिक स्मारिका का प्रकाशन किया जा रहा है।

मैं स्वयं पटना में आयोजित होते ऐसे कार्यक्रमों में पिछले दो दशकों से न केवल शिरकत करता आ रहा हूँ, बल्कि कई कायस्थ पत्रिकाओं में राढ़ी कायस्थ समाज के स्वर्णिम इतिहास को छाप कर, कायस्थ संगठनों की मुख्य धारा से राढ़ी कायस्थों को जोड़ने का मैंने अभियान शुरू किया था।

स्वामी विवेकानन्द, महर्षि अरविन्द, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जैसे राढ़ी कायस्थ नक्षत्रों ने पूरे कायस्थ समाज ही नहीं, दुनिया में राढ़ी कायस्थों को गौरवान्वित किया है। राढ़ी कायस्थ प्रतिभाओं ने शासन-प्रशासन समेत हर क्षेत्र में अपनी श्रेष्ठता के परचम लहराये हैं।

स्मारिका के सफल प्रकाशन हेतु शुभकामनाएँ

आभार
कुमार अनुपम

राढ़ीय कायस्थ बान्धव समिति, दुमका

मनोज कुमार घोष
अध्यक्ष
राढ़ीय कायस्थ बान्धव समिति, दुमका
मनमोहन कुंज बाँध पाड़ा दुमका 814101 झारखण्ड।
मोबाइल नंबरः 9431190149, 9122217946

यह जानकर अति प्रसन्नता हुई की अखिल भारतीय राढ़ी कायस्थ संगठन, दिल्ली द्वारा विजया मिलन समारोह के अवसर पर स्मारिका ओन लाइन प्रकाशित 2020 पर आपार हर्ष व्यक्त करते हुए हम अपने कर्म, धर्म, जय और पराक्रम से समस्त समाज को सिचिंत कर एवं दिशा को पुष्पित व पल्लवित कर स्वप्न साकार करे। तन, मन, धन से समर्पित और दुर्भावनाओं से परे सद्गुणों को आत्मसात करे।

"अधर्म पर धर्म की जीत,
बुराई पर अच्छाई की जीत
विजया मिलन में आप सभी की प्रीत
शरद श्रृतु के इस मौसम में मधुमय संगीत।"

आइये हमसब मिलकर दीप जलायें और ज्ञान रूपी प्रकाश से इस धरा के रूग्ण रूपी अंधकार को मिटाये।
मनोज कुमार घोष
अध्यक्ष
राढ़ीय कायस्थ बान्धव समिति दुमका

****

विजया मिलन के शुभ अवसर पर स्मारिका के प्रकाशन के लिए सभी को बहुत–बहुत बधाई आशा करता हूं हर वर्ष प्रेरणादाई स्मारिका का प्रकाशन होता रहेगा सभी बड़ों को विजया प्रणाम छोटों को शुभ आशीष

उत्तम कुमार गुड्डू
महासचिव
राड़ी कायस्थ बांधव समिति दुमका उपराजधानी झारखंड

बांधव समिति सिंहभूम, जमशेदपुर

विजयदशमी की हार्दिक शुभकामनायें एवं संदेश

यह जानकर प्रसन्नता हुई कि अखिल भारतीय राढ़ी कायस्थ संगठन, नई दिल्ली द्वारा अपने स्थापना वर्ष २००७ से ही हर वर्ष की तरह इस बार १४ वें विजया मिलन समारोह का हर्षोलास ८ नवंबर २०२० दिन रविवार को मनाया जा रहा है, आज की स्थिति को ध्यान रखते हुए अंतर सिर्फ इतना हीं है कि इस बार यह आयोजन ई प्लाटफॉर्म पर हो रहा है।

बांधव समिति सिंहभूम, जमशेदपुर की ओर से विशेष शुभकामनाएं प्रेसित कर रहा हूँ।

वर्ष २०२० देश हीं नहीं अपितु पूरा विश्व इस महामारी का सामना पूरा धैर्य एवं साहस से कर रहा है। अपनी यह संस्था भी अपने क्षेत्रों में हर संभव सहायता कराने में सदैव अपनी भूमिका निभाती आई है। हमसभी अपने सगे – संबंधियों के साथ रहते हुए , दूसरों को भी संभव सहायता देते हुए आगे बढ़ रहे हैं। इसी प्रयास में संस्था के आवश्यक कार्यो को संपादित करने के लिए उपलब्ध सुविधायों के माध्यम से एक दूसरे से जुड़े रहने का प्रयास जारी है। इसका उदाहरण हमारी दिल्ली संस्था है। इस कोरोना काल ने हमें कई नई जानकारी एवं अपने आप को बदलने का भी अवसर दिया है।

समाज मे क्षीण हो रही हमारे रीति रिवाज एवं संस्कार की पुनर्स्थापना एवं उसके प्रति युवा वर्ग में अभिरुचि जगाने की आवश्यकता है।

हमारी ईश्वर से यही प्रार्थना है कि सभी पूर्ण स्वस्थ रहते हुए अपने जीवन लक्ष्यों की ओर अग्रसर हों। आइये हमसब विजया मिलन सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे संतु निरामया के आलोक में पूर्णतः आनंद एवं उत्साह पूर्वक मनाएं।

पुनः इस शुभ अवसर पर विजया अभिनंदन एवं शुभकामनाएँ।

बांधव समिति सिंहभूम, जमशेदपुर की ओर से।

किंकर प्रसाद घोष	मुकुल कुमार शर्मा	भुपेंद्र कुमार सिन्हा
अध्यक्ष	महासचिव	(कोषाध्यक्ष)
(9431748425)	(8674946080)	(7992309263, 9234554938)

राढ़ी बांधव समिति, बांका

राढ़ी कायस्थ न्यूज पोस्ट द्वारा। ABRKS के तत्वावधान में देश की राजधानी दिल्ली में ई–बिजयामिलन का आयोजन सचमुच में राढ़ी–समाज के लिए अद्भुत और रोमांचकारी है। इस पुनित कार्य के लिये और आयोजन की सफलता हेतु अशेष शुभकामनाएं। इस अवसर पर आप ई–पत्रिका का शुरुआत कर रहे हैं, बहुत ही सुंदर कार्य। आपके प्रयासों हेतु साधुवाद।

दिलीप कुमार

अध्यक्ष, राढ़ी बांधव समिति बांका

रामा–भवन, बाबू–टोला

बांका।

अखिल भारतीय राढ़ी कायस्थ संगठन दिल्ली द्वारा ई–पत्रिका देश विदेश मे अपने स्वजन बांधव के लिए एक मार्ग निर्देसिका है। बांधव परिवार को एक दूसरे के साथ जोड़ने का यह बहुत ही उत्तम कदम है। संगठन के द्वारा बच्चों को दिया जाने वाला scholarship विकास का प्रतीक है।

संगठन की सक्रियता एवं संकल्प बरकरार रहे, एसी प्रार्थना परमपिता परमेश्वर से करता हूँ।

सुभकामनाओ के साथ–

Dr. (prof.) Nawal kumar Ghosh Secretary,

Radhi Bandhav Seva Samiti Banka,

Contact: 9570599451, 9534424807

राढ़ी बांधव समिति, भागलपुर

ऐसे कठिन समय में भी सबकी एकजुटता गतिविधियों के माध्यम से, एक बड़ा काम है। समाज की प्रतिभाओं को एक मंच साझा करने का सराहनीय प्रयास दिल्ली संगठन द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर किया जा रहा है।

राढी बांधव समिति भागलपुर की ओर से ढेर सारी शुभकामनाएं।

सोमेन घोष, अध्यक्ष, राढी बांधव समिति भागलपुर

अखिल भारतीय राढी कायस्थ संगठन दिल्ली द्वारा आयोजित ई विजया मिलन समारोह सामाजिक एकजुटता,सहभागिता का प्रयास है । समाज आगे बढ़े इसमें हम सब को मिलकर काम करने की जरूरत है। अलग–अलग शहरों में हमारी सक्रियता पर लक्ष्य एक समाज का उत्थान, उत्कर्ष। सामूहिकता हमारी शक्ति, संस्कृति, विरासत को सहेजने की कोशिश हमें निःसंदेह आगे बढ़ने में सहायक होगी। ई पत्रिका के माध्यम से हम अपने स्वजन को चाहे वे कहीं भी हो, अपनी बात कह पाएंगे।

आयोजन की सफलता की कामना करते हुए समाज के सभी सम्मानित स्वजन बांधवों से सक्रियता से एकजुट होकर प्रतिकूलताओं के बीच अनुकूलता लाने के प्रयास में सहयोगी होने का आह्वान करते हैं।

जय मां भारती,जय समाज।
प्रणव दास, संयुक्त मंत्री
राढी बांधव समिति, भागलपुर

बिहार राडी समाज कल्याण समिति, पटना

हमलोग सभी परिवार शक्ति माँ के पूजा के पश्चात विज्यामिलन मानते हुए आएँ हैं। यह हमारे संस्कृति का एक हिस्सा रहा है। इसमें हमारे एक साथ चलने और एक साथ रहने की प्रेरणा अर्जित करता है और आगे की क्रियाकलाप की संकल्प लेते हैं। इस शुभ अवसर पर हमारी तरफ से ढेर सारी शुभकामनाओ के साथ–

नित्यानंद घोष,

अध्यक्ष

बिहार राडी समाज कल्याण समिति,पटना।

****

विजया मिलन हमारी गौरवाशाली संस्कृति की ऐतहासिक परंपरा का स्वर्णिम अधयाय है,जो राडी समाज की अस्मिता की पहचान है,जिस पर आज भी हमे गर्व है। यह उत्सव हमारे जीवन मे पारस्परिक प्रेम सद्भाव एवं सौहार्द का संचार करता है।

इस शुभ अवसर पर बिहार राडी समाज कल्याण समिति,पटना की ओर से सभी राडी समाज के सदस्यों को परिवार एवं मित्रगण सहित हार्दिक शुभकामनाएं एवं विज्याभिनंदन–

जयंत कुमार घोष,

महासचिव,बिहार राडी समाज कल्याण समिति, पटना।

राढ़ी कायस्थ बांधव समिति, पुणे

विजया मिलन के अवसर पर बड़ों को विजया प्रणाम एवं छोटो को विजया आशीष।

इस बार दुर्गा पूजा कोरोना महामारी के कारण हर्षोल्लास कम रही। लोग घर से बाहर नहीं निकल सके पर मन के उदघोष को रोक नहीं पाए और विजया मिलन हो पा रहा है।

छात्र काल से भागलपुर राढी कायस्थ सम्मेलन में भाग लेने का मौका मिला। मेरे पिता जी स्व हरिश्चंद्र दास जी इसके अध्यक्ष भी रहे। सबका अनुभव का लाभ और दिल्ली संगठन से प्रेरित होकर चार साल पहले पूणे राढी बांधव समिति का गठन किया गया।

विगत दिनों महामारी में अपने समाज के लोगों को पिसते देख पूणे संगठन की ओर भागलपुर, बांका, बेगुसराय, मुंगेर, देवघर आदि जगहों पर समाज के 72 लोगों 1000/– रु कर सहायता की गई। 34 लोगों को अनाज बाटा गया। आपातकाल में 5000/– की सहायता हेतु कोशिश की जाएगी। समाज के 4–5 बच्चों को 10000/– स्कालरसीप देने हेतु कमिटी बनाई गई है।

सारे जगह से हमसब मिलकर कुछ कुछ समाज के लिए करें तो समाज का बहुत काम हो जाएगा।

उठने की देर है और कारवां को जगाने की देर है।

पूणे RKBS की ओर से दिल्ली संगठन के सभी सदस्यों और आरगानाइजर को बहुत शुभकामनाएं।

दीपक कुमार दास, अध्यक्ष

RKBS, Pune

राढ़ी बांधव समिति, देवघर

राढ़ी बांधव समिति, देवघर समाज की बेवतरी, खुशहाली, एवं विकसित समाज की रचना हेतू दृढ़ संकल्पित है तथा मंगल कामना करती है कि हर समिति दृढ़ संकल्पित हो। ताकि पूरी दुनिया के सामने विनम्र, लेकिन गौरवमयी हुंकार के साथ, जयघोष कर सकें कि हम "राढ़ी कायस्थ" है। नव वर्ष मंगलमय हो।

ई० जय कुमार दत्त

अध्यक्ष, राढी बांधव समिति,

जिला–देवघर (झारखण्ड़)

VIVEKANAND KALYAN SAMITY (Rarhi Bandhav Samity), RANCHI

विजया मिलन की हार्दिक शुभकामना एवं अभिनंदन

कमल कान्त चौधरी

अध्यक्ष

At Ranchi our society is Vivekanand Kalyan Samity (Rarhi Bandhav Samity Reg. No.746 dt 2011-12).

Activity being taken place by samiti are as:

1. Dental & Health check-up camp
2. Tree Plantation Programme
3. Holi & Vijaya Milan every year honoring Senior Members of the society
4. Distribution of old clothes in leper colony
5. Publication of magazine in the name of Jyoti Punj. Editor Prof N.C. Das

Myself Sri Pradeep Shanker Ghosh S/o Late Charu Chandra Ghosh of Bhagalpur now Residing at Ranchi. This is in brief illustrations of Vivekanand Kalayan Samity (Rarhi Bandhav Samity)

At the outset I would like to extend my Vijaya Greetings to all of you.

Sri P. S. GHOSH

General Secretary

अध्यक्ष संदेश

सर्वप्रथम मैं अखिल भारतीय राढी कायस्थ संगठन के सभी महानुभावों का, अभिनंदन करता हूं। जैसा कि आप सभी जानते हैं कि, इस बार परिस्थितियां अनुकूल न होने के कारण वश, हम लोग दुर्गा पूजा उस तरह नहीं मना पाए, जैसा कि हर बार मनाया करते थे।

इस बार विजय मिलन भी हम लोग उस तरह मनाने की स्थिति में ना होने के बावजूद, इस संस्था ने वर्चुअल (E– विजया मिलन एवं E– स्मारिका) विजया मिलन/ स्मारिका करने की सोच को एक नया आयाम दिया है। इस माध्यम के द्वारा हमारे दूरदराज देशों में बैठे हुए भी हमारे प्रिय जन हमारे इस कार्यक्रम को बहुत सहजता से, देख पाने में सक्षम होंगे।

राढी कायस्थ के इतिहास का यह पहला चरण है, जिसके कार्यक्रम को देखने के लिए पूरा देशः विदेश तक लोग आंखें बिछाए बैठे हैं और देख रहे होंगे। इस कार्य को अमलीजामा पहनाने वाले सभी महानुभावों को मैं बहुत–बहुत धन्यवाद देना चाहता हूं। अपने इस कार्यकाल के दौरान हमारी पूरी कोशिश रहेगी की अखिल भारतीय राढी कायस्थ संगठन का अपना कोई भवन हो इसमें हर तरह की सुविधा का प्रावधान हो बुजुर्ग लोगों के रहने की व्यवस्था हो एवं ऐसा प्रांगण हो जिसमें हमारे गांव घरों से विद्यार्थी जो पढ़ने के लिए दिल्ली आते हैं उनके रहने का भी कुछ व्यवस्था हो एवं बीमार लोग जो इलाज बस यहां आते हैं उनके रहने का भी कोई इंतजाम हो इस काम को पूरा करने के लिए आप सभी का योगदान एक महत्वपूर्ण कदम होगा। इसके सहयोग के लिए जो भी अनुदान की राशि इकट्ठा कर पाऊं। भवन मेरा एक सपना है और इस सपने को पूरा करने हेतु आप सभी की सहयोग की बहुत जरूरत है। अंत में विजया मिलन के इस शुभ अवसर पर सभी को बधाई देता हूं एवं सभी गुरुजनों को मेरा प्रणाम एवं सभी अनुजो को बहुत–बहुत प्यार।

अजीत कुमार दास,

अध्यक्ष

अखिल भारतीय राढी कायस्थ संगठन, दिल्ली

महासचिव संदेश

हमारी परंपरा, हमारी विरासत। उसके संरक्षण, संवर्द्धन का प्रयास। इस प्रयास में सबकी सहभागिता, सबका साथ और सबके स्नेह का प्रवाह इसे सुंदर परिणाम की ओर ले जाने को उद्दत।

सह यात्रा में कई सवाल कभी रोमांचित करता है तो उद्वेलित भी। कभी निराशा की सागर में ले उतरता है तो कभी अंधेरों के बीच आशा की किरणें दिखती है । मानव होने से मानवजन्य कुछ सवाल भी। उठता है जेहन में सवाल भी कि जब अपेक्षित सहभागिता नहीं तो फिर क्यों संगठन। फिर उत्तर 'चाहिये' और 'करने' के बीच द्वंद में आ फंसता है। आज 'चाहिये' के फैलाव नें 'कर्तव्य ' की जद्दोजहद हर जगह दिखती है। इसी में जीने की नई राह की तलाश लिये हम सब आगे बढते हैं। राह दिखा जाती है बड़ों का अनुभव जो शब्दों में बोल उठती है।

मेंहंदी जब सहती है प्रहार, तब बनती ललनाओं का श्रृंगार

जब फूल पिरोय जाते हैं तब हम उन्हें गले लगाते हैं

जीने की जिजीविषा है तभी तो समाज के लोग संघर्ष करते हुये कई मानक बनाये । कई मापदंड स्थापित किये गये समाज के लोगों के द्वारा। गंगा की जलधारा ने मन के संकल्प को अनवरत प्रवाह की दृढता दी है। अपनी मिट्टी की उर्वरा भूमि ने मन को उर्वरता । यही कुछ थाती लिये तो उत्थान को हम निकल पड़े है अनवरत यात्रा पर । संघर्ष में संगी के बीच अपनापन । यही तो जन्म देता है संगठन को । और विकास इसका तो बस हम सबके हाथ । इसकी मजबूती , इसकी गति , इसकी दृढता सब हम सबके हाथ । जब हम सब ही इसके परवरिश में तो फिर इसकी जीवंतता भी तो हमसे ही । तो आये हम सब मिलकर इसे जीवंत करे। अपने मेहनत से उत्पन्न स्वेद की बूंदों से सींचे, आपके ज्ञान की ज्योति की लौ से संगठन देदीप्मान हो।

आपने संघर्ष किया। कुछ ने मंजिले पायी। और कुछ मंजिलों की ओर दौड़ रहे हैं। आप अपने अनुभव, अपने सामर्थ्य का कुछ भाग अपनों को नहीं देगें तो जग में रह किया जायेगा। और यही देने के उपक्रम में सहभागी होता है संगठन।

अगिनत पथिक गये इस राह से उनका पता क्या

पर गये कुछ लोग छोड़ अपने पैरों की निशानी।

आयें, संगठन से समाज का तो उत्कर्ष तो है ही साथ ही अपना भी उत्कर्ष्। यह संगठन है जो हमें रास्ता दीखा जाता है, मंच देता है अपनों के साथ होने का, उनके सुख दुख में सहभागी होने का।

'अर्थ' का युग है। अर्थ का रथ आगे बढ़ रहा है। पर रथ तो खींचा जाता है। और इसके खींचने का आनंद भी अपूर्व है तभी तो हाथ में मोबाइल से चिपके रहने की परम्परा के विरत भी लाखों की भीड़ और उसमें होड़ रथ की रस्सी पकडने की रहती है। आये ,समाज के विकास के रथ को खींचने की परम्परा में हम सहयात्री हों।

स्मारिका दृ हमारे सृजन को आपके सम्मुख रखने की कोशिश। रचनाये यानी हमारे भाव। अपनी भाव अपनों के सामने। गप शप का माध्यम। दिल्ली संगठन की गतिविधियाँ आओअके सामने। समाज के उद्दमी सबके सामने। सबको प्रोत्साहन आपके द्वारा मिलेगी ऐसा विश्वास है। स्मारिका में जिसने भी जिस रुप में योगदान दिया उन्हें अशेष धन्यवाद।

विज्ञान के शिखर पर होते हुये भी विश्व किस विभीषिका से गुजर रहा है हम सब जानते है। इसमे हम सबका दायित्व समाज के प्रति बढ़ जाता है। इसका बखूबी निर्वहन भी समाज के लोगो ने किया है। अपने स्वजनों के साथ खड़े होने का प्रयास किया गया और जारी भी है। बच्चों को पढ़ाई में प्रोत्साहित किये जाने का प्रयास किया जा रहा है। आगे सतत रहे उसमें सबकी सहभागिता होगी ऐसा विश्वास है। आप सबों के पुनः सादर नमस्कार करते हुये आपसे निवेदन संगठन के लिये संवाद ,स्नेह, सहयोग, सहभागिता,निरंतरता से जीवंतता ।

स्नेहाकांक्षी

निहार रंजन, महासचिव
अखिल भारतीय राढी कायस्थ संगठन, दिल्ली
9968062186, niharse@gmail-com

Message from treasurer

Pranam to all of you,

I am very glad and excited to know that we are celebrating "e-Vijaya Milan" this year, due to epidemic Covid-19, where social distancing is very much important to safe our self and our dear one. The benefit of this e-platform is going to have very big impact. We will be able to connect with people from all over India this time, and it will be very easy to access.

Due to this epidemic, many families suffered due to huge loss and still they are fighting to get rid-off issues. ABRKS Delhi has tried to support more than 70 families in this situation of financial stress. Society has started much awaited "Means cum Merit Scholarship Program" this year to support the dream of our meritorious students. Total 26 applications received for 10th and 12th passed out candidates. ABRKS Delhi has shortlisted 30% most eligible candidates on the criteria defined for "Means and merit".

We wish to continue to grow and strengthen the RK Society; our each monthly meet is thoughtful step towards success of our vision; we wish to expand our scholarships; engage in programs to safeguard and protect cultural heritage; in the hour of need stand by them with moral and financial support.

We have a long way to go in a speedy manner with the support of its esteemed members as ABRKS Delhi has crossed its childhood and adolescent era. We dream to have "Radhi Bhawan" in the national capital region where we can facilitate people of our society and run all our programs. We are also pushing for "Group Health Insurance" cover to our members where family including elderly members covered at nominal contribution. We have not accomplished the census of "Radhi Villages" and to list down those families and their relevant details for better understanding and planning. We would in best of our financial health with your sincere contribution and donations complete the dreams. We are 466 registered members so far, let us go ahead and set a new all-time record of depositing our annual subscription digitally (account details are given at the last page of this souvenir). We also request more and more people to join ABRKS and add all those who are interested to join the vision and mission of ours. So, if you were waiting to make subscription /contribution in person this year, please go digital medium should not be hinderance for the cause. We call all capable RK society members to extend their support, so that we can serve the under privileged of our very own society.

Thank you to all our donors and sponsors for their financial support extended to ABRKS Delhi. Requesting all others to come forward as supporting needy is required, but providing support on-time is equally important.

-Abhinandan Kumar Sinha

Native : Rupsa, Banka

Mobile : 9971295833

e-mail : abhinandan2009@gmail.com

ई-विजया मिलन: नियोजन एवं कार्यान्वयन

अमरेंद्र कुमार घोष (अमर)

सर्वप्रथम आप सभी ज्येष्ठ एवं श्रेष्ठ पाठकों को विजया प्रणाम और स्नेहवंदन। मैं आज अखिल भारतीय राढ़ी कायस्थ संगठन दिल्ली के तत्वावधान में आयोजित हो रहे ई–विजया मिलन की पूर्व संध्या पर आपके सम्मुख यह हृदयोदगार प्रस्तुत कर रहा हूँ। संगठन की और से आप सभों के कुशलक्षेम की कामना करता हूँ।

विषय को आगे बढ़ाने से पहले श्रद्धासुमन अर्पित करता हूँ उनको जो इस त्रासदी काल के दौरान भूलोक त्याग गए । नमन उन सभी गुणीजनों को जिन्होंने विषम परिस्थिति में भी समाज के लोगों के मदद हेतु तत्पर रहे और अंशदान भी किया।

आज का यह उत्सव विजया मिलन पुरे राढ़ी समाज की एकता और समरसता का अनूठा उदाहरण है। आज हम देवी माँ दुर्गा की विदाई उपरान्त अपने बड़ों से आशीर्वाद लेते हैं, हमउम्र और छोटों से स्नेह के साथ मिलते हैं। वर्ष का यह एक दिन हमसब को रोमांचित करता है हम संगठित हैं ऐसा भाव होता है हमारा।

वैश्विक महामारी ने जो त्रासदी मचाई उससे यह दिन भी अछूता नहीं रह सका, हम एक स्थान पर इक्कठ्ठा हो कर विजया मिलन नहीं मना सकते हैं। हम सभ्य समाज में रहते हए, अपनी जिम्मेदारियों को समझते और निभाते रहे हैं, हम एक स्थान पर इक्कठ्ठे नहीं होंगे यह तय हो गया। इस बार दुर्गा पूजा में घर ना पहुँच पाने की टीस और फिर दिल्ली में विजया मिलन नहीं होने की लाचारी कुछ खालीपन सा महसूस हो रहा था। बातों ही बातों में घर में इसपर चर्चा हुई और बात निकली की जब आपका वर्क फ्रॉम होम हो सकता है तो फिर विजया मिलन फ्रॉम होम क्यों नहीं। प्रदीप जमायबू ने बात भले ही मजाक में कही थी पर यह वाक्य सूत्र बन गया और यह निश्चित हो गया की ऐसा हो तो सकता है।

मायूसी ज्यादा देर टिक नहीं पाई, इछाशक्ति विजयी हुई और हमने सुचना तकनिकी की सहायता से बिना एक स्थान पर आये आपस में मिलने का निर्णय ले लिया। अब क्या था कार्यकारिणी की बैठक में यह प्रस्ताव रखा गया और सर्वसम्मति से अनुमोदित भी हुआ। सभी सदस्यों का उत्साह सराहनीय था और कार्यक्रम के सफल होने का संकेत प्रतीत हो रहा था।

समय प्रकाश की गति से दौड़ने लगा और तैयारी जोरों पर शुरू हो गई, सदस्यों के अनुभव और सुझावों का लाभ लेते हुए कार्यक्रम की रुपरेखा तैयार हुई। इस दौरान कई छोटी और बाड़ी बैठकें हुई, व्हाट्सप्प पर करीब १० ग्रुप सक्रीय हो गए जो कार्य विभाजन के अनुसार थे। अध्यक्ष और सचिव महोदय ने कार्य को अपने तरीके से कर पाने की अनुमति दे दी, कोषाध्यक्ष महोदय ने वित्तीय संसाधन उपलबद्ध कराने की व्यवस्था की और एक यादगार सफर शुरू हो गया।

समन्वय की जिम्मेदारी संभाली श्री तुषार कांत घोष, श्री नवीन मित्रा, श्री सौरभ घोष एवं श्री प्रशांत कुमार दास जी ने। जहाँ तुषार जी, सौरभ जी और नवीन जी ने प्रतिभागियों का जिम्मा लिया वहीं प्रशांत बाबू ने विभिन्न कार्यक्रम के लिए जज के चयन से परिणाम घोषित होने तक की जिम्मेदारी ली। अध्यक्ष महोदय प्रगति की समीक्षा लगातार करते रहे और महासचिव महोदय ने वक्ता के चयन से उपलब्धता तक सब कुछ अपने जिम्मे लिया। कोषाध्यक्ष महोदय ने वित्तीय और अन्य सभी सूचियां जारी कर दी जो स्मारिका में जानी थी, कार्यकारिणी ने तय किया था ही इस बार स्मारिका का ई–संस्करण ही उपलबद्ध कराया जायेगा सो इसकी तैयारी भी जोरों पर थी। इस बार स्मारिका की जिम्मेदारी ली श्री प्रवीण कुमार घोष जी ने और सहयोग के लिए उनके साथ रहे आशीष जी।

बच्चे जो कुछ वर्ष पहले तक स्वयं प्रतिभागी होते थे अब योजना एवं क्रियान्वयन जैसी जिम्मेदारी के लिए तैयार थे, अपनी परिपक्वता का परिचय देते हुए प्रिय प्रत्युष घोष एवं रिया मजूमदार ने तुषार घोष जी के साथ काकुल घोष ने सौरभ जी के साथ और हर्षिका मित्रा ने नवीन जी के साथ कार्यभार संभाल लिया। इस बार कार्यक्रम ऑनलाइन था सो भागीदारी भी देश के विभिन्न भागों के अलावा विदेश में रह रहे राढ़ी कायस्थ परिवार से भी आयी।

श्री अनिमेष घोष जी एवं श्री अभय घोष जी ने क्विज कराने से ले कर परिणाम घोषित करने की पूर्ण जिम्मेदारी ले ली। श्री रमन अकेला जी ने ई–विजया मिलन कार्यक्रम के दौरान काव्य प्रस्तुति के संचालन की जिम्मेदारी ली है और सभी कवियों और शायरों से संपर्क बनाने से ले कर कार्यक्रम कराने तक सारा कार्य उन्होंने संभाला है वही कार्यकारिणी के सदस्यों ने हमारे अपने राढ़ी परिवारों को कॉल करके इस कार्यक्रम की सुचना देनी शुरू कर दी। सभी अपने अपने स्तर से कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पूरी तरह तत्पर रहे।

हमने अपनी तैयारी पूरी कर ली और कार्यक्रम में प्रतिभागी, जज और कार्यकारिणी के सदस्य वक्ताओं के साथ जूम पर उपलब्ध रहेंगे और दर्शक यूट्यूब पर इस ई–विजया मिलन का आनंद उठाएंगे ऐसा तय हो गया।

इस कार्यक्रम की रुपरेखा बनाने से ले कर तकनिकी तैयारी तक कई ऐसे पड़ाव आये जब भावनाओं का उतार चढाव आवेग पर रहा और ऐसे में श्री प्रवीण कुमार घोष जी थे जो कदम कदम पर अपने अनुभव से मार्गदर्शन करते रहे। श्री प्रवीण कुमार घोष जी देर रात या सुबह जल्दी जब भी कोई सुझाव की आवश्यकता हुई उपलबद्ध रहे और तत्परता से सहयोग करते रहे जिससे राह आसान हो गई। मैं लिखना चाहूंगा की श्री जयदेव कुमार सिन्हा जी के विचार और दुनिया को देखने का उनका नजरिया मुझे प्रेरणा देता है और उनसे बात करके सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है। इस कार्यक्रम के शुरुआत में मैंने उनसे बात करके स्वयं के लिए ऊर्जा संचय कर लिया था जिससे मुझे इस क्रियान्वयन में काफी सहायता मिली।

कार्यक्रम कल प्रारम्भ होना है, उम्मीद है जब आप स्मारिका के इस संस्करण को पढ़ रहे होंगे तब ई–विजया मिलन की यादें आपको रोमांचित कर रही होंगी। यह दिन हम सब के लिए एक यादगार दिन है जब हम समय के साथ चलते हुए तकनिकी की सहायता से फिजिकल से डिजिटल हुए।

मैं धन्यवाद देता हूँ सभी प्रायोजकों का जिन्होंने अंशदान दे कर संगठन को सशक्त किया, उन सदस्यों का जिन्होंने अपनों की याद में संगठन में योगदान किया। मैं प्रणाम करता हूँ उन दिव्यात्माओं को जो हमारे प्रिय एवं सक्रिय सदस्य थे और अब हमारे बीच नहीं रहे। माँ भगवती से आशीष मांगते हुए और आप सभों की शुभेक्षा के साथ हम कार्यक्रम को प्रारम्भ करने जा रहे हैं। आपके सुझाव एवं शिकायत यदि कोई हो तो हमें जरूर भेजें यह हमारे अगले कार्यक्रम के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगे।

हमेशा आपके स्नेह का आकांक्षी

अमरेंद्र कुमार घोष (अमर)
9871003459
ghoshamarendra@gmail.com

दुर्गा माँ प्रतिमा एवं मंदिर

Teldiha

Teghra Lakhanpur

Tamot Parsa

Sujapur

Singhnan

Sagunia

Sabalpur

Rupsa

Ratanpura

Ranikitta

Rani Diyara (Bhikhanpur)

Rampur (Sinha Family)

Rampur (Mitra Family)

Rajapur

Pipra

Pathakdih

Orlaha

Orai Jankipur

Narayanpur

Mukheriya

Mukheriya (Badi)

Mohanganj

Milki

Mayaganj

Manoharpur

Mahiyama

Maheshamunda

Laxmipur (New)

Lakhanpur

Lakhanpur (Choti)

Lahti

Kushmaha

Kunouni

Khaira

Kelapur

Kaspur

Kasba

Karhariya

Kajhiya

Kairi Bounsi

Jhalari

Jagdishpur

Jagatpur

Gangaldai

Dumrahma

Dumrahma (Purani)

Dighi Simanpur

Dhouni

Daliya Bounsi

Chorhar

Chhohar

Charbhuja Champanagar

Chara Badgram

Chanpi

Chandpur

Chandpur (Badi)

Bijeli

Bihpur (Mitra Tola)

Bihpur (Das Family 1)

Teghra Lakhanpur

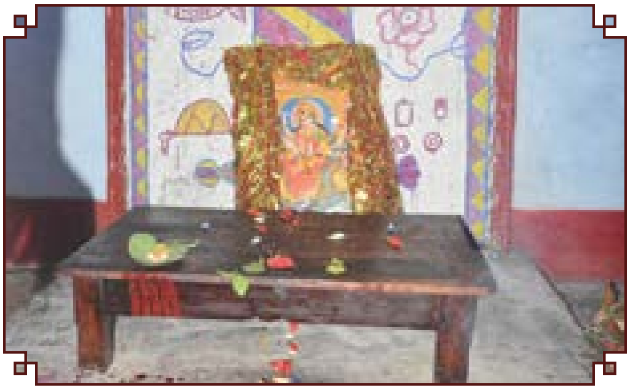
Bihpur (Das Family 2)

Bhuriya

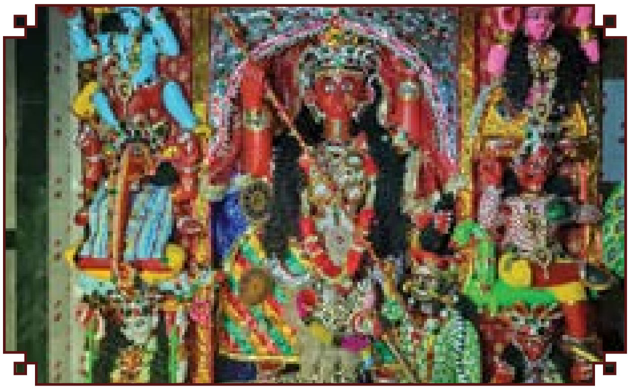
Bhawanandpur

Bhattachak

Belaganj

Begamsarai

Barari

Baniyadih

LIFETIME MEMBERS LIST (ABRKS)

Sr. No.	RK ID	Member's Name	Present Location	Ancestral Village
1.	RK00001	Lal Bahadur Sinha	Gurugram	Rajapur, Banka
2.	RK00003	Jaideo Kumar Sinha	Indirapuram	Sujapur, Bhagalpur
3.	RK00004	Ajit Kumar Das	Chhatarpur	Kasba, Banka
4.	RK00005	Pravin Kumar Ghosh	Indirapuram	Saidapur, Godda
5.	RK00009	Sanjay Kumar Sinha	Vaishali	Sujapur, Bhagalpur
6.	RK00011	Nirupam Kumar Sinha	Noida Extension	Rupsa, Banka
7.	RK00018	Manish Kumar Dutta	Indirapuram	Singhnan, Banka
8.	RK00020	Chitranjan Kumar Das	Vaishali	Mukheria, Bhagalpur
9.	RK00023	Ashok Kumar Ghosh	Indirapuram	Laxmipur, Banka
10.	RK00042	Ranjay Kumar Sinha	Rohini	Sujapur, Bhagalpur
11.	RK00050	Abhay Kumar	Gurugram	Rampur, Katihar
12.	RK00056	Kumar Brishketu	Faridabad	Laxmipur, Banka
13.	RK00076	Prashant Kumar Das	Crossing Republic	Jagatpur, Banka
14.	RK00094	Animesh Kumar	I P Extension	Lakhanpur, Begusarai
15.	RK00111	Ashish Chandra Sinha	Rajkot	Lakhanpur, Bhagalpur
16.	RK00112	Prem Chandra Sinha	Ludhiana	Lakhanpur, Bhagalpur
17.	RK00113	Manik Chand Das	Noida	Jagatpur, Banka
18.	RK00195	Subhash Chandra Das	Ranchi	Chara Bargaon, Bhagalpur
19.	RK00216	Jitendra Kumar Das	Ghaziabad	Manoharpur, Bhagalpur
20.	RK00315	Pradeep Kumar	Indirapuram	Singhnan, Banka
21.	RK00325	Kanchan Kumar Sinha	Noida Extension	Sujapur, Bhagalpur
22.	RK00347	Sadhan Kumar Das	Noida Extension	Dumramah, Banka
23.	RK00380	Amit Kumar Das	Munirka Vihar	Manoharpur, Bhagalpur

राढ़ी समाज की खबरे

दैनिक भास्कर

शिक्षक अरूण चंद्र घोष के निधन से शोक व्याप्त

नए चूड़ा का सेवन

विद्या विकास भारती के प्राचार्य का निधन

BENGALURU

COMPASSION KNOWS NO DISTANCE TO FEED NEEDY

भागलपुर 246 साल बाद पहली बार मनाएगा स्थापना दिवस

लखनपुर में नहीं चढ़ेगी खस्सी की बलि

बांका में लिखी गई रामराज्य की कहानी

बेटियों के सपनों की उड़ान है श्वेता की संघर्ष गाथा

सासाराम में डॉ. राजेश बने एसपी जैन कॉलेज के बर्सर

जी टीवी में आज दिखेंगे विशु व आयुष

गरीब छात्रों को शिक्षित करने का लिया संकल्प

राढ़ी बांधव सेवा समिति का किया गया पुनर्गठन

गोपेश कुमार घोष बने क्षेत्रीय सह सचिव, शिक्षकों ने दी बधाई

200 साल पुराने खड़ग की महाआरती कर हुई विशेष पूजा

इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रों ने सीखे गुर

जमकर लाठी खाई, मगर पीठ नहीं दिखाई

बांका के प्रवीर ने बनाई रामराज्य नामक फिल्म आज अयोध्या में गाया जाएगा टाइटल सॉन्ग

राढ़ी सेवा के संयोजक

धैर्य के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ाते रहें कदम

प्रधानमंत्री के अपील पर देवघर वासियों की राय

नोसनर में गणित विभाग ने संगोष्ठी का आयोजन किया

THE MESSAGE

"Things will improve post lockdown"

12 आईएएस अफसरों को अपर सचिव में प्रोन्नति

अरुणाचल प्रदेश में हुआ निधन, आज पहुंचेगा शव

नहीं रहे बांका के जाने-माने शिक्षाविद और समाजसेवी अप्पु दा, जताया शोक

हमेशा आगे देखना ही सफलता का परिचायक

नहीं रहे बरही स्पोर्ट्स एसोसिएशन के पूर्व संरक्षक डॉ. घोष

भारतीय शारीरिक शिक्षा संस्थान के झारखंड चैप्टर की आभासी बैठक सम्पन्न

श्मशान के मुखिया कहे जाते हैं बांका के सोलेन दा

महाधिवेशन में एकजुट हुई राढ़ी बांधव समिति

400 साल के इतिहास में पहली बार नवरात्र पर तिलडीहा दुर्गा मंदिर सील

राम जन्म भूमि आंदोलन में मंदार के विकास का था महत्वपूर्ण योगदान

दैनिक भास्कर

मोहनगंज दुर्गा मंदिर में बांग्ला पद्धति से होती है नवरात्र पूजा

दैनिक भास्कर

माइंडवॉश शो में झाझा के सगे भाई पियुष और आयुष लेंगे भाग

PHOTOGRAPHS OF EXECUTIVE BODY MEETINGS

EBM at Coffee House at Connought Delhi

EBM at Residence Of Sri Sujeet Kumar Das (Noida)

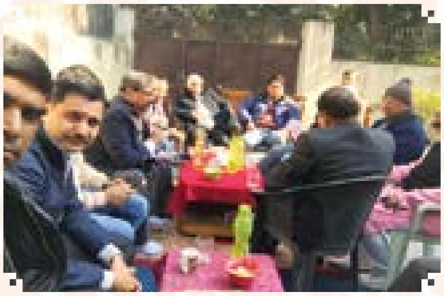

EBM Online At Zoom

Akhil Bhartiya Radhi Kayastha Sangathan

List of Contributers for Vijaya Milan-2019

Sr. No.	RK ID	Member's Name	Ancestral Village	Contribution Amount
1.	RK00380	Amit Kumar Das	Manoharpur	153000
2.	RK00011	Nirupam Kumar Sinha	Rupsa	15100
3.	RK00379	Praveen Kumar Das	Sujapur	11000
4.	RK00083	Manas Kumar Mitra	Lakhanpur	10000
5.	RK00254	Kaushal Kumar Sinha	Laxmipur	9500
6.	RK00315	Pradeep Kumar	Singhnan	5000
7.	RK00126	Naveen Kumar Mitra	Kunouni	5000
8.	RK00076	Prashant Kumar Das	Jagatpur	5000
9.	RK00003	Jaideo Kumar Sinha	Sujapur	5000
10.	RK00378	Manoj Kumar Sinha	Jagdishpur	4600
11.	RK00005	Pravin Kumar Ghosh	Saidapur	3500
12.	RK00205	Ashish Kumar Sinha	Ranikitta	2600
13.	RK00052	Dr Sonal Ghosh	Banka	2500
14.		Ujjwal Kumar		2500
15.	RK00028	Amrendra Kumar Ghosh	Bugrus	2100
16.	RK00137	Tushar Kant Ghosh	Lakhanpur	2100
17.	RK00124	Saurabh Kumar Ghosh	Missing	2100
18.	RK00022	Prashant Kumar Mazumdar	Pathakdih	2100
19.	RK00329	Parmendra Kumar Sinha	Kasba	2100
20.	RK00415	Nihar Ranjan	Bhuriya	2100
21.	RK00164	Punit Sinha	Orai jankipur	2000
22.	RK00007	Amreshwar Prasad Das	Pipra	2000
23.	RK00067	Rajesh Kumar Sinha		2000
24.	RK00364	Pradip Kumar Ghosh	Saidapur	1600
25.	RK00365	Prabhat Kumar Ghosh	Saidapur	1600
26.	RK00170	Som Ranjan	Jagatpur	1600
27.	RK00399	Shambhu Nath Ghosh	Tagepur	2500
28.	RK00013	Uttam Kumar Das	Pipra	1500
29.	RK00363	Subnedu Kumar Ghosh	Teghra Lakhanpur	1100
30.	RK00084	Madan Mohan Sinha	Pathakdih	1100
31.	RK00347	Sadhan Kumar Das	Dumramah	1001
32.	RK00300	Abhinandan Kumar Sinha	Rupsa	1000
33.	RK00133	Kanhai Chandra Ghosh	Bhattachak	600
34.	RK00051	Leela Kant das	Kasba	500
35.	RK00234	Chittaranjan Ghosh	Teghra Lakhanpur	500
36.	RK00461	Sanjeev Kumar Ghosh		500
37.	RK00414	Anup Kumar Sinha	Sujapur	500
38.	RK00374	Sanjeev Kumar Ghosh	Koyla	500
39.	RK00128	Ajay Kumar Das	Chopra	500
40.	RK00117	Sandeep Das	Barari	500
41.	RK00401	Amaresh Kumar Dutta	Dhnbai	500
42.	RK00405	Sanjay Kumar Sinha	Manoharpur	500
43.	RK00456	Manoj Kumar Sinha		500
44.	RK00138	Sameer Kumar Das	Sujapur	500
45.	RK00418	Raj Kumar Ghosh	Pathakdih	100

गतिविधियां - संगठन की

Activities of Sangathan by the pen of General Secretary

आलोकित पथ करो हमारा हे जग के अंतर्यामी
शुभ प्रकश दो, स्वच्छ दृष्टी दो, जड़ चेतन सबके स्वामी

ईश्वर के आशीर्वाद से हम सब कई महत्वपूर्ण काम करने का संकल्प लेकर आगे बढ़ते हैं। खास कर हर साल बड़े उत्साह से विजया मिलन में साथ होते हैं } अपनों से मिलकर उर्जा से लबरेज होकर मिलन के बाद उत्साह के साथ आगे के काम करने के लिए हम–सब मिलकर अपने पथ पर अग्रसर होते हैं। कई काम होते हैं । हम सब अपने स्वजन , परिजन से मिलते है। यही तो परिवार है। हमारे कई लोगों का अपना परिवार। मिलते–जुलते हैं और कुछ संकल्प लेते हैं। सबका सम्मिलित प्रयास कुछ करने का और इसी कारण कई कमिटी बनाकर आगे बढ़ने की एक कोशीश है । कार्य करने के उद्देश्य से निम्न कमिटी बनी

1. स्कालरसीप कमिटी – समाज के बच्चों की पढ़ाई निर्बाध हो, उत्साह रहें, छात्र वृत्ति ऊर्जा दे बच्चों को
2. कार्पस फंड कमिटी – अपना समाज, अपने लोगों का अंशदान से आगे बढ़ने का प्रयास। मासिक अंशदान संग्रह के लिए सक्रियता
3. सोशल वर्क कमिटी – संगठन के द्वारा सामाजिक सरोकार के कार्य किए जाए
4. लिटरेचर एंड कल्चरल कमिटी – प्रबुद्ध जनों का समाज है। संगठन द्वारा सांस्कृतिक और साहित्यिक अभिरुचि का विकास हो इस दिशा में कार्य हो।
5. मेबरसिप कमिटी – समाज के लोगों को जोड़ने के प्रक्रिया के लिए जागरुकता
6. फंड रेजिंग व एडवाइजरी कमिटी – भवन निर्माण और संगठन के द्वारा अन्य गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए हमारे संगठन के लिए पूर्व अध्यक, महासचिव और बड़ों का अनुभव का लाभ मिले और निकल पड़े हमसब आगे विकास और उन्नति के पथ पर।

कार्य शुरू हुए आपकी सक्रियता से । कठिन पथ पर डग मग करते आगे बढ़ने का संकल्प लेकर सबों की सहभागिता से कारवाँ बनता गया है। अवलोकन करे तो इन कुछ महीनों में आपने जो कुछ करने की कोशिश की उसे यूं देखा जा सकता है। जो नई विहान का संकेत है।

छ्टेगा अंधेरा , बढ़ेंगे हम , मिलकर जब साथ चलेंगे हम।

दिल्ली संगठन द्वारा इसकी शुरुआत जनवरी, 2020 में विवेकानंद जयंती मनाने के साथ की गयी।

समाज के द्वारा दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में गरीबों के लिए वस्त्र वितरण के कार्य किए गए इसी बीच पूरा विश्व कोविड की बिभीषिका से जुझते हुए आगे बढ़ने की कोशिश करता हुआ। अपना संगठन भी सक्रिय रहा। राष्ट्र निमार्ण में खड़े होने की कोशीश में प्रधानमंत्री केयर्स फंड में अंशदान देना एक कदम है। छात्र देश के भविष्य हैं। उनकी पडःआई बाधित ना हो खास कर आर्थिक परेशानी के कारण अतः छात्र वृत्ति समाज के बच्चों को प्रोत्साहित करने का प्रयास । इसका प्रतिफल सामने है। स्कालरसीप कमिटी ने बड़े ही शिद्दत से काम किया। इसकी निरंतरता और जीवंतता बरकरार रहे यह कामना है और विश्वास भी।

मेबंरसीप कमिटी की सक्रियता से लोगों का संगठन से जुड़ना सभी कमिटी जागरूकता से काम कर रही है।

इसी क्रम में सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने के क्रम में काव्य गोष्ठी का आयोजन हुआ । कई शहरों में रहने वाले साहित्य प्रेमी स्वजनों का मिलन जैसे संगम का आनंद हो। और सबको समाहित और समन्वय करता हुआ ई विजया मिलन ।

किए गए महत्वपूर्ण कार्यों में –

अन्नपूर्णा – कोविड बिभीषिका से उत्पन्न परिस्थिति से हमसब प्रभावित हुए। कुछ लोगों की आर्थिक स्थिति कुछ अधिक प्रभावित हुई। संगठन के माध्यम से अपने समाज के बन्धु बांधवों (70 परिवार) के साथ खड़े होने का प्रयास किया गया। कल्याणकारी कार्य अपने को अपनों से जोड़ने का सदप्रयास है।

आरुणि – संगठन संवेदनशील हैं।

राष्ट्र निर्माण के कार्य में संगठन पीछे नहीं है । प्रधानमंत्री केयर्स फंड में अंशदान देकर राष्ट्र के प्रति अपना सेवा भाव दर्शाया गया।

जीवन पथ पर कब तीक्ष्ण मोड़ आ जाए नहीं जानते हैं।पर साथ होने से मन को शक्ति मिलती है। गांव समाज में प्रभावित स्वजन के साथ खड़े रहने की संगठन की प्रतिबद्धता बरकरार है।

संजीवनी – जीवन है। आरोग्यता प्राप्ति प्रथम लक्ष्य होता है। पर स्वास्थ कब प्रभावित हो जाए नहीं कहा जा सकता है। और पैसे की कमी आड़े आने से परेशानी बढ़ जाती है।पर समाज है और संगठन के अपने स्वजन। इस क्रम में भी संगठन की भागीदारी रही।

समाज के हर क्षेत्र में सक्रियता रहे इस संकल्प को लेकर उत्साहित होकर आगे बढ़ रहें हैं।

सरस्वती – उत्कट अभिलाषा रही है कि समाज उत्थान हो। इसमें शिक्षा एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्तंभ। संगठन का सोच रहा कि आने वाली पीढ़ी शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़े। अर्थाभाव में शिक्षा बाधित नहीं हो। उन्हें स्कालरसीप का सुंदर विचार सामने आया । जनवरी, 2020 के मासिक मीटिंग में इसे साकार करने संकल्प लिया गया। और इस क्रम में बनाई गई ‘स्कालरसीप कमिटी’ को इसके समन्वय की जिम्मेदारी सौंपी गई। इनके व्यवस्थित, सुचारू रूप से कार्य करने का परिणाम है कि समाज के हर क्षेत्र से 10 वीं और 12 वीं के बच्चों के आए 25 नामों में से आर्थिक स्थिति और बोर्ड परीक्षाओं में आए परिणाम के आधार पर 8 बच्चों का चयन किया गया। जिन्हें प्रोत्साहन स्वरुप प्रत्येक बच्चों को 10000/– की राशि दी गई।

यह आगामी बरसों में और अधिक बच्चों तक पहुंच पाए ऐसी कोशिश रहेगी।

इन सारी गतिविधियों के केन्द्र में आप सब। आप हैं, आपकी सहभागिता है, संवेदना है, अंशदान के रुप में योगदान है तभी संगठन के क्रियाकलापों में गतिशीलता है। हम–सब मिलकर एक नया उन्नत समाज बनाने का संकल्प लें, सहभागी हो इसकी निरंतरता में।

VIVEKA NAND JAYANTI BY ABRKS DELHI

SOCIAL WORK (CLOTH DISTRIBUTION) AT MEHRAULI BY ABRKS DELHI

SOCIAL WORK (CLOTH DISTRIBUTION) AT NARELA BY ABRKS DELHI

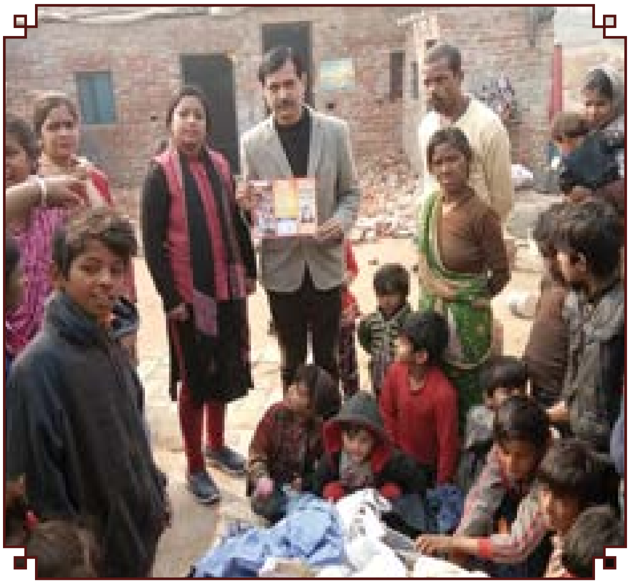

CONTRIBUTION BY ABRKS FOR PM RELIEF FUND (COVID-19)

Akhil Bhartiya Radhi Kayastha Sangathan
NEW DELHI
(Regd. No. S/63766/2008)

Date: 16-06-20

सेवा में,
माननीय प्रधानमंत्री
भारत सरकार

विषय : प्रधानमंत्री राहत कोष (PM Cares) में आर्थिक सहयोग

माननीय,
इस समय जब सम्पूर्ण संसार COVID-19 जैसी वैश्विक महामारी से आहत है, आपके द्वारा किये जा रहे प्रयास विश्व में उल्लेखनीय एवं सराहनीय हैं। सम्पूर्ण देश इस विकट परिस्थिति में आपके साथ खड़ा है। हमें पूर्ण विश्वास है कि हम इस वैश्विक महामारी से जीत कर उभर कर पुनः एक स्वस्थ एवं सशक्त भारत की ओर कदम बढ़ायेंगे। अखिल भारतीय राढ़ी कायस्थ संगठन, दिल्ली द्वारा भी एक आर्थिक सहयोग राशि रु. 10000/- प्रधानमंत्री राहत कोष (PM Cares) हेतु प्रेषित है।
पुनः आपके द्वारा किये जा रहे अथक प्रयासों को सादर नमन।

विनीत
अ. भा. राढ़ी. का. संगठन परिवार

Office: C-5 2nd Floor, R. K. Tower, Plot No. 21-22, Sector-4, Vaishali, Ghaziabad - 201010 (Uttar Prade...
Email: info@abrks.com, abrks.delhi@gmail.com Tel.- (0120)-3223419, Fax - (0120) 4110472
Website: www.abrks.com

Corporation Bank

16062020

Pay: PM CARES (A/c: 2121PM20202) or Bearer

Rupees: TEN THOUSAND ONLY

₹ 10000/-

A/c No. SB 01002217

For AKHIL BHARTIYA RADHI KAYASTHA SANGATHAN, NEW DELHI

Authorised Signatory

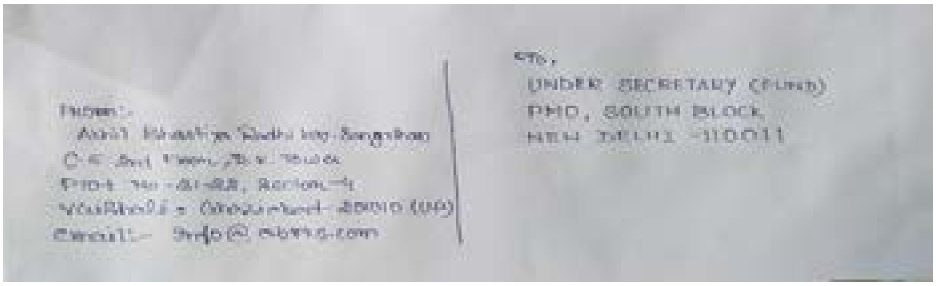

From:-
Akhil Bhartiya Radhi Kay. Sangathan
C-5 2nd Floor, R.K. Tower
Plot No.-21-22, Sector-4
Vaishali - Ghaziabad-201010 (UP)
Email:- info@abrks.com

To,
UNDER SECRETARY (FUND)
PMO, SOUTH BLOCK,
NEW DELHI -110011

KABI GOSTI ON INDEPENDENCE DAY BY ABRKS DELHI
स्वतंत्रता दिवस काव्य-गोष्ठी

स्वतंत्रता दिवस 2020 का शुभ आगमन अखिल भारतीय राढ़ी कायस्थ संगठन के लिए उस समय अविस्मरणीय हो गया जब श्री निरूपम सिन्हा जी के मन–मस्तिष्क के आनलाइन काव्य गोष्ठी के आयोजन की बात आई।

फिर तो कुछ यूँ हुआ कि इस गोष्ठी ने एक विस्तृत रूप लिया और देश के कोने–कोने से रचनाकारों ने अपने शामिल होने की स्वीकृति दी।

रचनाकारों में स्वयं को अभिव्यक्त करने का उत्साह हिलारें लेने लगा।

उधर रंग बिरंगी पतंगे आकाश की शोभा बढ़ा रही थी तो इधर रचनाकार अपने अपने कक्ष में बैठकर कविताओं का रस्सास्वादन कर रहे थे ।

सबसे पहले तो श्री अमरेन्द्र घोष द्वारा निर्मित फलक–पत्र (Banner) के आकर्षक प्रारूप ने ही इस बात की उद्घोषणा कर दी कि काव्य–संध्या उच्चस्तरीय होने जा रही है।

शुभारंभ श्रद्धेय निहार रंजन घोष जी की आत्मजा सुश्री काकुल के सरररस्वती–वंदना के गायन से हुआ । उनके मधुर कंठ ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया ।

माँ शारदे की वन्दना के बाद लखनऊ से कार्यक्रम में शामिल श्रीमती गौरी घोष ने अपनी कुछ चुनिंदा रचनाओं से सबको भाव–विभोर किया।

कुल मिलाकर जिन सुधी रचनाकारों ने काव्य पाठ किया उनके नाम निम्नलिखित है –

1. सुश्री काकुल
2. श्रीमती गौरी घोष (Lucknow)
3. श्री रवीन्द्र घोष (Patna)
4. श्री राजीव दास (Mumbai)
5. श्री अमल कांत सिन्हा
6. श्री उत्तम पीयूष (Madhupur)
7. श्री सनत सिन्हा (Patna)
8. श्री निहार रंजन घोष
9. श्री अभिनंदन
10. श्री निरूपम सिन्हा ''आसदीप''
11. श्री आशीष सिन्हा ''क़ासिद''

कार्यक्रम का संचालन आशीष सिन्हा ने श्री निरूपम सिन्हा जी के सहयोग से किया और अध्यक्षता आदरणीय अजीत कुमार दास जी ने की । रचनाकारों से सम्पर्क स्थापित करने में श्री प्रवीण घोष जी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गोष्ठी से पूर्व छात्रवृत्ति विषय पर भी कुछ देर तक एक सफल चर्चा हुई ।

सौजन्य : आशीष कुमार सिंन्हा

MEANS CUM MERIT SCHOLARSHIP BY ABRKS FOR BOARD STUDENT

The Scholarship concept was well Conceived in an ABRKS Executive body in January 2020. The Committee for it was formed by ABRKS. We are thankful to ABRKS for giving this opportunity to execute this noble cause and we are happy and delighted to deliver the Conceived concept. We are also thankful to our Esteemed members who have contributed to this noble cause. Congratulations to all the winners and participants.

ABRKS scholarship Committee

Animesh Kumar, Abhay Kumar, Amarendra Kr. Ghosh, Pradeep Kumar, Leela Kant Das, Manoj Sinha

Late Chhabi Sinha
W/O Late SK Sinha
Patna (Mayaganj)

In the memory of

Late Smt Chhabi Sinha(Nani Ma)

Scholarship Fund Contributed

by

Shreya and Sagar Kumar
(Children of Shri Abhay Kumar)

LIST OF DONER/CONTRIBUTORS FOR MEANS CUM MERIT SCHOLARSHIP-2020

Sr. No.	RK. ID	Name	Amount
1	RK00050	Abhay Kumar	15000
2	RK00076	Prashant Kumar Das	5000
3	RK00039	Snehendu Ghosh Verma	5000
4	RK00017	Anand Mohan Ghosh	5000
5	RK00347	Sadhan Kumar Das	5000
6	RK00042	Ranjay Kumar Sinha	5000
7	RK00315	Pradeep Kumar	5000
8	RK00206	Krishna Mohan Ghosh	5000
9	RK00057	Sanjay Sinha (Sanju)	5000
10	RK00002	Ujjwal Kumar Sinha (Gora)	5000
11	RK00415	Nihar Ranjan	5000
12	RK00116	Sumit Kumar	2000
13	RK00051	Leela Kant Das	5000
14	RK00094	Animesh Ghosh	6000
15		Satya Ranjan	5000
16	RK00141	Dr Ashish Kumar Ghosh	5000
17	RK00465	Raman Kumar Das (Akela)	500
18	RK00005	Pravin Kumar Ghosh	1500
19		Society Fund	10000
		Total	100000

List of Awardees Scholarship 2020

- Satyjeet Kumar Das
- Misti Kumari
- Aditi Sinha
- Ritika Sinha
- Bhavya Sinha
- Aditi Arya
- Saachi Priya
- Mimansa Lavanya

With Best Compliment

THE FLORAL ROOM

Unique way for gifting flowers in Delhi/NCR.

thefloralroomindia

74285 55015

We are on Instagram.

खादी भारत
Khadi India

KHADI BHAVAN

- Main Avantika Road, Sector-4, Rohini, New Delhi-110085
- A-5, Sector 7, 1st Floor, Gautam Budh Nagar, NOIDA - 201301

Discount 20%

PH.: 011-27048843, 9540522052

AKHIL BHARTIYA RADHI KAYASTHA SANGATHAN, NEW DELHI

Sad Demise, Year 2019-2020

Demise		Current Place	Native Place	Date	Details
1.	Dr Prabhakar Chandra Ghosh	USA	Bounsi	22-Oct-19	H/o Bharthi Ghosh
2.	Gautam Kumar Ghosh	Anandgarh	Khaira	27-Oct-19	S/o Dhruv Ghosh
3.	Anup Kumar Dutta (Tuntun)	Nayatola		4-Nov-19	BIL/o Pankaj Ghosh
4.	Rajesh Ranjan Das (Raju)	Kathalbari	Belaganj	12-Nov-19	S/o Late Sudhir Ranjan Das
5.	Sadashiv Dutta (Munna)	Ishakchak	Koyla	15-Nov-19	
6.	Nandu Bala Das	Dangalpara, Dumka	Jagatpur	17-Nov-19	W/o Sahdeb Chandra Das
7.	Murlidhar Sinha	Jiro Mile	Chara Bargram	29-Nov-19	
8.	Ajay Kr. Das (Raghuwar Ji)	Jagatpur	Jagatpur	16-Dec-19	F/o Abhijeet and Abhinaw Kumar Das
9.	Prajapati Sinha	Khaira	Khaira	17-Dec-19	W/o Late Damodar Prasad Sinha
10.	Mira Sinha	Rohini, Delhi	Mahiyama	18-Dec-19	W/o Late Shri Kailash Bhushan Sinha
11.	Om	Jamshedpur	Sabalpur	23-Dec-19	Grandson of Santosh Kumar Ghosh
12.	Harimohan	Khaira	Khaira	24-Dec-19	
13.	Sumita Das	Mukheria	Jamshedpur	25-Dec-19	W/o Late Nand Kishore Prasad Das
14.	Purushottam Das	Delhi	Kunauni	30-Dec-19	F/o Paresh Kumar
15.	Jagdhish Chandra Ghosh	Bhagalpur	Chara Bargram	31-Dec-19	F/o Abhay Ghosh
16.	Reena Sinha	Purnia		1-Jan-20	W/o Abhay Krishna Sinha
17.	Dilip Kumar Ghosh	Chandrapura, Bokaro	Lakhanpur	2-Jan-20	
18.	Premanand Ghosh	Jyoti Vihar Colony		2-Jan-20	
19.	Mukteshwar Prasad Das	Nehru Colony, Banka	Chara Bargram	13-Jan-20	
20.	Bishnu Dutta	Ishakchak	Khaiser	13-Jan-20	F/o Vikalp Dutta
21.	Hemlata Das	Kasba	Kasba	18-Jan-20	M/o Dilip Kumar Das
22.	Ravi Ghosh	Bokaro	Singhnan	21-Jan-20	B/o Saroj & Niroj Kumar Ghosh
23.	Savita Ghosh	Delhi	Babutola, Banka	23-Jan-20	M/o Omiyo, Anant and Ashish Ghosh
24.	Kanhaiya Lal Ghosh	Chandpur	Chandpur	26-Jan-20	BIL/o Jaideo Sinha
25.	Sachida Nand Sinha	Narayanpur	Bhawanandpur	26-Jan-20	
26.	Ravi Chandra Das	Dumka	Chara Bargram	30-Jan-20	
27.	Annapurna Devi	Bihpur	Bihpur	1-Feb-20	M/o Prakash Chandra Das

28.	Nand Kishore Sinha	Laxmipur	Laxmipur	1-Feb-20	B/o Nawal Kishor Sinha (Chedi)
29.	Chhabi Sinha	Patna	Mayaganj	6-Feb-20	W/o Late Shushil Kumar Sinha
30.	Moni Roy	Kolkata	Tarar	8-Feb-20	W/o Prabir Rai
31.	Niranjan Kumar Das	Dhanbad	Jagatpur	11-Feb-20	
32.	Chhotu Ranjan Sinha	Dwarka, New Delhi	Rupsa	19-Feb-20	F/o Nirupam Sinha and Anand Sinha
33.	Asha Sinha	Munger	Lakshmipur	20-Feb-20	W/o Prajapati Sinha
34.	Sudhir Kumar Sarkar	Madhepura	Tamot Parsa	24-Feb-20	
35.	Sanjeev Ghosh	Deogarh	Dumramah	25-Feb-20	S/o Santosh Ghosh
36.	Bishwanath Prasad Ghosh (Munna)	Mundichak	Rampurdih	25-Feb-20	S/o Late Dinesh Chandra Ghosh
37.	Dolly Das	Ghaziabad	Rupsa	7-Mar-20	W/o Late Ranjit Kumar das
38.	Arun Chandra Dutta	Ishakchak	Kushmaha	14-Mar-20	F/o Gopal Krishan and Hare Krishna
39.	Birendra Prasad Sinha	Patna	Kasba	2-Apr-20	B/o Rajan Sinha
40.	Arun Chandra Ghosh	Babutola	Pathakdih	4-Apr-20	F/o Chanchal Ghosh
41.	Harendra Narayan Ghosh	Mundi Chak	Khaira	4-Apr-20	F/o Ravish Kumar Ghosh
42.	Dharnidhar Ghosh (Manno)	Surkhikal	Ratanpura	9-Apr-20	
43.	Ranjan Kumar Ghosh (Pappu)	Uttam Nagar, Delhi	Milki	14-Apr-20	F/o Rahul Ghosh
44.		Banka		15-Apr-20	F/o Guddu Das
45.	Maya Sinha	New Delhi	Jagatpur	16-Apr-20	M/o Ujjawal and Sajal Sinha
46.	Tara Paddo Dutta	Patna	Naya Tola	25-Apr-20	
47.	Vinay Shankar Sinha (Ratan)	chakardharpur	Kasba	26-Apr-20	F/o Soumya Prakash Sinha
48.	Binod Kumar Sinha	Champanagar	Champanagar	26-Apr-20	
49.	Pradip Kumar Ghosh	Budhanath	Chara Bargram	29-Apr-20	B/o Abhay Ghosh (Sonu)
50.	Santosh Ghosh	Bhikhanpur	Bounsi	1-May-20	
51.	Shiv Shankar Ghosh	Patna	Narayanpur	1-May-20	F/o Dr Saurabh Ghosh
52.	Sachin Aditya	Patna	Kasba	6-May-20	S/o Rajan Sinha
53.	Shardindu Verma	Bhopal	Bihpur	7-May-20	F/o Abhay Ghosh
54.	Phelu Bala Das	Shikaripada, Dumka	Dumramah	11-May-20	W/o late Nimal Chandra Das
55.		Dhanbai		14-May-20	W/o Mayank
56.	Akhil Kumar Das	Karharia	Karharia	15-May-20	F/o Atri Anand
57.		Madhya Pradesh		29-May-20	Mausaji of Ganesh Sinha (Bhawanandpur)
58.	Sujit Kumar Das	Dhanbad	Mukheria	30-May-20	
59.	Kailash Chandra Das	Ranchi	Barari	2-Jun-20	

60.	Mamta Ghosh (Nirmal)	Patna	Bhuriya	11-Jun-20	M/o Pawan and Sanjeev Ghosh
61.	Nirmal Chandra Sinha	Bhikanpur	Koyla	14-Jun-20	
62.	Amita Ghosh	Varanasi	Dumramah	14-Jun-20	M/o Arbind Ghosh
63.	Anirudh Ghosh			15-Jun-20	
64.	Meera Sinha	Patna	Rupsa	19-Jun-20	W/o Late DR. Charu Chandra Sinha
65.	Shekhar Dutta (Panchu)	Bounsi	Bounsi	21-Jun-20	F/o Amit Anand (Monu)
66.	Krishna Mohan Ghosh	Patna	Dumramah	28-Jun-20	
67.	Janardhan Prasad sinha	Jhusi, Allahabad	Kasba	29-Jun-20	
68.	Munchun Ghosh	Tilkamanjhi	Bhuriya	6-Jul-20	W/o Dilip Ghosh
69.	Dr Apoorva Ranjan (Appu)	Arunachal Pradesh	Jagatpur	9-Jul-20	F/o Adarsh Ranjan
70.	Omprakash Kumar Ghosh	Tilkamanjhi	Laxmipur	9-Jul-20	B/o Ashok Ghosh
71.	Alok Kumar Ghosh	Babutola	Pathakdih	9-Jul-20	B/o Chanchal Ghosh
72.	Arjun Prasad Das	Burhanath	Khaira	11-Jul-20	
73.	Manju			11-Jul-20	D/o Late Ram Chandra Das (Jagatpur)
74.	Shyam Chandra Das	Jagatpur	Jagatpur	12-Jul-20	
75.	Binoy Kumar Das	Sujapur	Sujapur	13-Jul-20	
76.	Subhash Chandra Dutta	Surkhikal	Singhnan	20-Jul-20	F/o Shyam Dutta (Raju)
77.	Shobha Rani Sinha	Champanagar	Champanagar	21-Jul-20	M/o Narayan and Shankar Sinha
78.	Asit Kumar Ghosh	Burhanath	Tarar	22-Jul-20	B/o Late Ashok Ghosh
79.	Satendra Kumar Das (Sammi)	Dhanbad	Dhanbai	25-Jul-20	H/o Sheela Das
80.	Asha Sinha	Jagatpur	Jagatpur	26-Jul-20	W/o Keshav Chandra Sinha
81.	Shila Das	Purnea	Chandpur	26-Jul-20	w/o Shankar Kumar Das
82.	Nripendra Chandra Sinha	Bhagalpur	Ranikitta	28-Jul-20	
83.	Asha Rani Das	Chandpur	Chandpur	2-Aug-20	M/o Damodar Das
84.	Ganesh Ghosh (Rajan)	Surat	Singhnan	2-Aug-20	
85.	Shankar Kumar Das	Kishanganj	Kunouni	4-Aug-20	F/o Rakesh Kumar das
86.	Namita Dutta	Banka	Manjhiyara	6-Aug-20	W/o Manohar Prasad Dutta
87.	Pankaj Sinha	Mundichak	Ratanpura	7-Aug-20	B/o Pulin Sinha
88.	Asha Rani Das	Bounsi	Mahiyama	9-Aug-20	W/o Prafful chandra Das
89.	Nitay Chandra Das	Faridabad	Pipra	9-Aug-20	F/o Uttam Kumar Das
90.	Abhuday Kumar Dutt (Satto)	Khanjarpur		10-Aug-20	F/o Arunoday Kumar dutt
91.	Mahadeb Narayan Sinha (Madhu)	Sujapur	Sujapur	13-Aug-20	F/o Jattu and Jivan

92.	Barun Chandra Sinha	Sahibganj	Mohanganj	20-Aug-20	F/o Vivekanand Sinha
93.		Mumbai	Lakhanpur	22-Aug-20	W/o Surjit Kumar Sinha
94.	Meera Sinha	Mumbai	Chara Bargram	24-Aug-20	M/o Sandip Kumar Sinha (Bhaiya Jee)
95.	Uttam Kumar Majumdar (Partho)	Uttam Nagar, Delhi	Pathakdih	26-Aug-20	S/o Late Basuki Nath Majumdar
96.	Dilip Kumar Sinha (Munna)	Patna	Chara Bargram	30-Aug-20	B/o Manik and Chhotu
97.		Banka	Singhnan	30-Aug-20	M/o Prem Sinha
98.	Deepak Kumar Das	Purnea	Belaganj	1-Sep-20	S/o Late Pasupati Nath Das
99.	Usha Sinha	Ghaziabad	Manoharpur	2-Sep-20	M/o Vivekanand Sinha
100.	Khiru Bala Ghosh	Dumka	Rampurdih	3-Sep-20	M/o Vinay, Sanjay and Manoj Ghosh
101.	Amit Kumar Sinha	Babutola		3-Sep-20	B/o Sujit Kumar sinha
102.	Puran Chandra Sinha	Galgalia	Dumramah	12-Sep-20	F/o Bijoy Kumar Sinha
103.	Amit Kumar Sinha (Babul)	Khanjarpur	Ranidiyara	14-Sep-20	S/o Late Anil Kumar Sinha
104.	Pawan Kumar Das	Khaira	Khaira	16-Sep-20	S/o Chhotu Chandra Das
105.		Dande	Dande	17-Sep-20	FIL/o Ganesh Sinha's Sister
106.	Dr Bam Chandra Ghosh	Barhi	Tarar	19-Sep-20	F/o Sanjeev Kumar Ghosh
107.	Chitranjan Kumar Das	Jagatpur	Jagatpur	21-Sep-20	F/o Abhinav Monu
108.	Sudhanshu Kumar Dutta (Samlu)	Bounsi	Bounsi	22-Sep-20	B/o Manas Dutta
109.	Nawal Dutta	Saharsa	Kushmaha	26-Sep-20	
110.	Sangeeta Mitra	Kunouni	Kunouni	3-Oct-20	Sister of Nandan & Kundan Das (Tagepur)
111.	Kaustuv Kanti Ghosh	Jamshedpur	Barari	9-Oct-20	F/o Ujjawal Kumar Ghosh
112.	Sandhya Sinha	Madhepura		10-Oct-20	W/o Late Shiv Shankar Prasad Sinha
113.	Rita Das	Lalu Chak	Pathakdih	10-Oct-20	W/o Dhurjati Kumar Das
114.	Satchitanand Srivastava	Delhi	Delhi	14-Oct-20	BIL/o Nirupam Kumar Sinha
115.	Nirmal Kumar Sinha (Bulli)	Begumsarai	Begumsarai	19-Oct-20	F/o Ram Kant Sinha
116.	Vishnu Dutta	Ramnagar	Ramnagar	29-Oct-20	F/o Sumit Dutta
117.	Indu Bala Das	Chara bargram	Chara Bargram	31-10-2020	W/o Ashwani Kumar Das
118.	Prakash Chandra Ghosh	Karhariya	Karhariya	02-11-2020	S/o Late Sunil Kumar Ghosh
119.	Bijoli Ghosh	Rampurhat	Rampurhat	03-Nov-2020	Mousi of Utpal kumar of Orai Jankipur
120.	Sridhar Prasad Sinha	Tilkamanjhi	Lakhanpur	04-Nov-2020	F/o Rashmi
121.	Ajit Sinha	Bari khanjarpur	Khaira	06-Nov-2020	
122.	Gopal Chandra Ghosh	Patna	Banka	07-Nov-2020	BIL/o Ajit Kumar Das

भगवान दिवंगत आत्मा को शांति दे। ओम शांति।

Data Collection By: Pravin Kumar Ghosh (Guddan)

CORPUS FUND CONTRIBUTORS LIST

(For PM Relief Fund, RK Family Relief of different villages [COVID-19],

Famlily Support at Allahabad , Medical Support at Ghaziabad and Jamshedpur & Support for Grieved Family at Khaira)

SR. NO.	RK ID	Name	Native place	Amount
1	RK00009	Sanjay Kumar Sinha (Bunty)	Sujapur	25,000
2	RK00003	Jaideo Kumar Sinha	Sujapur	21,000
3	RK00206	Krishna Mohan Ghosh	Mahiyama	10,000
4	RK00415	Nihar Ranjan	Bhuriya	9,500
5	RK00004	Ajit Kumar Das	Kasba	7,500
6	RK00050	Abhay Kumar	Rampur	7,001
7	RK00268	Praveer Kumar	Barari	7,000
8	RK00039	Snehendu Ghosh Verma	Bihpur	6,500
9	RK00019	Anamika Roy	Tarar	6,000
10	RK00010	Hemant Kumar Das	Jagatpur	5,000
11	RK00037	Kishore Kumar	Tarar	5,000
12	RK00066	Srikant Ghosh	Jagatpur	5,000
13	RK00205	Ashish Kumar Sinha	Ranikitta	5,000
14	RK00347	Sadhan Kumar Das	Dumramah	4,600
15	RK00315	Pradeep Kumar	Singhnan	4,400
16	RK00023	Ashok Kumar Ghosh	Laxmipur	3,000
17	RK00329	Parmendra Kumar Sinha	Kasba	3,000
18	RK00005	Pravin Kumar Ghosh	Saidapur	3,000
19	RK00024	Satyajit Mazumdar	Mahiyama	2,100
20	RK00053	Sidharth Sankar Ghosh	Champanagr	2,100
21	RK00457	Durgensh Nandan	Karhariya	2,001
22	RK00007	Amreshwar Prasad Das	Pipra	2,000

23	RK00364	Pradip Kumar Ghosh	Saidapur	2,000
24	RK00008	Samarjit Kumar Das	Kasba	2,000
25	RK00124	Saurabh Kumar Ghosh	Chara Bargram	2,000
26	RK00028	Amrendra Kumar Ghosh	Baghras, Teghra Lakhanpur	1,600
27	RK00137	Tushar Kant Ghosh	Lakhanpur	1,600
28	RK00446	Amit Kumar Sinha	Lakhanpur	1,500
29	RK00126	Navin Kumar Mitra	Kunouni	1,500
30	RK00365	Prabhat Kumar Ghosh	Saidapur	1,500
31	RK00278	Sudesh Kumar Ghosh	Teghra Lakhanpur	1,500
32	RK00116	Sumit Kumar	Jagatpur	1,500
33	RK00300	Abhinandan Kumar Sinha	Rupsa	1,000
34	RK00465	Amal Kant Sinha	Bounsi	1,000
35	RK00186	Bikash Krishna	Karhariya	1,000
36	RK00464	Deepak Lal	Sabalpur	1,000
37		Bhanu Prakash Das (Pawan)	Chara Bargram	1,000
38	RK00076	Prashant Kumar Das	Jagatpur	1,000
39	RK00022	Prashant Kumar Mazumdar	Pathakdih	1,000
40	RK00419	Rajesh Ghosh	Lakdikola	1,000
41	RK00465	Raman Akela	Sujapur	700
42	RK00042	Ranjay Kumar Sinha	Sujapur	500
43	RK00038	Anant Kant Ghosh	Sabalpur	500
44	RK00173	Ashish Kumar Ghosh	Dumramah	500
45	RK00235	Prafulla Kumar Sinha	Mohanganj	500
46	RK00164	Punit Kumar Sinha	Orai jankipur	500
47	RK00405	Sanjay Kumar Sinha	Manoharpur	500

ABRKS thanks to all the contributors for generous support.

Late Arun Kumar Das	Late Girija Devi Das
S/o Late Govind Prasad Das Served as School Teacher At R.M.K. School, Banka	D/o Late Meen Sinha R/o Vill. Chara Bargaon Bhagalpur

We Miss you...!

"Babu and Maa"

Samast Babu Pariwar
Jagatpur, Banka

Late Ranjan Kumar Ghosh

Late Chhotu Ranjan Sinha

Late Ganesh Chandra Ghosh

AKHIL BHARTIYA RADHI KAYASTHA SANGATHAN, DELHI

Pays tribute to those who are not with us now and played active roles in their times.

Remembering You

Late. Shri Sudhir Ranjan Das
(18.01-1936 to 12.08.2021)
Former Science Faculty
CMS High School, Bhagalpur

Late. Shri Rajesh Ranjan Das
(21.01.1971 to 12.11.2019)
S/o Late. Shri Sudhir Ranjan Das

Village: Belaganj, Purnia

"In the woes of my life, you gave me dreams. If you are not there, the light in my life will vanish…. The dreams will come true one day, we will become one then. We will fly in this endless sky like birds."

From: Your loved ones

तोरा दरकार की

'सरल'

खाय छै सरकारो के, लै छै सरकारोँ के,
तोरा दरकार की?
नहरोँ के पानी में पैसै के धार छै
सड़कोँ के माटी में एकोँ के चार छै
कुच्छु जोँ बोलोँ तेँ नन्हैं केँ तार छै
चुपचाप बैठी रहो पैभे तोँ पार की?
तोरा दरकार की?

माय बहु छोड़ी के घरो दुआरी पर
सभ्भे कोय जान दै रेहू बुआरी पर
तोहें भोड़ं दास, पोठियौ नसीव नै,
लै छै लिये दहो, धुनभो कपार की?
तोरा दरकार की?

साहब के कुर्सी पर बैठलो एतवार छै
सभ्भे जलपानोँ लेँ गेलो बाजार छै
टानै के लूर नै फानै छौ सभ्भै पर,
बड़का के बड़ोँ बात करभे तोँ मार की?
तोरा दरकार की?

मेमोँ लग जाय छो सागौ केँ पांगी लेँ
फाईलोँ तोँ बढ़ियां रंग हुनकै से मांगी लेँ
कहै छिहौं नै चलोँ हुनका विरोधो में
ठोर दोनों बन्द करो सुनभे फटकार की?
तोरा दरकार की?

रोगी के अस्पताल जाना बेकार छै
डाक्टर के डेरा पर भीड़ो भरमार छै
रासन दोकानी पर लगलो कतार छै
ब्लैकै सें किनी ले करभे तकरार की?
तोरा दरकार की?

बाबू के किरिया करनी ते करनै छौं
लौब्वा बोलाय के माथो मुड़ानै छौं
बाभन केँ भोज आरो पलंगी दान करी
की ले की करै, झूठे परचार की?
तोरा दरकार की?

तनीसन कारी छै भोकन बिलारी छै,
रतन कू दस हजार दैके तैयारी छै।
दोनों चुल्होँ नारी केँ मुन्नी के ठीक करो
+घरो पर घोर मिलै एक नै हजार की–
तोरा दरकार की?

की भेलै हौ रक्त, कहाँ गेलै देस भक्त?
सभ्भे ते ताकै छै दिल्ली के ताज तख्त!
तोहें बौरैलो छौ गाँधी के बातू में,
आजू सें कहलो करौ– "जय जय सरकार की"
तोरा दरकार की?

–(स्व.) गुरेष मोहन घोष

गया है घुन सभी कुछ

गया है घुन सभी कुछ
दूर तक गहरे, बहुत गहरे।

बहुत चिनका हुआ शीषा
किसी ने रँग दिया जैसे,
बहुत चमका दिया हो या कि
घिसकर पुराने पैसे,

हुई नजरें सभी धुँधली
हुए हैं कान सब बहरे।

बिवाई भरे पाँवों से
घिसटता चल रहा हर क्षण,
रुलाई रोककर सँभला
हुआ ज्यों–ज्यों सभी का मन,

जबां गूँगी सभी की
और उस पर हैं कड़े पहरे।

–(स्व.) श्यामसुन्दर घोष

सचिन आदित्य,

जन्म: 04 दिस्म्बर 1983, स्वर्ग गमन: 06 मई 2020
पुत्र– राजेन्द्र सिन्हा 'राजन', कसबा, बांका
हालवासी–पाटलीपुत्र, पटना

रास्ता वहीं और मुसाफिर वहीं
एक तारा न जीने कहां छुप गया
दुनिया वहीं, दुनिया वाले वहीं
कोई क्या जाने किसका जहाँ लुट गया
मेरी आंखों में रहे, कौन जो मुझसे कहे
हैप्पी बर्थ डे पापा... हैप्पी बर्थ डे पापा।

VIJAYA MILAN 2019

विजया मिलन

विजया मिलन समारोह

विजया

EXIT

विजया मिलन समारोह

विजया मिलन समारोह

विजया मिलन समारोह

विजया मिलन

विजया मिलन समारोह

समारोह

समारोह

विजया मिलन समारोह

विजया
समारोह

जया मिलन समारोह

Khadi India
Khadi Items

ABRKS
संगठन, नई दिल्ली

ABRKS
कायस्थ
दिल्ली

ABRKS
अखिल
संगठन, नई दिल्ली

कायस्थ संगठन,

ABRKS
ठन, नई दिल्ली

नई दिल्ली

अखिल

DULARI

ABRKS
संगठन, नई दिल्ली

ABRKS
कायस्थ
दिल्ली

कायस्थ

ABRKS
संगठन, नई दिल्ली

कायस्थ संगठन

कायस्थ

कायस्थ संगठन, नई

ABRKS
नई दिल्ली

ABRKS
नई दिल्ली

कायस्थ संगठन

हे मर्यादा पुरुोत्तम

हे पुरुषोत्तम, तोरा फेनू पड़थौं आय ले!
बेटा के मुहो से बापो ले गाली
माय देखै सहमी के बनी सवाली
माय–बाप ले आपनो श्रद्धा दिखाय लै
हे पुरुषोत्तम, तोरा फेनू पड़थौं आय ले!

त्रेता में नारी के देवी रं अस्थान
कलयुग में बच्चियो के नोचै छै प्राण
हर सीता के सतीत्व आय बचाय ले
हे पुरुषोत्तम, तोरा फेनू पड़थौं आय ले!

केना के झपटि लौं दोसरा के थाली
ऊपरी मुँह सें मीट्ठो अंदर सें गाली
लोगो के दोस्ती के मतलब समझाय ले
हे पुरुषोत्तम, तोरा फेनू पड़थौं आय ले!

इंची भर जमीन ले झगड़ा आरो झंझट
साथ बैठै के बाते की? बातचीतो के संकट
भाय वास्तें प्रेम–भाव सबके जताय ले
हे पुरुषोत्तम, तोरा फेनू पड़थौं आय ले!

आधुनिकता के नामो पर जे नंगा दौड़
सम्पन्न होल्हौ पर आरू पावै के होड़
सादगी सें जीवन जीयै के सिखाय ले
हे पुरुषोत्तम, तोरा फेनू पड़थौं आय ले!

—अभिनंदन

सम्पर्क : 211/1 ए, वार्ड नं. 2, मेहरौली (दिल्ली)

हमम् शेखर

शुरुआत से अगर करबै शुरू।
पानी कम पड़तय चूरू।।

सब्बे चीजें छैय, एक समग्र सफर हमरो कहानी।
जवानी के रवानी त गिरलः पढलः के निशानी।

कहानी त वहा, गाओ–घर–पोखरी देश ।
ई शेष प्रश्न के कत्तह, अलग अलग अवशेष ।।

छलैह हमरो तहिया नाना (विभिन्न) भेष ।
मगर किंतु, ना केकरो से ईर्ष्य ना केकरो से द्वेष।।

साहस इतेह छैलय, हमरा में परिपूर्ण।
कि इ शेखर , शिखर क भी करी दे छैलय शून्य ।।

आरो छैलय हमरा में इतह् गुण।
कि सांप क भी, हम्म कर पारे छैलिए विष से निर्गुण । ।

बचपन में हम्म छैलिय उ सामजिक।
कि तर्कश के तीर कभी, करी दैः छैलिय पुनित पुलकित।।

दिल सदा रहलै छयय् हमरो साफ।
की सात गलती पर, हम्म करी दे छैलिय एक खुन माफ।।

दिमाग क राग में छैलहः हमरो एत्ते भाग।
की खेत क अड्डा के चीरी क भी, उगाय दै छैलिय साग।।

अब् अंततः, इ शेखर क तेवर म, कहियो नै कोय मीन, नै कोय मेख।
कैनह कि, दुर्गा माय के पिंड्डी पर, ई शेखर आजीवन मत्था टेक।।

(पुनीत सिन्हा औडेय जानकीपुर)

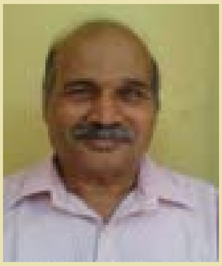

नाम : अजय कुमार सिंह

जन्म स्थान : जगदीशपुर, भागलपुर

शिक्षा : विज्ञान–स्नातक

सम्प्रति : समस्तीपुर ग्रामीण बैंक से सेवानिवृत

प्रकाषित लघु–कथा संग्रह :–

1. मासूम (2012)
2. बुढ़िया (2013)
3. औरत (2016)
4. किषोरी (2017)
5. दोस्त (2018)
6. यादें (2019)
7. साइकिल (2020)

आशीर्वाद

(लघु कथा)

मैनें सास को नहीं देखा। जब से शादी करके आयी, बीमार ससुर को देख रही हूँ। मेरे सामने रिटायर तत्पश्चात लकवाग्रस्त हुए। संयुक्त परिवार की मैं छोटी बहू हूँ । मेरे पति सुबह 8 बजे ड्यूटी के लिए घर से निकलते हैं। 7 बजे से ही ससुर मेरा नाम लेकर चिल्लाना और कराहना शुरू कर देते हैं। मेरे जेठ, जेठानी और उनके बच्चों पंर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ता। पति के लिए आधा अधूरा चाय–नाश्ता बनाकर मैं सुसर की सेवा में जुट जाती हूँ । ससुर पूर्णतः मेरे ऊपर आश्रित हैं। मैं वर्षों से घर छोड़कर कहीं नहीं गयी। एक दिन मेरे पति खीझकरं अनाप शनाप बोल गए। मैं किसी की बातों का कोई जवाब नहीं देती। किसी के पास इतना वक़्त नहीं कि ससुर के बारे में भी कुछ सोचे।

समय बीतता गया, मैं पति का कोपभाजन बनती रही। ससुर की सेवा मेरी प्राथमिका बन गयी। कुछ दिनों बाद वे चल बसे। मैं इतना रोयी कि उतना बाप के मरने पर भी नहीं रोयी थी। कुछ दिनों बाद मेरे पति ने मुझे पूछा, ''बताओ कि बुढऊ की सेवा से तुम्हें क्या मिला?''

''आपके दोनों बच्चे क्या करते हैं ? मैनें पूछा।

''एक लेक्चरर है और दसूरा एम.बी.बी.एस. कर रहा है। ''गर्व से वे बोले।

''और जेठ के बच्चे ?''

''सभी रोड़ इंस्पेक्टर हैं यानि आवारा।''

बुढ़ऊ की सेवा से जो मुझे और ''सिर्फ मुझे आषीर्वाद मिला, यह उसी का प्रतिफल है।''

उस दिन के बाद से उन्होनें इस पर कभी कोई चर्चा नहीं की।

कौन अमीर है कौन गरीब

मनुष्य अपने जन्म से ही, एक ऐसी स्थिति को लेकर अपने जीवन में प्रवेष करता है, वह स्थिति ना तो किसी अमीर की हो सकती है, और नही किसी गरीब की। भगवान ने सिर्फ मानव बना कर भेजा है, इस परिभाषा में गरीब, अमीर की कोई अहमियत नहीं होती है।

भ्रमण का ये संक्रामक रोग, मानव के द्वारा ही रची गई है। मनुष्य जीवन भर इस संक्रामक रोगों का षिकार होता रहता है। ऊंचे मकानों/महलों में रहने वाले को, अमीर का दर्जा दिया गया है, और झोपड़ी में रहने वाले को गरीब का दर्जा दिया गया है।

जब फिर भी चैन ना आया तो, इसे एक और वर्ग में बांट दिया गया, जो गरीब और अमीर के बीच वाला दर्जा होता है, जिसे मध्यमवर्ग कहते हैं।

इनकी जिंदगी तो और भी दूभर हो जाती है। यह बिल्कुल सत्य है, कि मनुष्य को अपने कर्म अनुसार ही अपनी जिंदगी को, इन दर्जो में बांटा गया। लेकिन हकीकत यह है की, यहां न कोई गरीब है, ना कोई मध्यम, ना अमीर, वरना आखरी वक्त मैं सभी को, उसी हाल में जाना होता है।

ना कोई अमीर जाता है, ना माध्यम, ना कोई गरीब जाता है, ना कोई बड़ा जाता है, ना कोई छोटा जाता है, सब बराबर ही आया था, सब बराबर ही जाता है, जिंदगी चार दिनों का बसेरा है, ना अमीर बन के जियो, ना माध्यम, ना गरीब बन के जियो, ना छोटा किसी को समझो, ना बड़ा किसी को मानो।

यह दुनिया एक बसेरा है, ना तेरा है, ना मेरा है, सभी को अपना बना के जीना ही, एक मकसद है, ना कोई अपना है, ना कोई पराया है।

अजीत कुमार दास

****

नाम : अजीत कुमार सिन्हा
गाँव तगेपुर, जगदीषपुर
(लेखन के प्रति बचपन से रूझान)

''अभिन्नों के लिए''

सुख की मस्ती में ना डूबो
दुःख का थैला भरा है इसमें
दुःख की दलदल को भी देखो
सुख का अनुभव छिपा है इसमें

सुख की चाल से बचकर रहना
खरहा की मत चाल भूलना
औरों के दुःख पर मत हँसना

बूढ़े बाप का पेंषन लेकर
अय्याषी का खेल रचाया
फिर एक दिन बन्दूक दिखाकर
सब कुछ अपने नाम कराया।

दैवी आगमन

गेली बिहुला, आरो जितीया,
ऐतै शरद, ऐती मैया
चलोनि घर, जैवौ कहिया।

कारीगर ऐतै, मेडो निकालते,
नरूआ बाँधि, मुर्ति बनैतै,
बच्चा बुतरू, देखतै सुनतै।
चलोनि घर, जैवौ कहिया।

ऐती चतुर्थी, छटपट करलि
रात्रि रहिके, भोरे भागतीत्
जाय क मायके, खबरो देतीत
तब ऐतित दुर्गा मैया।
चलोनि घर, जैवौ कहिया।

आयखना षष्ठी, गन्धई पूजा
कल सप्तमी, प्राण प्रतिष्ठा
लैयक चिराग औरो पाठा
खाडो रहवो सभै मैया।
चलोनि घर, जैवौ कहिया।

ऐलो अष्टमी, करो उपास
घरो–घरो म लक्ष्मी बास,
लै डलिया मंदिर चलो
मैया धीया व गोतली संग
कथा सुनो आरो फल पावो।
चलोनि घर, जैवौ कहिया।

नौंवी बितले, दषमी ऐतै
गाँव घर के सब लोग जुटतै
मेडो निकलतै जय दुर्गा के रट लगैतै
कभी काँधा, कभी बहियाँ।
चलोनि घर, जैवौ कहिया।

पहुँचीक पोखरी डुबाय देतै
किर्त्तन करले मंदिर ऐतै
गोड़ो लगी क अषिषों पैतै
आपस में सब, बोल लगैतै
फरू ऐति दुर्गा मैया
चलोनि घर, जैवौ कहिया।

****

EDUCATION: SOUL OF A SOCIETY

Education to humans is like wings to birds. It enables us to fly, soar and venture into the sky and see the world through its own eyes.

Our 'SAMAJ' is primarily service/job oriented. Miniscule population is engaged in business. Here Education becomes more important tool to uplift us. Historically too the knowledge-based work is dominated by kayasthas.

Our Samaj is also passing through transition along with entire world. The Literate people (knowledge based) are leading from front. In such scenario it is more important to acquire domain of skills to make us a tool of change so that the world becomes more happier and peaceful place to live and people pursue their goal.

Based on this theme, we at ABRKS thought of providing some assistance to the needy children of RK society. The amount which we are starting with may not be big enough but definitely it will be a milestone in the children's journey.

We have a bigger idea in the future and pray MA BHAGWATI for its success.

We are of firm belief that education is the most powerful weapon which can be used to change the world.

Thanks to one and all who became a part of this journey.

Vijaya Pranam.

Animesh Kumar.

animesh1506@gmail.com

Lakhanpur (Teghra)

Presently at Delhi.

नाम : आशीष सिन्हा
उपनाम : क़ासिद
जन्म तिथि : 23 अक्तूबर 1973

संप्रति : महाराजा अग्रसेन एजुकेषनल सोसायटी नरेला में अँग्रेजी भाषा का अध्यापन दिल्ली की लगभग 10 साहित्यिक संस्थाओं से सम्बद्ध।

ग़ज़ल–1

रात को रात कही कहने के गुनहगार रहे
हम न इस दल के न उस दल के तरफ़दार रहे

जीत का जष्न मनाने का उन्हें हक़ है क्या
जंग के वक़्जत जो जुल्फ़ों में गिरफ़्तार रहे

वो चिराग़ों को बुझाकर भी नहीं शर्मिंदा
हम चिराग़ों को जलाने के गुनहगार रहें

खुद चले आते हैं बाजार में बिने वाले
होंगे विरले ही जो हर हाल में खुद्दार रहे

दिल को कहते हो मकाँ तो ऐ ज़मानेवालो
हम किराये के मकाँ में भी मकाँदार रहे

पीठ पीछे ही मिले घात में कुछ अपने लोग
हम तो हर मोड़ पे गैरों से ख़बरदार रहे

हँस के दरिया ने समंदर से कहा ऐ 'क़ासिद'
हम तो सदियों से तुम्हारे ही तलबगार रहे

ग़ज़ल–2

उम्र भर गो उस पे हावी ग़म की मनमानी रही
सिलवटों से दूर फिर भी उसकी पेषानी रही

देश के हालात पर एक शख़्स ने हमसे कहा
अनगिनत सेनानियों की व्यर्थ कुरबानी रही

आज तक देखा नहीं उस शख़्स को लड़ते हुए
उसके होठों पर हमेषा प्रेम की बानी रही

प्यार मीरा का रहा राधा से क्यों ऊँचा, कहूँ
जिसको देखा भी न था वो उसकी दीवानी रही

बिन तुम्हारे शाम है अब एक ग़म का धुंधलका
जब तलक तुम साथ थे हर शाम मस्तानी रही

किसके हाथों में हुकूमत आज हम सौपें बता
उसने ही लूटा है 'क़ासिद' जिसकी निगरानी रही

Arsenic Poisoning through Ground Water – A Serious Health Issue

Dr Ashok Ghosh Chairman,

Bihar State Pollution Control Board

&

Professor & HoD, Research

Mahavir Cancer Institute and Research Center, Patna

Access to safe drinking water is a basic human right and a component of effective policy for health protection. Chronic arsenic (As) poisoning results from drinking water having high levels of As which when consumed over a long period and the consequences are dependent on the susceptibility, the dose and the time of exposure. Health effects related to the presence of Arsenic in drinking water manifests as Arsenicosis. Today tens of millions of people, mainly in developing countries are affected by As in drinking water exceeding WHO drinking water guideline of 10 μg/L and the global impact now makes it a top priority water quality issue, second in order to microbiological contamination. Elevated concentration of As in groundwater results both from natural and anthropogenic processes. Elevated As concentrations of natural /geogenic origin in groundwater have been observed in several parts of India.

A number of studies confirms the presence of Arsenic contamination in the states of West Bengal, Bihar, Assam, Uttar Pradesh and Jharkhand of India . Here, As contamination in groundwater is mainly geogenic in nature, originating from sedimentary deposits derived from the upland Himalayan catchments and accumulating in the alluvial systems of major Himalayan river basins formed by the Indus and the Ganga–Brahmaputra– Meghna drainage systems. These fluvial plains of North India are densely populated constitute fertile agricultural zones of the country. Groundwater is perceived as a guarantee against the vagaries of monsoon rains in sustainable agricultural productivity and also as a coliform-free drinking water source. The consequence is that approximately 70 million population is at risk of arsenic poisoning through direct and indirect consumption of arsenic contaminated shallow borewell waters in northern plains of India .

The Arsenic poisoning problem is structured in several ways by gender and class. In rural areas, water handling in developing countries is generally the task of women. The challenge posed by the widespread occurrence of arsenic in drinking water sources has emerged as a severe gender challenge. Although gender impacts of Arsenic contamination of water are becoming evident in health and social status of women's lives, women have small or no stake in the entire planning process of water supply to the communities. The hand pumps in the courtyard of the household spare womenfolk from walking long distances for water collection, this explaining their preference of their own hand pumps, even if the water pumped has high As content. This feature stems from their general ignorance of the health impacts of long-term As exposure on their family. Hence, although well switching has been documented as viable option to avoid exposure, switching to safe wells generally implies longer distances to the water source and more work for women in addition to their responsibilities of daily food and water intake of their household members in given socio-cultural settings of India.

Since arsenicosis causes skin ulcers and lesions, and many other symptoms, women and girls afflicted with Arsenic poisoning are suffering disproportionately both in terms of lack of medical attention and in being socially boycotted. Prospects of getting married are diminishing for young girls, even as men are abandoning their wives having visible symptoms of arsenicosis. Also, the high cost of installation of deeper wells, can be afforded by privileged few in the community, enhancing the vulnerability of the impoverished social segments. There is a general perception that deep wells would be safe in Arsenic and microbial contamination but recent studies indicate that even the deeper wells could be high in Arsenic, and thus it does guarantee the solution towards Arsenic mitigation. Nevertheless, low nutritional status of poor households in particular and women in general, implies that As contamination has more severe socio-economic and health consequences arising from poverty and gender bias. The installation of deep community wells also has an implication that the politically privileged/influential households have more say in the installation of wells and thus exclude the non-influential households from the decision-making process. The identification of contaminated wells may lead to greater conflict over uncontaminated water and greater hardship for women fetching water.

With the presence of Arsenic reported in several states in India i.e West Bengal, Uttar Pradesh, Jharkhand, Bihar, Punjab and Assam, that lie on the Ganges–Meghna–Brahmaputra plain a population of over 450 million people might be at risk from Arsenic poisoning . In West Bengal alone, 26 million people are potentially at risk from drinking arsenic-contaminated water (above 10 μg/L) . The magnitude of population exposed to Arsenic in developing countries and within India most of which are dependent on household drinking water from handpumps and the low rate of outcomes from Arsenic mitigation programmes of the Government and various donor organizations, makes it imperative that the community is brought into the mainstream of the planning process to find practical mitigation options for safe drinking water supplies to achieve the targets of the Sustainable Development Goal (SDG 6).

During recent years, new approaches have emerged, primarily from people's own initiatives. The local drillers target presumably safe aquifers on the basis of colour and texture of the sediments. Several of the studies indicate that local drillers prefer to install tubewells in oxidized whitish to reddish aquifer sands instead of darker black to grey aquifer sands, primarily because of low concentrations of dissolved Fe. Correlation between the colour characteristics of the sediments and the groundwater redox conditions, and risk for As mobilization has been established as a best practice for the control of As in drinking water. The study showed that it is possible to assess the relative risk of high As concentrations in aquifers if the colour characteristics of the sediments are known and thus, local drillers may target safe aquifers. The proposed intervention would be able to demonstrate to target the As safe aquifer by the local drillers based on the local knowledge of colour of sediments and geology and the awareness of handpump platform colour to determine the Arsenic safe tube wells and therefore would provide a sustainable mitigation measure for decades to come. It is envisaged that the households continue to install new wells and thus if the drillers are informed to target As safe aquifers it would be the most appropriate provision to mitigate As crisis at a much faster rate compared the other mitigation measures that have been targeted by the Govt.

वक्त

आशुतोष सुरेन्द्र

वक्त के आगे सभी हैं लाचार
वक्त के आगे सभी योग्यता है बेकार।
वक्त चाहे तो क्षण में बना दे भाग्यशाली
वक्त चाहे तो क्षण में करा दे बंगला खाली।।

इतिहास के आइने में
जब मैं झांकत हूँ,
वक्त के आगे सभी को
लाचार पाता हूँ!

वक्त ने कृष्ण को रणछोड़ बनाया
उसी वक्त ने कृष्ण को द्वारकाधीस बनाया।

वक्त ने द्रोपदी का चीरहरण कराया,
उसी वक्त ने सभी धुरन्धरों को नपुंसक बनाया।

वक्त के आगे
कितने विवस थे गंगापुत्र भीष्मपितामह
अम्बे, अम्बा, और अम्बालिका को
अकेले हरने वाले
महायोद्धा विष्णु अंश परसुराम संग
स्वयं युद्ध करने वाले
किन्तु आज ....
आज नपंसक पुरूष की भाँति

भरी सभा में पांडवों का अपमान
कुलवधु का सम्मान
तार–तार होते देख रहे थे
कुछ कर नहीं पाये.............
कुछ कर नहीं पाये।

नग्न होती जा रही
अपनी कुलवधु की चीत्कार
नग्न होती जा रही
अपनी पांचाली की पुकार
सबने सुना और सभी ने देखा।

कहाँ था गान्डिव का टंकार
कहाँ था गदा का हुंकार
जब द्रोपदी पर हो रहा था अत्याचार
अत्याचारी काई दूसरा नहीं
सारे के सारे अपने थे।
देखने वाला कोई और नहीं
सारे के सारे अपने थे।।

वक्त किसी का नहीं
वक्त के हम हैं गुलाम।
सहना ही पड़ेगा वे सारे अपमान।
जब तक वक्त न दे सम्मान।।

ईक मंजिल है सभी का ठिकाना।

यहाँ की दूनियाँ अजव निराली
नहीं है कोई भी भेद।
राजा निकट रंक पड़ा है,
पर नहीं है कोई भी खेद ।।

यहाँ नहीं है कोई बलशाली राजा
नहीं है कोई रंक।
सभी की शैय्या है ईक समान,
है कफन में लिपटा सभी का तन।।

यहाँ नहीं है अगड़ा और पिछड़ा
और नहीं है कोई रीति।
समाजवाद का मंदिर है यह,
यहीं है यहाँ की सुन्दर नीति।।

ईक मंजिल है सबका ठिकाना
सभी का है एक ही दरवार।
सजती चिता पर सभी पाते,
अग्नि का प्रज्वलित श्रृंगार।।

सबकी लेखनि एक सी लिखी
और सबको मिलता है एक ही श्रृंगार,
जलती चिता से सभी को मिलता
काल भैरव का अदभूत प्यार।।

जब सब की मंजिल एक ठिकाना
और सभी का एक ही दरवार
फिर मृग तृष्णा में लपटायें मानव
क्यों करते हैं आपस में तकरार।।

चिता भूमि से संदेश

काल– भैरव के श्रृंगार में सजी हुई
और कफन में लिपटी हुई
यह चिता।
काल भैरव संग रास रचाने को तैयार
श्मशान भूमि में पड़ा
निरूत्तर और पूर्णतः निस्तेज।

था इसका भी कभी एक नाम
थी इसकी भी कभी एक विरासत
किन्तु ———————— आज ——————
काल भैरव के पूर्ण आगोस में समाया
दहकती हुई अंगारों के बीच
चट– चट और फट– फट करती हुई
और पूर्णतः ऐंठती हुई यह चिता

काल भैरव संग ठहाका लगाती हुई
मानों कह रहा हो
देख —————————————
देख यही है सत्य यही है सत्य।

अगर सत्कर्म की पूंजी होगी तेरे संग
तो याद रखेगा यह जमाना।
नही तो प्यारे ——————————
इसी चिता – भूमि में तुझे जलता छोड़
भूल जायेगा यह मतलबी जमाना।।

मेरा यह संदेश सदा तू याद रखना
और फिर याद रखना यह मतलबी जमाना।
जब कभी भटक जाओगे सत्कर्म से
तब पुनः चिताभूमि अवश्य आ जाना।।

सुरेन्द्र मोहन घोष
(वास्तु विशेषज्ञ)
तिलकामाँझी, भागलपुर
9934097352

———— **** ————

असीम सिन्हा

अक्सर हम "आम लोग" कुछ "खास लोगो" की बुराइयाँ करते नज़र आते हैं।

क्या नेता क्या अभिनेता और क्या पुलिस। पर हम ये भूल जाते हैं की ये सभी खास लोग भी तो हमारे ही जैसे आम लोगों के बीच से आये हुए हैं। लोग तो वही हैं, बस उनकी जगह बदल गयी है।

बेहतर तो यही है की इनको बदलने से पहले हम खुद को ही क्यों न बदल लें। कयोंकि इंसान जब तक खुद को नही बदलेगा ये सारे के सारे किरदार नहीं बदल पाएंगे।

हज़ारों साल के इस लंबी परिवर्तन की प्रक्रिया को ही तो हम "युग" कहते हैं। जिसका न कोई आदि है और न ही कोई अंत। यह तो है बस अनंत...

वैसे भी हमारे इन चार युगों को आज तक देखा किसने है। यह तो बस एक आंकलन है। इनको एक साथ देखना भी तो केसे संभव है।

जब कभी भी इस स्वपरिर्तन की प्रक्रिया को हम शुरू कर पायेंगे तभी से ही हमारा नया सतयुग भी शुरू हो पायेगा।

इसीलिये, आओ, आज हम सब मिलकर एक प्रण करें

खुद बदलें, युग बदलें

लेखक–असीम सिन्हा
हरिद्वार

हाँ मे हाँ

क्या जाता है ?
हाँ में हाँ मिला दो
कुछ देर के लिए ही सही
बस, हाँ में हाँ मिला दो।।
क्या जाता है ?

अगर हाँ बोलने से
सामने वाले को
थोड़ी खुशी मिल जाती हो
समय को भो थोड़ा और समय मिल जाता हो
तो क्या फर्क पड़ जाता है ?
कोई पहाड़ तो नहीं गिर जाता है

हाँ में हाँ मिला दो
कुछ देर के लिए ही सही
बस, हाँ में हाँ मिला दो।।
अगर हाँ बोलने से
किसी के अहंकार को सुख मिलता हो
और बदले में ना किसी को दुख मिलता हो

तो हाँ में हाँ मिला दो
कुछ देर के लिए ही सही
बस, हाँ में हाँ मिला दो।।

जोर जबरदस्ती हाँ में हाँ मिलवाना
एक अड़कपन है
पर याद रहे, हाँ में हाँ मिलाना भी तो एक बड़प्पन है।

सोचना तो खुद है
की कब है बड़प्पन का आना
या कब है अड़कपन का जाना

आसान तो है वैसे कुछ भी नही
ना बड़प्पन का आना
और ना अड़कपन का ही जाना
बस, सिर्फ इतना ही तो है आना

की हाँ में हाँ है मिलाना
बस हाँ में हाँ है मिलाना।।

"हाँ में हाँ" एक कड़वा सच.. कवि के अपने
अनुभवों के आधार पर।

लेखक – असीम सिन्हा, हरिद्वार

डरने की क्या बात है।

जब माँ मेरे साथ है
सर पर उनका हाथ है
फिर डरने की क्या बात है
सोच कर देखो
कुछ देर ध्यान भी कर लो
फिर भी अगर न लगे तो अपने दिल से ही पूछ लो
क्या डरने की बात है ?

दिल भी यही बोलेगा
जब माँ मेरे साथ है
सर पर उनका हाथ है
फिर क्यों डरने की बात है
लेकिन आज, हमे भी कुछ मंथन करने की जरूरत है।
क्या कभी सोचा है, जाने अनजाने, क्या कर दिया हमने माँ के साथ

कहीं किसी ने अपनी माँ को ही घर से निकाला है
तो कहीं किसी ने, धरती माँ को भी गंदा कर डाला है
हम वही हैं, सदियों से, गंगा माँ को, कचरे से ही प्रणाम करते रहे
और देवी स्वरूप गौ माता को भी कटते चुपचाप देखते रहे
क्या नहीं किया हमने माँ के साथ
पेड़ काटे जंगल काटी , पहाड़ तक को हमने काट डाला
इस माँ रूपी प्रकृति के तो हमने, अंग अंग तक को बाँट डाला

क्या नही किया हमने इनके साथ
हमने तो बस इनको नष्ट किया है
और बहुत सारा कष्ट दिया है

आज, वही माँ हमें कुछ बताने आयी है
लाख गलतियों के बावजूद
हमें फिर से कुछ समझाने आयी है

इसलिए दोस्तों
बस बहुत हो चुका
इसके पहले की गुम हो जाए हम
बेहतर है की सुधर जाएं हम
समझ लो यही एक अंतिम मौका है
और शायद,आखिर बार तुम्हे किसी ने टोका है

फिर इसके बाद मेरे भाई,
जब भी लोग तुमसे ये पूछें
की क्या डरने की बात है ?
सर उठाकर कर फिर ये कहना
कि जब माँ मेरे साथ है

सर पर उनका हाथ है, फिर डरने की क्या बात है ,
डरने की क्या बात है

लेखक – असीम सिन्हा, हरिद्वार

DURGA PUJA UNDER COVID-19 PANDEMIC

BIKAS KUMAR M.Sc. LL.B
F. JUDGE/MEMBER
Foreigner's Tribunal
LEGAL AID WORKS (LAW)
VIMAL VIHAR, ASTC, TINALI A.T ROAD
SIVASAGAR, ASSAM 785640
9435055465, 7002927256
bikaskumarjudgeft@gmail.com

HANDS ON

Much like every other celebration this year. Even the upcoming Durga Puja will be a subdued one. Even through must Durga Puja committee will be paying their obeisance to the Goddess and here entourage, the crowds will be missing at pandal and the characteristics display of light and sound will be absent as well. But that doesn't mean we sit at home, disgruntled about the whole situation. Rather, it's time to take out our thinking caps and find out way in which the Pujas can be celebrated indoors, with our families.

Family time

Plan special evening sessions for the whole family on all the days. It could be simple song and dance or poetry recitals by everyone or just sharing anecdotes from past Pujas. It could also be a simple Antakshari session or game night. Also, remember to dress up for the evening in all your puja finery, even though you are just staying at home.

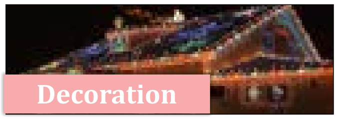

Decoration

First up, spruce up your home, much like you do during Diwali, Decorate the entryway, balcony, and living room with fresh flowers and lights. If you have kids in the house, ask them to make crafts that symbolize the Goddess and this auspicious occasion. There are several such craft-making videos on the internet. Once done, place them around the sanctum sanctorum or the Puja Ghar of your house where you will be offering your prayers on all five days. It may not be possible to bring a Goddess idol home, but these small offering will create the pious atmosphere you pine for.

Food sets the mood

During Durga Puja, we generally eat most of our meals at restaurants or partake of the Bhog at Pandals. It may not be here real possibility this time, even though most places are open now. Plan your meals and try to include all the special Puja delicacies from Jalebbis, to sorshe ilish and Khichidi. No w divide the kitchen duties among everyone in the house. Whether you plan to cook up a storm or take the help of delivery apps, that's up to you.

Use technology

Technology has been the biggest boon during this self-isolating pandemic nightmare. So, make optimum use of it yet again during this Puja. You can slot a special time for the whole family to make video calls to friends and relatives; dress up, get the snacks and start an online party. Technology could also help you to witness the Puja celebration in different corners of the world, as many Puja committees might be going live with their celebration this time.

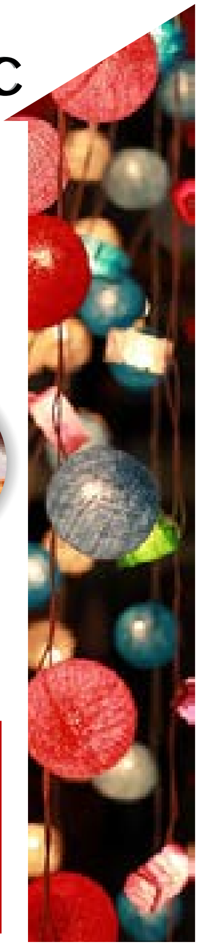

कायस्थ उपनाम

- **उत्तर भारत:** माथुर, श्रीवास्तव, सक्सेना, अस्थाना, निगम, भटनागर, कुलश्रेष्ठ, सूर्यध्वज, गौड़, अम्बस्ट, कर्ण एवं वाल्मिकी।
- **दक्षिण भारत:** मुदलियार, नायडू, पिल्लै, नायर, राज, मेनन, रमन, राव, करनाम, लाल, कार्णिक, रेड्डी, प्रसाद।
- **बंगाल:** सेन, कर, दास, पालित, चन्द्र, साहा, भद्रधर, नन्दी, घोष, मल्लिक, मुंशी, डे, पाल, रे, गुहा, बैद्य, नाग, सोम, सिन्हा, रक्षित, अंकुर, नन्दन, नाथ, विश्वास, सरकार, चौधरी, बर्मन, बसु, बोस, भाया, दत्ता, कुंडू, मित्र, धर, सर्भन, भद्र।
- **पंजाब:** राय, बक्सी, दत्त, सिन्हा।
- **महाराष्ट्र:** ठाकरे, पठारे, देशमुख, चिटनिस, कोटनिस, फड़नीस, दिघे, भास्कर, प्रधान, प्रभु, चित्रे, मथरे, करोडे, दोंधे, सुले, राजे, शाग्ले, मोहिते, तुगारे, फड़से, आटे, गड़करी, कुलकर्णी, सर्राफ, वैद्य, जयवंत, दलवी, देशमुख, चौबल, मोकाशी।
- **गुजरात:** चंद्रसेनी, प्रभु, मेहता, वल्लभी, वाल्मिकी, सूर्यध्वज।
- **उड़ीसा:** पटनायक, पाटस्कर, मोहंती, कानूनगो, बोहिदार, दास।
- **असम:** बरुआ, चक्रवर्ती, पुरकायस्थ, वैद्य एवं चौधरी।
- **राजस्थान:** गुप्त, नंद, सर्भन, फूगू, भटनागरदास, माथुर।

कैथी भाषा की लिपि है यह, जिसे केवल कायस्थ अपने लेखन में प्रयोग करते थे।

Devanagari	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	ञ
Kaithi	𑂍	𑂎	𑂏	𑂐	𑂑	𑂒	𑂓	𑂔	𑂕	𑂖
	ka	kha	ga	gha	ṅa	ca	cha	ja	jha	ña
	[k]	[kʰ]	[ɡ]	[ɡʱ]	[ŋ]	[tʃ]	[tʃʰ]	[dʒ]	[dʒʱ]	[ɲ]
Devanagari	ट	ठ	ड	ड़	ढ	ढ़	ण	त	थ	द
Kaithi	𑂗	𑂘	𑂙	𑂚	𑂛	𑂜	𑂝	𑂞	𑂟	𑂠
	ṭa	ṭha	ḍa	ṛa	ḍha	ṛha	ṇa	ta	tha	da
	[ʈ]	[ʈʰ]	[ɖ]	[ɽ]	[ɖʱ]	[ɽʱ]	[ɳ]	[t̪]	[t̪ʰ]	[d̪]
Devanagari	ध	न	प	फ	ब	भ	म	य	र	ल
Kaithi	𑂡	𑂢	𑂣	𑂤	𑂥	𑂦	𑂧	𑂨	𑂩	𑂪
	dha	na	pa	pha	ba	bha	ma	ya	ra	la
	[d̪ʱ]	[n]	[p]	[pʰ]	[b]	[bʱ]	[m]	[j]	[r]	[l]
Devanagari	व	श	ष	स	ह					
Kaithi	𑂫	𑂬	𑂭	𑂮	𑂯					
	va	śa	ṣa	sa	ha					
	[v]	[ʃ]	[ʂ]	[s]	[ɦ]					

धरोहर

राढ़ी टोला, बरारी, भागलपुर के गोपेश दास का दुर्गा पूजा संभवतः मुगल काल से हो रहा है ।

- खुद श्री दास का घर एक ढूंह MOUND पर है ।
- संजोकर रखा है कुछ दस्तावेजी प्रमाण ।
- जमींदारी समाप्त होने पर प्रशासन देता था प्रति पूजा 1307 रूपये 53 पैसा मात्र, 1990 - 1991 तक मिला।

आमतौर पर भागलपुर जिला के दुर्गा स्थानों का इतिहास मौखिक ही है। मौखिक को मेढ़पति लोग लिपि बद्ध कर ले तो इतिहास को बचाया जा सकता है। क्योंकि इतिहास हम सबों की पूंजी एवं धरोहर है। इसे बचाकर रखना सबों की जिम्मेदारी है।

भागलपुर के बरारी के गंगा नदी किनारे राढ़ी टोला निवासी राजेश दास एवं गोपेश दास (मजूमदार) ने कुछ दस्तावेजों को बचा रखा है जिससे अनुमान हो रहा है इनके पूर्वज मुगल काल से ही महारानी दुर्गा की पूजा कर रहे हैं ।

मेढ़पति गोपेश दास ने बताया कि मेरे दादाजी को उनके दादाजी स्व. दुर्गा प्र. दास ने 1890 ई. में बताया था कि पुस्त दर पुस्त से दुर्गा महारानी की पूजा चली आ रही है। बुजुर्गों ने बताया था कि हमारे एक पूर्वज मुगल बादशाह जहांगीर (1605 - 1627) के दरबार में राजस्व विभाग में थे जिन्हें कानूनगो बनाया गया था। पुस्त दर पुस्त के हिसाब से 1890 से अगर दो सौ बर्ष पीछे जाते हैं तो 1690 होता है। बादशाह औरंगजेब का काल 1658 - 1707 तक था , उस हिसाब से पूजा मुगल से मानी जा सकती है।

मूल दुर्गा स्थान सहित पुस्तैनी घर गंगा मैया की गोद में समा गई। कागजात भी चला गया। लेकिन पिताजी का हस्तलिखित एक कोपी सुरक्षित रखने में सफल रहा एवं बुजुर्गों से पूछताछ कर वंशावली बनाया हूं। गोपेश दास ने बताया कि जमींदारी समाप्त होने के बाद प्रशासन द्वारा प्रति बर्ष पूजा हेतु अल्प राशि 1307 रूपये 53 पैसा मात्र मिलता था जो 1990 - 1991 ई. तक मिला।

श्री दास का घर खुद एक ढूंह MOUND पर है जहां आज भी पुरातात्विक अवशेष हैं। वे बताते हैं कि कुछ वर्षों पहले चार पांच आकर छिटका चुनकर ले गए थे । गंगा के कटाव में भी पुरावशेषों को बहते देखा हूं। वैसे तो पूरा बरारी ही ढूंह पर बसा है।

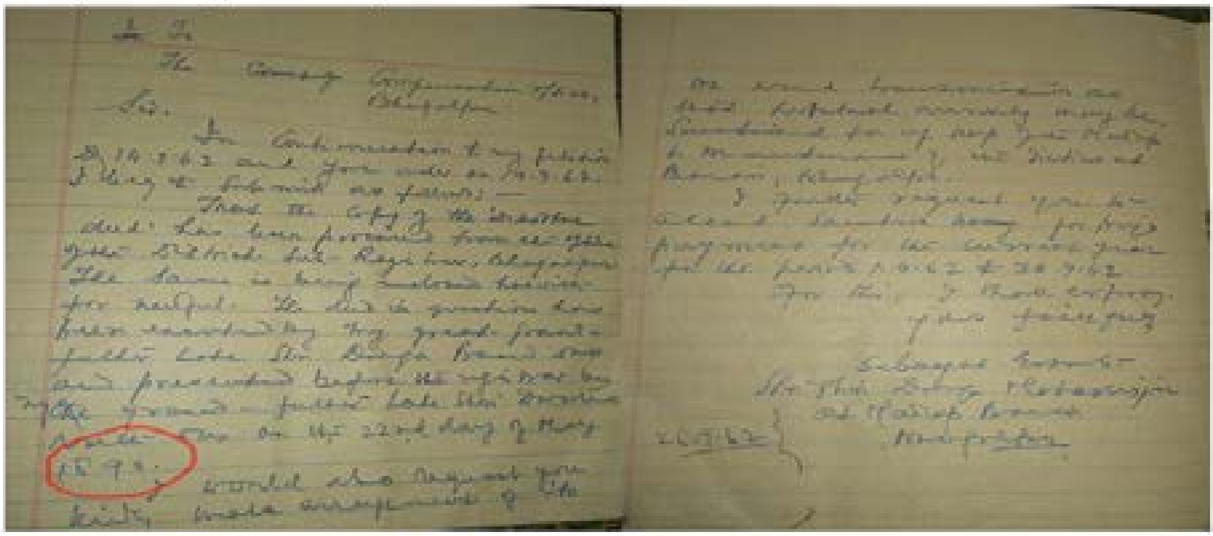

Collection from: Prof. Raman Sinha

डॉ अमरेन्द्र : एक संक्षिप्त परिचय

डॉ. अमरेन्द्र

हिन्दी और अंगिका में विपुल साहित्य के सर्जक डॉ. अमरेन्द्र का जन्म, बिहार के पुराने जिले भागलपुर के बाँका अनुमंडल (अब जिला) के रजौन थानान्तर्गत, पौराणिक नदी चानन नदी के पूर्वी छोर पर बसा रुपसा (रूपसार) गाँव में पाँच जनवरी उन्नीस सौ उनचास ई. में हुआ । अगर इनके संपादित और अनुवादित साहित्य को अलग कर दें, तो इनकी मौलिक कृतियों की संख्या ही पैंतालीस है, जिनमें प्रबंध–काव्य, मुक्तक, उपन्यास, कहानी, नाटक, आलोचना षामिल हैं । ये पुस्तकें ज्यादातर हिन्दी में हैं, बाकी अंगिका भाशा में । अंगिका भाशा और साहित्य पर इनके लिखे लेखों ने अंगिका और अंग पर नये सिरे से सोचने के लिए विद्व ानों को बाध्य किया । इनकी दीर्घ साहित्य–साधना और विपुल साहित्य को लेकर इन्हें समय–समय पर पुरस्कारों और उपाधियों से भी सम्मानित किया गया है। इनके साहित्य पर कई विश्वविद्यालयों में पी. एच–डी उपाधि के लिए शोध–कार्य भी हुए हैं । इनके व्यक्तित्व और कृत्तित्व को लेकर कई महत्वपूर्ण किताबें प्रकाशित हैं। हाल के वर्शों में डॉ. अमरेन्द्र के लिखे साहित्य में इनका महाकाव्य 'कर्ण' इनका प्रौढ़तम प्रबंध काव्य है, जिसकी प्रशंसा देश भर के पुराने–नये विद्वान आलोचकों ने की है ।

संपर्क : संपादक, आंगीप्रभा, लाल खां दरगाह लेन, सराय भागलपुर, 812002 (बिहार)
Website : www.dramrendra.com

अंगिका बाल कविता: टुनमा रो अंग देस

अंग देश रो टुनमा वासी
जेकरो वास्तें अंगे काशी
वीर कर्ण रो देस यही
टुनमा उछलै कही–कही
एकरो नदी ले मन में खोसी
चानन, गंगा, आरो कोसी
जानबे तोहें देर–सबेर
अंग देश रो महिमा ढेर
मौसा–मौसी सबनें कहै
ऋशि शृंगी यहीं रहै
पूज्य वासूओ के नै भूल
झुलवा पर तोहें कत्तो झूल
विक्रमशील हौ विद्यापीठ
अभियो गिरी खड़ा छै ढीठ
पढ़ी–लिखी के आपनो ज्ञान
मंदारे रं उच्चो तान
चनदनवाला, बिहुला माय
सब बुतरु पर हुवे सहाय
टुनमा खाय कें एक अनरसा
घूमी ऐलै सौंसे सहरसा
भागलपुर से मधेपुरा
दिखलै कोय नै एक बुरा
ई खुल्लै तभिये जाय पोल
तुरत पहुँचलै जबे सुपोल
साहेबगंज में साहब पाँच
बदमासो रो करै छै जाँच
देवघर, दुमका, गोड्डा तीन
घुमते–घुमते ऐलै नीन
बेगूसराय ठहरलै जाय
एक पुलिस सें धक्का खाय
लेलकै कटिहारो में होश
फेनू चली के छौं–छौं कोस
आय पूर्णिया ऐलो छै
मछली खाय मुटैलो छै
किसनगंज में लागले लू
ऐलै अररिया भरलो मू
भले खगड़िया परसू जाय
बाँके में ऊ रहतै आय
कल जैतै मुंगेर किला
आरो जमुई नया जिला
अंग देश रो यही भुगोल।

–डॉ. अमरेन्द्र

बुद्ध काल एवं जातक काल की सामाजिक व्यवस्था

डॉ० कुमारी ज्योत्सना
एम० ए०, पी० एच० डी०
पाली विभाग,
मगध विश्वविद्यालय,
बोधगया।

त्रिपिटकों के अध्ययन से ज्ञात होता है कि भगवान बुद्ध ने तत्कालीन समाज में व्याप्त संकीर्णताओं एवं धार्मिक आडम्बरों का खंडन किया । छठी सदी ई० पूर्व की वैदिक युगीन सामाजिक एवं धार्मिक मान्यताएँ यथावत प्रचलित थी। ऋग्वेद के दसवें मंडल के पुरूषसक्त में सामाजिक विभाजन का आदर्श स्थापित किया गया था, वो छठी सदी ई० पूर्व तक और भी सुदृढ हो चुका था। इस व्यवस्था में ब्राह्मणों और क्षत्रियों की उच्चता स्थापित हो गई, जबकि शूद्रों की स्थिति निरंतर गिरती जा रही थी। यज्ञ की जटिल विधियों एवं अनुष्ठानों में निम्न वर्गों का सम्मिलित होना वर्जित था, जिसके परिणामस्वरूप धार्मिक क्षेत्रो में ब्राह्मणों का एकाधिकार स्थापित हो गया।

भगवान बद्ध ने वर्णव्यवस्था सम्बन्धी कोई नयी कसौटी नहीं रखी, अपितु पुरानी कसौटी को ही स्वीकार कर लिया। भगवान बुद्ध ने प्रचलित सामाजिक एवं धार्मिक मान्यताओं में सुधार कर ब्राह्मणों, क्षत्रियों, वैश्यो एवं शूद्रों को समान अधिकार देने का प्रयत्न किया। इसकी चर्चा हमें 'सुत्तनिपात' के 'वसलसुत्त' में मिलती है, जिसमें व्यक्ति के जीवन में कर्म को प्रधानता दी गई है–

"न जच्चा वसला होति
न जच्चा होति ब्राह्मणो
कम्मुना वसलो होति
कम्मुना होति ब्राह्मणो'

अर्थात जन्म से काई वृल (नीच) या ब्राह्मण नहीं हो सकता, वह अपने कमो क आधार पर ब्राह्मण या शुद्र हो सकता है। बुद्ध का तर्क था कि किसी भी निम्न कुल मे जन्म लेन से कोई भी मनुष्य हीनता या दोष का भागो नहीं होता, अपितु अपने शुभ कर्मों द्वारा ही सभी मनुष्य पुण्य के भागी हो सकते हैं। भगवान बद्ध यह मानते थे कि कर्म और शील ही मनुष्य को नर से नारायण बनाते है, इसलिए उन्होंने 'पचशीलों' एवं 'दसशीलों' की स्थापना की । बुद्ध ने कर्म की प्रधानता पर प्रकाश डालते हुए यह समझाने का प्रयत्न किया है कि सभी कुछ अनित्य हैं, संसारदुःखमय हे एवं आत्मा भी अनित्य है।

भगवान बुद्ध ने यद्यपि आत्मा को अनित्य माना है, किन्तु जीवन के शाश्वत प्रवाह को स्वीकार किया है, इसलिए पुनर्जन्मवाद एवं परलोक को भी स्वीकारा है। समस्त जातक कथा पुनर्जन्मवाद पर ही आधारित है। भगवान बुद्ध ने चार आय-सत्यों के प्रतिपादन में तृष्णा को समस्त दुःखों का मूल बताया है और उससे विरत रहने के लिए आय अष्टागिक मार्गों पर चलने की शिक्षा दी।

भगवान बुद्ध के इन दार्शनिक विचारों को तत्कालीन समाज में सम्मान मिला, धर्म की साधना के समान अधिकार का समाज ने सहर्ष स्वीकार कर बौद्ध धर्म को अपनाया। तत्कालीन समाज में इसका लाभ वैश्यों एवं शुद्रों को मिला। इस परिवर्तन ने समाज मे उथल-पुथल मचा दी, परिणामस्वरूप एक नई विचारधारा एवं सामाजिक व्यवस्था का जन्म हुआ। बुद्ध क प्रमुख शिष्य 'उपालि' जन्म से नाई थे, निम्न जातियों में जन्में सुनीति तथा सुपाल मंत्री भी बने।

तत्कालीन समाज में राज व्यवस्था अत्यन्त शांतिपूर्ण एवं समृद्धपूर्ण था, प्रजा को न्याय दिलाने के लिए कचहरियाँ एवं उचित न्यायपूर्ण व्यवस्था थी। प्रजा के लिए राजा का चुनाव होता था। समाज में राजा का स्थान महत्वपूर्ण था। 'उलूकजातक' से स्पष्ट है कि वंश परम्परा के आधार पर भी राजा होते थे। व्यक्ति को अपनी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता थी। राजा अपनी अध्यात्मिक उत्कर्ष के लिए, राज-काज से विरक्त हो वानप्रस्थ जीवन का निर्वाह किया करते थे। इससे स्पष्ट है कि राजा सत्तालोलप नहीं थे।

(राजोवाद जातक मे) इसके अतिरिक्त सेवकों आदि के कार्यो से संतुष्ट हो उन्हें सम्मान व पारितोषिक भी मिलता था। कुछ जातकों के अध्ययन से यह भी ज्ञात होता है कि राजाओं का वातावरण विलाशितापूर्ण था।

तत्कालीन समाज में अनेक प्रकार के व्यवसाय प्रचलित थे। ब्राह्मणों का कार्य अध्ययन-अध्यापन, शिक्षा-दीक्षा एवं भिक्षावृति द्वारा जीवन-यापन करना था। वैश्यों का मुख्य कार्य व्यवसाय था। उस समय कृषि एक प्रमुख व्यवसाय था। कृषि में यव, तिल, चावल आदि का वर्णन है, वैश्य विदशों में भी व्यवसाय कर अच्छी आय प्राप्त करते थे। इसका उदाहरण 'बावेरूजातक' एवं 'सुप्पपरकजातक' में मिलता है।

जातक कालीन समाज में विवाह के वर्णन से यह ज्ञात होता है कि विवाह सम्बन्ध सजातियों में ही श्रेष्ठ माना जाता था। विवाह के लिए कन्या की उम्र 20 से 30 वर्ष थी और उन्हें योग्य वर वरण करने की स्वतंत्रता थी। कन्या और वर दोनो को प्रेम-विवाह की भी स्वतंत्रता थी।

"उरग जातक' एवं 'संकिच्य जातक' से कन्या के विक्रय की प्रथा का पता चलता है। राजा को किसी भी जाति की कन्या से विवाह एवं अनेक विवाह की स्वतंत्रता थी। 'कट्ठहारि जातक' में माली की कन्या से उत्पन्न पुत्र को युवराज बनाया गया। राजा किसी भी पत्नी का त्याग करने के लिए स्वतंत्र था, जबकि सामान्य जनता सिर्फ सदोष पत्नी का ही त्याग कर सकती थी। उस समय 'नियोग' की प्रथा भी प्रचलित थी।

बुद्ध या जातक कालीन युग में कहीं भी विशेषतया क्षत्रियों का उल्लेख नहीं है। हाँ, क्षत्रियों के रूप में राजा का उल्लेख अवश्य है। बौद्ध एवं जातक कालीन साहित्य के अध्ययन से यह ज्ञात होता है कि तत्कालिन आर्थिक व्यवस्था काफी सुदृढ़ थी। इसी काल में भारत का सम्बन्ध विदेशों से स्थापित हुआ। लोग अपनी सुविधा के अनुसार व्यक्तिगत एवं सामुहिक व्यवसाय किया करते थे। जैसे-जसे नागरीय जीवन का विकास हुआ, यातायात के साधन बढ़, व्यवसाय में भी उत्तरोत्तर वृद्धि हुई, जिसके कारण देश आर्थिक दृष्टि से सम्पन्न होता गया। जन साधारण के लिए आवासगृह एवं नदियों को पार करने के लिए पुल आदि का वर्णन भी मिलता है। गाँवों में कृषि, गोपालन के अतिरिक्त वस्त्र व्यवसाय का भी वर्णन है, लगान के तौर पर कृषकों से अनाज लिया जाता था, कुछ कठिनाई होने पर उन्हें माफ भी कर दिया जाता था। पुरूष हीं नहीं, स्त्रियाँ भी व्यवसाय करती थीं। गाँवों में पैसा इकट्ठा कर उत्सवों का आयोजन किया जाता था।

तत्कालिन साहित्य के अध्यायन से उन धर्मिक स्थितिया के संकेत मिलते हैं, दान देना, शीलों का पालन और आचरण करना, 'उपोसथ' करना, आर्य श्रावकों की सेवा करना आदि।धर्मयुक्त आचरण से समाज में आदर व सम्मान प्राप्त होता था। ऐसा 'सीलनिसंस जातक', 'राजोवाद जातक' एवं 'मखादेव जातक' के अध्ययन से ज्ञात होता है। श्राद्ध में लोगों की आस्था थी, ऐसी मान्यता थी कि श्राद्धकर्म से पूर्वजों को शांति मिलती है। उस समय आश्रम व्यवस्था भी कायम थी क्योंकि राजा भी बाल सफेद होने पर राजधर्म त्यागकर वानप्रस्थ ग्रहण करते थे।

जातक साहित्य के अध्ययन से हम निःसंदेह कह सकते हैं कि यह बौद्ध युग की प्रतिच्छाया है। यह एक ऐसा दर्पण है जो तत्कालीन जनजीवन का सजीव चित्रण करने में पूर्ण रूपेण सक्षम व समर्थ हैं। इसी कारण 'जातक' साहित्य का बौद्ध धर्म में ही नहीं अपितु भारतीय साहित्य में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है।

संदर्भ सूची

1) जातक कथा- भिक्षु धर्मरक्षित (पठमो भागो)।
2) जातक संग्रह- एन. बी. टाईगर (पुणे 1936)।
3) बद्ध धर्म एवं दर्शन- आचार्य नरेन्द्र देव, पटना (1956)।
4) मज्झिम निकाय- पृष्ठ संख्या (22)
5) जातक माला- पी. एल. वैद्य, मिथला विद्यापीठ (1954)।
6) सुत्तनिपात- वसलसुत्त।

कोविड-19 और आपका मस्क्यूलोस्केलेटल स्वास्थ्य

कोविड–19 एक नई बीमारी है , जो नोबेल कोरोनावायरस की वजह से होती है जिसे इंसान में पहले कभी नहीं देखा गया था। कोविड–19 में 'को' है कोरोना के लिए , 'वि' है वायरस के लिए और 'ड' है डिजीज के लिए '19' है 2019 वर्श के लिए।

किसी भी व्यक्ति को कोविड–19 उन लोगों से हो सकता है जिसमें इस वायरस का संक्रमण पहले से है। जब को. विड–19 से संक्रमित व्यक्ति खासता , छीकता , सांस छोड़ता है तो उसके नाक व मुंह से निकली छोटी बूंदों से यह रोग दूसरे में फैल सकता है।

कोविड–19 के मुख्य लक्षण हैं बुखार , खांसी और सांस लेने में तकलीफ ।बीमार को थकान , बदन दर्द और नाक जाम होने ,गले में खराश और उल्टी दस्त की समस्या भी हो सकती है ।हालांकि कुछ लोग जो इससे संक्रमित हो जाते हैं उनको कोई भी लक्षण नहीं होते ।इससे संक्रमित होने वाले अधिकांश लोगों को किसी विशेष इलाज की जरूरत नहीं होती ।लेकिन कुछ लोग बेहद गंभीर रू।से बीमार हो जाते हैं और उन्हें सांस लेने में परेशानी होने लगती है

उपरोक्त विवरण जो षायद ज्यादातर लोगों को पता होगा मैं इस वैश्विक महामारी का अवलोकन अस्थि रोग विशेषज्ञ के तौर पर करूंगा ।मस्क्यूलोस्केलेटल स्वास्थ्य में हमारी हड्डियां , मांसपेशियां और रीढ़ की हड्डी निहित है ।कोविड–19 एक दैहिक संक्रमण है जो वस्तुतः पूरे षरीर को सर से पांव तक प्रभावित करता है।

आरंभ में ही हमें यह समझ लेना चाहिए कि हमारी हड्डियां , जोड़ और मांसपेशियां एक गतिशील प्रणाली है । रोज पुराने उत्तको की मृत्यु होती है और नए उत्तको का सृजन होता है। यह सारी प्रणालियों को नियंत्रित करने में काफी सारे हार्मोन जैसे कि (विटामिन डी, पाराथोरमोन, कैल्सीटोनिन इतियादि) की भूमिका हैं , साथ ही हमारी षारीरिक गतिविधि भी स्वस्थ हडियों, जोड़ो और मांसपेशियों के लिए अति आवश्यक है।

संछे। मैं उपरोक्त हॉर्मोनो, शारीरिक गतिविधि के सामंजस्य पर हमारा मुस्कुलोस्केलेटल स्वास्थ्य निर्भर करता है। चुकि इस वैश्विक महामारी के दौर मैं हम सब अपने अपने घरों मैं कैद हैं और हमारी षारारिक गतिविधियां काफी कम हो गई हैं, इसका हमारे मुस्कुलोस्केताल स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा हैं ।ऐसे में हम सबकी जिम्मेवारी है की हम अपने और अपने परिवार के मुस्कुलोस्केताल स्वास्थ्य का ध्यान रखें

निम्मलिखित उपाय कर के हम अपने स्वास्थय का ख्याल रख सकते हैं–

- रोजाना 30 मिनट कसरत (जैसे की योगासन, घूमना, जॉगिंग, डांसिंग, एरोबिक्स) कर सकते है। शोशल डिस्टन्सिंग का पालन करते हुए खुले मैदान या पार्क मैं घूमना, टहलना या रनिंग कर सकते है। मास्क का प्रयोग ना करें जब आ।उपरोक्त गतिविधियां कर रहे है।
- पर्याप्त मात्रा मैं विटामिन डी, कैल्सियम का सेवन करें दूध और दूध से बने पदार्थ (दही, पनीर, चीज, छांछ) का सेवन करें।

	Calcium		Vitamin D	
Life-stage group [age and (gender)]	RDA (mg/day)	UL (mg/day)	RDA (IU/day)	UL* (IU/day)
1-3 yr (m/f)	700	2,500	600	2,500
4-8 yr (m/f)	1,000	2,500	600	3,000
9-18 yr (m/f)	1,300	3,000	600	4,000
19-50 yr (m/f)	1,000	2,500	600	4,000
51-70 yr (m)	1,000	2,000	600	4,000
51-70 yr (f)	1,200	2,000	600	4,000
71+ yr (m/f)	1,200	2,000	800	4,000

m: male; f: female; RDA: Recommended Dietary Allowance; UL: Tolerable Upper Intake Level; IU: International Units. RDA indicates the intake level that covers the needs of ≥ 97.5% of the population.

*UL indicates levels above which there is a risk of adverse events. The UL is not intended as a target intake (there is no consistent evidence of greater benefit at intake levels above the RDA).

- शराब का परिहार, सिगरेट का त्याग करें।
- पर्याप्त मात्रा मैं हरी सब्जियाँ का सेवन करें।
- पर्याप्त मात्रा मैं प्रतिदिन प्रोटीन (अंडे, चिकन, मछली) का सेवन करें।
- विटामिन c (आवला, बेरीज, अमरूद, ब्रोकोली, ऑरेंज) का सेवन।
- रजोनिवृति महिलाये और 50 के ऊपर लोगों को अपना BMD टेस्ट (बोन मिनरल डेंसिटी) अनिवार्य रूप से कराना चाहिए. BMD हमारे हडियों का पर यूनिट बोन मास के घनत्व का मापन है. (टी स्कोर <–2.5, ऑस्टियोपोरोसिस, टी स्कोर 1 से 2.5 ओस्टेओपेनिआ है), ऑस्टियोपोरोसिस एक साइलेंट किलर है जिसमे हडियाँ भूर भूरी हो जाती है, इसमें घातक कमर का फ्रैक्चर, रीढ़ की हड्डी का फ्रैक्चर, कलाई का फ्रैक्चर हो सकता है।
- रोजाना 15 से 20 मिनट सूर्य अनावरण भी करना चाहिए।

अंत मे, मैं अपने लेख को डॉ A P J कलाम साहब के एक उद्धरण से समाप्त करना चाहूंगा–

कोरोना वैश्विक महामारी के द्वारा पैदा किये गए मुश्किल हालातों से हम सकारात्मक रवैये से उबर सकते है और कठिनायों को अवसर मैं बदल सकते है। वायरस को वैज्ञानिक मनोवृति से नाकि घबराहट से हरा सकते है।

–डॉ प्रीति रंजन सिन्हा (अस्थि रोग विशेषज्ञ)

****

SIX LITTLE STORIES WITH LOTS OF MEANINGS

(1). Once all villagers decided to pray for rain. On the day of prayer, all the people gathered, but only one boy came with an umbrella. That is faith.

(2). When you throw babies in the air, they laugh because they know you will catch them. That is trust.

(3). Every night we go to bed without any assurance of being alive the next morning, but still we set the alarms to wake up. That is hope.

(4). We plan big things for tomorrow in spite of zero knowledge of the future. That is confidence.

(5). We sec the world suffering, but still, we get married and have children. That is love.

(6). On an old man's shirt was written a sentence 'I am not 80 years old; I am sweet 16 with 64 years of experience.' That is attitude.

Have a happy day and live your life like these six stories. Remember - Good friends are the rare jewels of life, fficult to find and impossible to replace!!

JUSTICE DELAYED IS JUSTICE DENIED

"Justice delayed will not only be justice denied, it will also destroy the Rule of Law"- Mr. Soli Sorabjee

Justice in vague sense means fulfilment of the legitimate expectation of the individual under laws and to assure him the benefits promised therein in speedy and fair manner. First quoted by Former English Prime Minister William E. Gladstone, 'Justice delayed is justice denied' signifies that a dallying and dawdling justice is no justice at all. Delay of justice is injustice and injustice alone can shake down the pillars of skies (democracy) and restore the reign of chaos and disorder.

The people of India through the Preamble of Indian Constitution have placed justice at the highest pedestal. Judiciary being the preserver of the Constitution has vowed to secure justice- social, political and economic, to every citizen of the country. Justice in its colossal sense includes imparting of speedy justice without compromising its fairness and righteousness. Evidently, Indian judiciary is suffering from huge backlog of cases which at present is estimated around 33 million. Such staggering number is the culmination of various factors such as:

- Inadequate number of judges;
- Various loopholes in laws coupled with lengthy procedures;
- Malafide laxity shown by few lawyers by intentionally delaying the process;
- Revenge motive and bogus cases;
- Whole journey from Trial Court to the Appellate Court

The dilatoriness in the process of justice has dire and serious effect on the society as a whole as faith of people in the judicial system will start to wane. The tiring judicial process and long overdue relief often becomes mentally and financially torturing for both victims as well as accused. Out of frustration, they will gradually take law in their own hands which consequently will lead to social anarchism. Instances like Uphaar Cinema Fire Case wherein decision came after 18 years of the incident; Hashimpura Massacre case where justice was served after 31 years; case of Ali Muhammad Bhat who before been acquitted had to spent 23 years of his life in jail for the crime he never committed are amongst few out of many unfortunate cases which have already shaken people's confidence in the Indian judicial system and its process. Convicts in the Nirbhaya case were hanged 8 years after that tragic incident although long-delayed nevertheless seems expeditious as compared to abovementioned cases.

Delays in delivering justice highlight the biggest challenge of Indian justice system which urgently needs a complete overhaul. Even though efforts have been made by introducing E-filing system and promoting Alternate Dispute Resolution (ADR) viz. mediation, arbitration, conciliation et cetera, still much is left to do. From establishing more courts at district level and appointing more judges to introducing technology at the ground level, creating awareness about ADR mechanisms and inculcating tech know-how amongst judges of every district court a good deal of work is yet to accomplish.

Despite so many problems Indian judiciary has tackled every hitch effectively and has done commendable job in imparting justice equitably without fear or favour. As justice delayed is justice denied similarly, justice hurried is justice buried is equally true. Therefore, sensible, rational, equitable and reasoned manner of modus operandi is imperative to balance the whole process keeping in mind that a sense of confidence in the courts is essential to prevent an incalculable damage to the society and to maintain its ordered fabric.

Jaiyanti Jeya

D/o Mr. R K Sinha

Rohini, Delhi

' मेरा गाँव: मेरा देश'
सन्हौला क्षेत्र में राढ़ी कायस्थ का सामाजिक व राजनैतिक परिदृश्य
(Socio-Political Panorama of Rarhhi Kayasthas in Sanhaula Area)

भागलपुर जिला सह लोकसभा क्षेत्र के कहलगांव अनुमंडल सह विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत सन्हौला क्षेत्र में राढ़ी कायस्थ समाज का आरंभ से ही अपना विशेष प्रभाव रहा है। उसमें भी खासकर भुड़िया–महियामा पंचायत में तो और भी ज्यादा। या यूं कहें कि इस पंचायत में तो राढ़ी समाज का सकारात्मक बर्चस्व ही रहा है।

कभी बनियाडीह के स्व0 सुनील सिन्हा जो सोना मुखिया के नाम से लोकप्रिय थे, अपने पंचायत के लम्बे समय तक दमदार मुखिया रहे थे।

जबकि अमडीहा पंचायत मुसलिम बाहुल्य है (लगभग 70ः मुसलिम) और वहां सिर्फ बनियाडीह गाँव में ही अपने सजातीय हैं, वह भी बिल्कुल अल्प संख्यक। सोना दा के बाद उनके गोतिया परिवार से ही श्री विनय सिन्हा भी मुखिया रहे। और फिर आज के घोर जातीय व साम्प्रदायिक दौर के बाबजूद उनके सुपुत्र श्री शत्रुघ्न सिन्हा अपने प्रतिद्वंदी (निवर्तमान मुखिया) से लगातार दूसरी बार अव्वल जीत हासिल कर अमडीहा पंचायत के वर्तमान मुखिया हैं। जबकि श्री विनय सिन्हा (पूर्व मुखिया) भी चुनाव मैदान में थे।

हमारे भुड़िया–महियामा पंचायत में भी लम्बे समय तक भुड़िया के स्व0 अरविन्द घोश (मुखिया) भी बहुत ही कदावर मुखिया हुआ करते थे। क्षेत्र में उनका काफी दबदबा हुआ करता था।

भुड़िया गाँव के ड्योढ़ी परिवार अर्थात मजूमदार परिवार का भी खासा प्रभाव हुआ करता था। वहां का नामी दुर्गा स्थान भी भुड़िया ड्योढ़ी परिवार का हीं हैं।

महियामा–गोविन्दपुर से उतर–पूरब गेरुआ नदी के पार पाठकडीह के कालू बाबू भी अपने इलाके में काफी प्रभावशाली व्यक्ति हुआ करते थे।

ये सभी लोग तब कांग्रेस की राजनीति करते थे और वहाँ के स्थानीय विधायक सदानन्द सिंह जी के प्रबल समर्थक व स्तंभ हुआ करते थे।

महियामा– गोविन्दपुर गाँव समाज में हमारे परिवार तथा टूनू (घोश) बाबू परिवार का काफी अच्छा प्रभाव रहा है।

टुनू बाबू का एक पुत्र श्री राजीव आस्ट्रेलिया में इन्जीनियर है। यद्यपि हमारे घर परिवार से कभी भी कोई जनप्रतिनिधि नहीं रहे हैं।

सन 1977 के जे पी लहर में हमारे राढ़ी कायस्थ समाज से मारवाड़ी कॉलेज के सांख्यिकी विभाग के प्रोफेसर श्री बलराम घोश जी भी कहलगांव क्षेत्र से बतौर जे पी उम्मीदवार चुनाव लड़े थेय परन्तु विडम्बना है कि निवर्तमान विधायक कांग्रेसी उम्मीदवार श्री सदानंद सिंह ही चुनाव जीतने में सफल हो गए, और प्रो0 बलराम घोश (भुड़िया निवासी) जीता हुआ चुनाव अपने सजातीय एक–जुटता के आभाव तथा भ्रश्टतंत्र व बाहुबली ताकत को काउंटर न कर पाने के चलते महज मामूली वोट के अंतर से हार गए।

अन्यथा राढ़ी कायस्थ समाज से पहला विधायक उसी वक्त सदन में दाखिल हो जाते और सत्ता में हमारी भागीदारी का श्री गणेश हो जाता।

महियामा से सटे पूरब तरफ गोविन्दपुर गाँव है जहां मेरा पैतृक निवास स्थान है। गोविन्दपुर का दुर्गा ध्भगवती स्थान हमारे परिवार के पूर्वजों द्वारा ही स्थापित है, और हमारा परिवार ही सेवायतध्मेढ़पति परिवार है। वर्तमान में मेरे पिताजी श्री नवल किशोर दास रेकॉर्ड सेवायत हैं।

महियामा–गोविन्दपुर में दास टोला सिर्फ गोविन्दपुर में है और घोश टोला सिर्फ महियामा में। सिन्हा परिवार दोनों गाँवध्टोला में हैं। सन्हौला से दक्षिण धोरैय्या रूट पर लाला (कर्ण कायस्थों) का बड़ा गाँव बटसार है। उसी के सटे अस्सी भी राढ़ी कायस्थ का एक गाँव है

जहाँ के डॉ उदय नारायण सिन्हा (Dr U N Sinha), एक मूर्धन्य वैज्ञानिक रहें हैं जो स्पेस रिसर्च इन्स्टीट्यूट (ब्प्ट) बंगलोर में चोटी के वैज्ञानिक के रूप में कार्यरतध्पदस्थापित थे और डा0 कलाम के समकक्षी वैज्ञानिकों में शुमार थेय जिन्हें सरकार के तरफ से कई सम्मानं

अवार्ड भी मिले हैं, परन्तु विडम्बना है कि हमारे समाज अथवा समाजिक संगठन ने उन्हें न तो पहचाना, न ही सम्मानित किया।

वैसे उनके एक सुपुत्र, श्री नरेन्द्र कुमार सिन्हा, भी गणितज्ञ हैं।

भुड़िया के ही कुछ मजूमदार–परिवार सन्हौला से कुछ किलोमीटर उत्तर घोघा रूट पर सकरामा–फाजिलपुर में भी जाकर बस गए हैं। बनियाडीह से पूरब गेरुआ नदी के पार पाठकडीह के बगल में ही भट्टाचक और महियामा गोविन्दपुर से पूरब गेरुआ नदी के पार कोयला भी अपने सजातीयों के गाँव हैं। कोयला के स्व0 शारदा प्र0 सिन्हा भी अपने इलाके के प्रभावशाली शख्स हुआ करते थे। अब यह कोयला झारखंड में हैं। कोयला के इन्जीनियर आशीश सिन्हा सब दिन महियामा (ननिहाल) में ही रहकर पले बढ़े।

महियामा के तरह ही ताड़र भी सन्हौला–घोघा मुख्य मार्ग पर रोड के किनारे एक बड़ा गाँव है, और वहां पर बड़ा सा पुराना नामी हाई स्कूल होने की वजह से वहां पर के तीनों गाँव (ताड़र, दोगच्छी और मकरपुर) को ताड़र ही जाना जाता हैं, पर वहां पर भी कायस्थों का गाँवध्टोला दक्षिण तरफ वाला मकरपुर है जहाँ पर सम्पूर्ण क्रांति में उपजे प्रखर क्रांतिकारी समाजवादी नेता स्व0 अशोक घोश जी का पैतक निवास स्थान है, जिनके पिता स्व0 अमरनाथ घोश कार्यपालक दंडाधिकारी थे। अशोक दा राढ़ी बांधव समिति बिहार के कई

बार सचिव व अध्यक्ष भी रहे। वो कई राजनीतिक पार्टियों यथा जनता दल, समाजवादी पार्टी आदि के जिलाध्यक्ष भी रहे। वे दो–दो बार विधानसभा चुनाव भी लड़े पर इन्हे भी अपने समाज का खुलकर भरपूर राजनैतिक समर्थन नहीं मिलने की वजह से समाज का एक और नेता सदन में पहुंचने अथवा बेहतर परिणाम देने से चूक गए।

अंततः अशोक दा का अंतिम समय शारीरिक कश्ट व आर्थिक संकट से भरा रहा धा जो काफी दुखद व चिंतनीय विशय है। वैसे शिक्षा व उन्नति तरक्की में पूरे सन्हौला इलाके में महियामा–गोविन्दपुर गाँव सबसे अव्वल व अग्रणी रहा है।

जब वकील और डॉक्टर समाज का सबसे सम्मानित वर्ग हुआ करते थे तथा वकील और डॉक्टर होना ही अपने आप में समाज और इलाके के लिए गौरव की बात होती थीय तब तीन अलग–अलग शहरोंध्न्यायालयों में अग्रणी बड़े वकील प्रतिश्ठापित करने का गौरव हमारे महियामा गाँव को ही है। यथा गोड्डा में श्री सतीश चन्द्र घोश, बांका में श्री रमनी मोहन घोश और भागलपुर में श्री मणीन्द्र चन्द्र घोष (मणि बाबू) तब बड़े वकील हुआ करते थे। मणि बाबू वकील के प्रभावकारी कुशल नेतृत्व में ही राढ़ी बांधव समिति, बिहार नाम का संगठन तैयार हुआ था और उन्हीं के संघर्श के बदौलत राढ़ी (कायस्थ और ब्राह्मण) समाज को बिहार का अधिबासी (Domicile)

अर्थात बिहार बासी होने की विधिवत सरकारी मान्यता भी प्राप्त हुई, जो बिहार गजट में प्रकाशित भी है, अन्यथा पूरा राढ़ी समाज (कायस्थ व ब्राह्मण) बिहार के अधिकृत निवासी नहीं हो पाते।अतः इस महान उपलब्धि के लिए सम्पूर्ण राढ़ी समाज को मणि बाबू वकील एवं श्री बाबू (डा0 श्रीकृश्ण सिंह) मुख्यमंत्री का सदा आभारी रहना चाहिए। हम उन्हें हृदय से नमन करते हैं। मणि बाबू वकील के पुत्र श्री माणिक घोष भी कोल इंडिया लिमिटेड के महाप्रबंधक (G.M.) हुए थे।

सन्हौला इलाके का प्रथम डठठै क्वबजवत भी हमारे महियामा गाँव से ही डा0 रजनी कान्त घोश हुए थे, जिनके पुत्र डा0 अजय घोष भी जामताड़ा मे प्रसिद्ध चिकित्सक हैं और रजनी बाबू की एक नातिन भी डाक्टर हैं।

भौतिकी में स्नातकोत्तर करने वाली इलाके की प्रथम महिला श्रीमती तृप्ति सिन्हा हुई, जो मेरी बड़ी बहन है।

भुड़िया गाँव से बलराम बाबू प्रोफेसर के अलावा सत्तर–अस्सी–नब्बे के दो दशक में एक और विद्वान प्रोफेसर मारवाड़ी कॉलेज के ही रसायन विज्ञान विभाग में हुआ करते थे, प्रो0 अंजनी कुमार दास मजूमदार, जिनकी अच्छी ख्याति थी, यद्यपि वो बहुत सामाजिक नहीं थे और बंगला भाशी होने के कारण नॉन बेंगौली से ताल्लुकात कम रखते थे।

आखरि में एक सबसे महत्वपूर्ण बात कि हमारे राढ़ी कायस्थ समाज की एक बहुत बड़ी खासियत है कि यह जहाँ पर भी उस इलाके के स्थानीय समाज में जातीय व साम्प्रदायिक सौहार्द्र को बखूबी सम्हाल कर बरकरार रखा है। और यही कारण हैं कि 1989 के भीषण सम्प्रदायिक दंगे में भी हमारे इलाके में एक भी अप्रिय वारदात को किसी भी पक्ष के द्वारा अंजाम नहीं दिया जा सका।

स्वजनों! इन परिचर्चा का उद्देश्य इतना ही है कि हमारा समाज अब अन्य क्षेत्रों में बहुत हद तक आगे आ चुका है और हम तेजी से प्रगति व विकास कर रहे हैं। पर अब भी कुछ क्षेत्र में हम अधुरे हैं। अब जरूरत है सहयोग पुर्ण भाव से व्यक्तिगत व सामुहिक रूप से यथोचित मदद कर एक दूसरे को उपर खींचने व पिछे से धकेलने की। आगे चल रहे का पांव पीछे की तरफ खींचने की नहीं। जरूरत है जरूरतमंदों के लिए काम आने की। यथाआवश्यक खुलकर सामाजिक व राजनैतिक एकता को मूर्त रूप देकर राजनैतिक सफलता हासिल

करने की। तभी हमारे समाज का बहुआयामी चतुर्दिक विकास हो पाएगा और तभी धीरे–धीरे हमारे समाज का सत्ता में भी समुचित भागीदारी हो पाएगी।

यथोचित सम्मान व मंगलकामना के साथरू–

पुरुशोत्तम कुमार दास,
अधिवक्ता,
उपाध्यक्ष (एडवोकेट्स एसोसिएशन),
पटना हाई कोर्ट।
मो0:– 9431221171.
Email: purushottamdas9@gmail.com

(यह लेख यथासंभव मेरे जानकारी व स्मृति पर आधारित है, संभव है कि कई तथ्य इसमें सामिल न हो पाए हों अथवा छुट गए हों, इसके लिए क्षमा करेंगे)

——————— **** ———————

श्रद्धेय पाठको

मैं कभी कभी आपलोगो को सम्पूर्ण मानव हित में विचारो को प्रेषित करता हुँ। यदि सम्पूर्ण मानव हित में, लोक हित में, समाज हित में, देश हित में सम्पूर्ण विश्व के हित में मेरा सुझाव सकारात्मक लगे तो कृपया अन्य लोगो को भी प्रेषित करने का कष्ट करे , चुकि जब से कोरोना वायरस हुआ है तब से विश्व के सभी जन मानस आर्थिक मानसिक शारीरिक कष्ट झेल रहे है भा. रत सरकार, राज्य सरकार अनगिनत सामाजिक संगठन धार्मिक संगठन राजनैतिक सगठन ने बड़े बड़े इंडस्ट्रियलिस्ट्स सिनेमा जगत रिश्तेदार परिजनों मित्रो डॉक्टर्स नर्सेज पैरामेडिकल स्टाफ सफाई कर्मचारियो पुलिस मिलिट्री भारतीय रेल हवाई जहाज, मालगाड़ी, कार्गो जहाज यानि जितना जिससे हो सका दिन –रात निष्काम सेवा अहर्निश किया।

अतः प्रत्येक मनुष्य का दायित्व है जिससे जो सेवा यथा तन मन धन से सेवा कर।

ज्ञातब्य है यह महाप्रलय है जो प्रत्येक एक सौ वर्ष के अंतराल पर महाप्रलय का आना तय है एवं लोगो को मालूम है यह महाप्रलय 1918 में पूरी दुनिया में आयी थी जिसमे अकेले भारत में पांच करोड़ लोग मरे थे अतः हमलोगो से जितना हो सके यथा यदि डॉक्टर्स है नर्स है पैरामेडिकल स्टाफ है वे निस्काम् सेवा करे यदि आप किसान है अपना हिस्सा आनाज रखकर जरूरत मंद ग्राम वासियो के बीच आनाजो का बितरण करे शादी विवाह में अनावश्यक अन्न की बर्बादी को रोकने का कष्ट करे उस बचे हुए अन्न से दुनिया के जो लोग भूख से मर रहे है इन लोगो के भूख मिट सकती है अभी पूरी दुनिया की एक ही समस्या है भूख से जो लोग ग्रसित है एवं जो लोग बीमार है अतः अनाज एवं इलाज यानि जान है तो जहान है वस मानव सेवा ही ईश्वर सेवा है यदि संभव हो जितना हो सके यह महा संदेश जन मानस के बीच इसका व्यापक रूप से प्रचार प्रसार करने का कष्ट करे यदि संभव हो सके इसका पावती अवश्य ही प्रेषित करने का कष्ट करे।

बस आपका ही शुभचिंतक

एक भारतीय नागरिक

निमाय चंद्र घोष. टाटानगर झारखण्ड
पत्राचार का पता
पर्ल व्यू अपार्टमेंट
रोड न. सेवन (7) एक्सटेंशन , सोनारी
जमशेदपुर ८३१०११
EMAIL : ncghosh11@gmail-com
Whatsapp No: 9939141793

राढ़ी कायस्थ : एक विहगावलोकन

प्रशान्त कुमार सिन्हा

राढ़ी कायस्थ और राढ़ी ब्राह्मण की उत्पत्ति की पंचब्राह्मण संकल्पना की कुछ अपनी कमजोरियाँ और विरोधाभास हैं। जैसे (क) विभिन्न राढ़ी और वारेन्द्र कुलपंजिकाओं में आदिसुर का वंशवृक्ष अलग–अलग है। (ख) इनमें ब्राह्मणों के बुलाने का कारण अलग है। (ग) ब्राह्मणों के आगमन की तिथियों में लगभग 600 साल का अंतर है। (घ) इनके नाम और गोत्र भी भिन्न हैं। (ड.) कोलांच की समता कहीं यू0पी0 के कन्नौज/श्रावस्ती से कहीं बंगलादेश का बोगरा जिला से तो कहीं कलिंग क्षेत्र से की गई है। (च) दामोदर ताम्रपत्र अभिलेख, राजा धर्मादित्य का फरीदपुर अभिलेख, राजा लोकनाथ का टिप्परा ताम्रपत्र लेख तथा संध्याकर नंदी की साहित्यिक रचना राम चरित से पता चलता है कि बंगाल के क्षेत्र में इन गोत्रों के ब्राह्मण पूर्व से ही मौजूद थे। जहाँ JNU के कुणाल चक्रवर्ती कुलपंजिकाओं को 15वीं सदी के पूर्व का नहीं माना है, वहीं इतिहासज्ञ पुष्पा नियोगी आदिसुर के अस्तित्व को ही नकारती है। आर0सी0 मजुमदार बताते है कि पंचब्राह्मण संकल्पना का उद्देश्य बंगाल में कुलीन तंत्र की स्थापना करना था। ध्यातव्य है कि कान्यकुब्जों के अखिल भारतीय सम्मेलन में राढ़ी ब्राह्मणों को इसी रूप में मान्यता भी दी है। वस्तुतः 7 th AD में कुमारिल भट्ट के नेतृत्व में Pan-indian brahmnical movement के कारण ब्राह्मण कुलपंजिकाओं में ऐसी कथाओं का सृजन हुआ होगा।

इतिहासकार आर0सी0 मजूमदार तथा डी0सी0 सरकार द्वारा प्रस्तुत इस तरह कई समरूप संकल्पनाओं पर विचार किया जाना समीचीन है। जैसे (क) कुलतत्वार्णव में आंध्रवंश के राजा शुद्रक द्वारा सारस्वत ब्राह्मणों को आमंत्रित किया जाना। (ख) राजा शशांक द्वारा शाकद्वीपी ब्राह्मणों (ग्रह–विप्र) को आमंत्रित किया जाना। (ग) राजा श्यामलवर्मन/हरिवर्मन द्वारा पाश्चात्य वैदिक ब्राह्मणों को आमंत्रित करना। विदित हो कि ये सभी आदिसुर से अलग थे। इतिहासकार N K Dutta के अनुसार राढ़ी और वारेन्द्र ब्राह्मण खुद को अन्य ब्राहमणों से श्रेष्ठ बताने के लिए विदेशी मूल की संकल्पना प्रस्तुत करते है, ठीक वैसे ही जैसे एंग्लो इंडियन खुद को इंग्लैंड से, आर्यन स्वयं को यूरोप से तथा भारतीय मुसलमान भी खुद को अरब, पार्सिया या तुर्की से जोड़ने का प्रयास करते रहे है।

डी0सी0 सरकार ने इस प्रकार की अन्य कथाओं से इसकी तुलना की है जैसे (क) कारगुदरी अभिलेख में मयूरवर्मन द्वारा अहिच्छत्र से 18 ब्राह्मणों की कुंतल देश लाने की सूचना मिलती है। (ख) पल्लव अभिलेखों में त्रिलोचन पल्लव द्वारा भी 70 ब्राह्मणों को उत्तर भारत से लाकर अग्रहार देने की सूचना है। (ग) चोल शासक कुलोत्रुंग III के अभिलेख में Mythlogical राजा अरिंदम से द्वारा तमिल देश में 98 इदंगाई ब्राह्मणों (Left hand) को अन्तर्वेदी प्रदेश (गंगा–जमुना दोआब) से लाकर को बसाने की सूचना प्राप्त होती है।

आदिसुर की कथा और अरिदंम की कथा में एक जैसे तत्व दिखाई पड़तें हैं। इस कथा का आधार वस्तुतः बंगाल शासकों के दक्षिण भारत के साथ सांस्कृतिक संबंध थे। पाल शासक धर्मपाल की पत्नी रणदेवी राष्ट्रकूट राजा प्रवाल की पुत्री थी। राज्यपाल की पत्नी भाग्यदेवी राष्ट्रकूट राजा तुंग की पुत्री थी। राजा विग्रहपाल III की पत्नी राष्ट्रकूट राजा मथाना/महाना की बहन थी। देवपाल के मुंगेर प्लेट (810 ई0) से पता चलता है कि पालों की सेना में कर्नाट योद्धा काफी मात्रा में थे। सेन शासकों और राष्ट्रकूटों के बीच का संबंध बिल्कुल स्पष्ट हैं। एक बात गौरतलब है कि जैसे अरिदंम की कहानी 12वी सदी से पहले नही मिलती है, उसी प्रकार आदिसुर की कथा भी उत्तरवर्ती मध्यकाल से पूर्व नहीं दीखती। ऐसे में डी0सी0 सरकार की प्रस्थापना से इन्कार नहीं किया जा सकता।

फिर राढ़ी कायस्थ की उत्पत्ति पर विचारण आवश्यक है। 'राढ़' एक भौगोलिक ईकाई है जो जैन ग्रंथ आचारांग सूत्र में वर्णित 'लाढ़' के समतुल्य है। खुद महावीर ने लाढ़ के सुब्बभूमि और वज्जभूमि की यात्राएँ की। अमलेन्दू मित्र और

उनके गुरू प्राणचन मोंडल 'राढ़' शब्द का उत्स संताली भाषा के 'लार' में ढूढ़ते हैं। ग्रीक लेखक डायोडोरस सिक्यूलस इस 'राढ़' क्षेत्र में बसने वालों को 'गंगारिदाई' कहते है। जिसका बहुवचन प्रो0 डी0 सी0 सरकार द्वारा गंगराढ़ बताया है, जो कालांतर में राढ़ रूप में प्रक्षिप्त रह गया। (गंगरिदाई–गंगराढ़–अंगराढ़–राढ़)

आनंदमूर्त्ति प्रभातरंजन सरकार ने इसी क्षेत्र को सभ्यता का आदि बिन्दू के रूप में स्थापित किया है। 12वीं सदी के भट्ट भावदेव के भुवनेश्वर अभिलेख में राढ़ को भौगोलिक ईकाई के रूप दर्शाया है। ''दिग्विजय प्रकाश'' तथा तबकात–ए–नासिरी के अनुसार गौड से दक्षिण और दामोदर नदी के उत्तरी भाग, जो हुगली भागीरथी के पश्चिम में अवस्थित है, को ही राढ़ क्षेत्र माना गया है। राढ़ का सांस्कृतिक विभाजन उत्तरी और दक्षिणी राढ़ के रूप में हुआ है। विभिन्न अभिलेख और साहित्यिक स्त्रोत इसकी पुष्टि कहते है। राजेन्द्र चोल I के तिरूमलाई अभिलेख में उत्तर राढ़ को लदाम और दक्षिण राढ़ को तक्कन लदाम कहा गया है। रूपेन्द्र कुमार चट्टोपाध्याय ने अभिलेखों को आधार बनाते हुए अजय नदी को उत्तरी और दक्षिणी राढ़ की सीमा रेखा बताया है।

परन्तु एक बात और गौरतलब है कि 'राढ़' नामकरण दसवी सदी के पूर्व नहीं दिखता है। महाभारत के आदि पर्व में महाराज पांडु के सुह्म अभियान तथा दिग्विजय भाग के भीम द्वारा इस प्रदेश को जीतने की पुष्टि होती है। विदित हो कि महाराजा बलि और सुदेशना के पाँच पुत्रों में से एक सुह्म के नाम पर इस क्षेत्र का नामाकरण हुआ था। हर्ष चरित, वृहत संहिता, काव्य मीमांसा, दशकुमारचरितम् में सुह्म देश/राष्ट्र की चर्चा है। वहीं काव्य मीमांसा के समकालीन अन्य रचना कर्पूर मंजरी ने उस क्षेत्र को 'राढ़' कहा गया है। प्रबोध चंद्रोदय, कथासरितसागर, आदि में इस नाम का वर्णन है। धोयी की रचना पवनदूत में राढ़ का क्षेत्र वर्णित है। कालांतर में सुह्म नाम गौण हो गया और राढ़ नाम प्रचलन में आ गया। उपरोक्त वर्णित विवेचन तथा विभिन्न शोधों के परिणाम से स्पष्ट है कि राढ़ी कायस्थ और राढ़ी ब्राह्मण इसी प्राचीन भौगोलिक ईकाई (अंग+राढ़) में आरंभ से ही निवास करते रहे है। परिव्रजन की संकल्पना को नकारा जाना ही समीचीन है।

आधुनिक नृविज्ञानी तत्वों के विवेचन के आधार पर बिरजा शंकर गुहा ने 1931 ई0 में बंगाल के कायस्थ को Western Brachycephals (Broad headed) अर्थात आल्पीनॉयड, डायनारिक तथा आर्मेनॉयड की श्रेणी में रखा है। विदित हो कि सिंधु सभ्यता के निर्माण में भी आल्पीनायडों का योगदान रहा है। अतएव राढ़ी कायस्थों की संस्कृति आर्यपूर्व मानी जा सकती है। हमारे धार्मिक विश्वास, शाक्त परंपरा, षष्टी पूजा की परंपरा, भैया दूज, भजाय पूजा, बनौना आदि तथा विवाह व्यवस्था में अग्नि का गौण स्थान आर्येत्तर संस्कृति के परिचायक है। अस्तु किंवदंतियों पर आधारित विश्वासों का पूर्वाग्रह रहित पुनर्मूल्यांकन करते हुए नये सिरे सांस्कृतिक तत्वों की विवेचना की जरूरत है।

सधन्यवाद।

प्रशान्त कुमार सिन्हा

ग्राम–सबलपुर (बांका)

हाल निवास– गोड्डा (झारखंड)

A Realisation of a Sr. Citizen

At the fag-end of our lives, say 60+ years, werealise, rather got chance storealise that why at all we should worry about likes or dislikes, love or hatred, comforts or discomforts, praises or abuses, respects or disrespects, mental tension or peace, sickness or health, sorrows of happiness etc.

When we leave this Earth, all the above situations become meaningless. We are free from all worldly behaviours. When we are gone, we will feel nothing about praises or criticism, our worldly life shall be over even if we have earned wealth and money. We should spend the money that should be spent, enjoy what should be enjoyed, donate what we are able to donate. Because, we don't have many years to live, and we cannot take along anything when we go. So, we don't have to be too thrifty.

We, 60+year olds, should not worry too much about our children, for our children havet heir own destiny and should find their own ways of living. Let them find their own course of lives as per their wisdom. Wes hould care for them upto certain age/stage, love them, give them gifts, but, at the sametime, we should also enjoy our money (Left over from the above expenses). Our lives should be more to it than working from the cradle to the grave. We should not worry about things that we cannot change because it does not help and it may spoil our health.

We should just not compare with others for fame and social status and see whose children are doing better etc., but inspire others for happiness, health, enjoyment, quality of life and longevity. Every family has its own problem. As long as we have enough food and enough money to spend, that is good enough; we should live happily. We have to create our own well- being and find our own place of happiness. Even simple interference is not needed in our grown-up children's lives. Let them find their own horizon. We have done our "Karma", it is now their turn to do"Karma".

One day passes with out happiness, we lose one day :and one day passes with happiness, we gain one day. We senior citizens (60+age), with good mood, exercises, variety of foods, vitamins and mineral in take, hopefully, we will live another 20 or 30years (in some cases more than this) of healthy life. In good spirit, sickness will cure. In happy spirit, sickness will cure faster. In high and happy spirits, sickness will never come. This realisation should be the basis of our healthy & happy lives. We should try to live with this.

JAI MAA DURGE!!

Prashant Kumar Das
Crossings Republik
Ghaziabad

****

ऐ जिन्दगी,
क्यों नाराज़ हो तुम इतना मुझसे
मैंने कोशिश तो की थी कि तुमसे मिलूं
परन्तु, जन्म मरण के बीच के कालखंड में
जीवन के उतार चढ़ाव व कुछ पाने की आपा धापी में
कौन कहां इतराता है
या उधेड़ बुन में खोया रहता है
मंजिल का कोई अनुमान नहीं
फिर भी मंजिल की तलाश जारी है.....
कौन जाने क्षितिज के उस पार
निराशा की काली छाया है या आशाओं की है स्वर्णिम रेखा.....
असमंजस ऐसी की जिन्दगी ढूंढने की बेबसी में
सब कुछ पीछे छूटा जाता है......

उलझनों को सुलझाने के प्रयास में
तुम्हें अपने पथ पर लाने क कोशिश में
ऐसा कुछ कुछ हो जाता है
एक सिरा डोर का पकड़ता ˙ तो दूसरा फिसल जाता है ....
पड़ाव उम्र का लगातार बदलता रहता है
असमंजस की ऐसी स्थिति में
मुश्किल है यह कहना कि
कहां रुकूं और कहां से प्रस्थान करूं
साथ तो है अपनों का सफर में
लेकिन मंजिल हैं सबकी अलग अलग
चलना है लेकिन अकेले और
पंहुचना भी है मंजिल पर अकेले ....

–प्रशांत कुमार दास क्रॉसिंग्स रिपब्लिक, गाजियाबाद

BANKING & FINANCIAL POLICY IN CORONA PRISM

In the present scenario prevailed & paralyzed over the world including our nation, the economy, finance & fiscal policy & situation being faced largely is the one major issue after the most important issue of life & sustenance apparently & undisputedly. The dilemma of Banks & borrowers in the backdrop of RBI Circulations & Regulations have created bit confusion in the minds of all concerned being bit dicey, fishy having ambiguity, contradictions and apprehensions at fore. To say & understand the policy of deferment of Installments/EMI falling between the lockdown period has been in public domain but both as a layman or lawyer I understand that it should be applicable to those Accounts wherein EMI is falling amidst this period thickly in entirety however the problem of the Bank is perpetual; as we have confronted in some cases wherein the Account was slipping & falling NPA just after the lockdown is announced. As we all know that any Account is declared NPA automatically by the System of respective Banks once & as it is not serviced since last 3 months or precisely 90 days. Now the peculiar situation has arisen that since last almost 70-80 days a customer/borrower is not depositing due amounts for the reason best known to them but coming closure to be tagged as defaulter deliberately or so cannot be said either to be waiting to pay entire dues on the fag last day of falling NPA or was expecting Lockdown to be imposed which was contigential & unforeseen previously so neither can it be concluded that such lot of borrowers did not or could not deposit due amounts only because of Lockdown nor be it their case that despite having resources they could not deposit amounts but for lockdown. Obviously such borrowers were well aware qua the status & consequences of their own Accounts so to take advantage, mileage & privilege of lockdown counted to be falling under such category for entitlement of EMI deferment is neither proper nor fair rather for the humanitarian ground alone understandably. However if such situation are allowed to happen considering that the financial year has been declared to be extended upto June instead of March 2020 so all closure and status of Accounts have to be determined & reflected upto June'20. To my view EMI & Installment of one month or more than one month during this lockdown period need to be evaluated upon the paying capacity and/or intention to pay of an individual/entity. The readiness & preparedness has to be seen to get them avail this olive branch or escape route. A person/entity cannot or could not or did not deposit their dues deliberately & voluntarily because he/she/it had no provision for it and/or had provision but no intention are two different situations which neither can be equated & evaluated on the same parameters, footings & weighing scale. The Lockdown situation has neither brought each & every person equally in terms of repaying capacity rather their financial status remains distinct & accountable to the respective liabilities accrued well before such situation had arisen. To bring all in one queue and under same umbrella with one simple rule is neither proper nor appropriate to conceive & conclude. To treat deliberate defaulters & defaulters due to force de majure need and has to be seen from different angles & specs. What if even after June 2020 such Accounts are not settled, paid entirely, upgraded which was falling NPA marginally and was on the verge, brink, fence & fringe of it. To my considered opinion the law, rules should be fair to one and all not fair to some & unfair to rest. It cannot be tilted & twisted towards the wrong doers under the guise & garb of liquidity, fiscal, financial disruption in lockdown rather overall record, performance, intention have to be seen & counted. It cannot be concluded that all the persons/entities must & might opt for deferment of payments & EMI so neither can there be any hard & fast decision & rules nor all can be treated equally though placed differently. The instances & cases of deliberate defaulters are neither new nor emerged only due to the Corona effect rather such elements existed in all times everywhere so the distinction & differentiation has to be applied & effected otherwise the persons paying honestly, regularly & comfortably in hardships and those not paying earlier & later shall come on same platform for the time being though whenever calculated it should be quantified all such keeping in mind the background & reason of Accounts been declared NPA or so. Undoubtedly it sounds discrimination loudly as well seen visibly between two lots & categories; relief & rewards for those not paying but still allowing & enjoying the status of their Accounts none NPA, no scare or sword of CIBIL yet whereas the another lot who have been paying continuously struggling & managing at all fronts. For the Argument sake the factor of interest over interest during such moratorium period comes to the burden for the first lot but nothing for the rescue & relief for those who have paid even in such stress. Excuse of limited banking, problem in deposits are not available as the Banking of all nature are open maintaining the rules of social distancing which is also applicable & available for those who have paid despite all odds & adversities; either deducted from their Accounts or transferred or counter deposits in whatever manner. Overall no good reason & pleas are readily available for them not to pay inevitably under such circumstances even unless the intent & purport is clean

& clear baring few genuine cases. Hence, by & large in the long run or for the time being in force, the effect & impact of such circulars vis a vis recovery process under SARFAESI Acts & IBC process have to be seen, judged & applied harmoniously on merit case to case basis not blanketedly lest sending wrong signal, discouraging the genuine & sincere customers & borrowers ultimately resulting into disturbing the banking system devastedly having perturbing trend, effects & consequences which would be tough to handle such anomalies as check & balance to maintain equilibrium in time to come with any such common law whenever the situation gets normalcy or declared to be so by the competent Authority. (As written on 20/04/2020)

R K SINHA
DELHI

****

एक टीस पल रहा है

राय बहादुर सिन्हा : एक परिचय
बाइस वर्ष पूर्व एक अवकाश प्राप्त प्राध्यापक। संस्कृत, अध्यात्म, गीता, उपनिषद पर अप्रकाशित, गीता समतुल्य 'धम्मपदम्' शीघ्र प्रकाशित होने को है।

प्रातः उदित रवि
ढल रहा है
एक टीस
पल रहा है
उर अंतरिक्ष में।

विसरा हुआ प्रभात
पहुँचा ढेर रात
ले ढेरों सी बात
झांकता
अपलक नयन सा
एक टीस
पल रहा है
उर अंतरिक्ष में।

रजनी के पग
सरितकुल ठहर गए
दिल के उमंग सब
लहरों पर ठहर गए
देखे जगनुओं को
टिमटिमाते तटबृक्ष में
अमावश का तम
छल रहा है
एक टीस
पल रहा है
उर अंतरिक्ष में।

एक तरणि पड़ी
लहरों पे लंगर डारे
श्वेत वसना
एक तरुणी खड़ी
मचल रहा पाल
धीरे ही धीरे
गदराया यौवन
उछल रहा है
चन्द्रप्रभा दुर्भिक्ष में
एक टीस
पल रहा है
उर अंतरिक्ष में।

५

आधी जब रात ढली
छपछप सी बात चली
भावतरणि तट छोड़ चली
उर बसंत रवि
प्राच्य प्रभा संग
धरा पर
उतर रहा है
एक टीस
पल रहा है
उर अंतरिक्ष में।

'कबिराय'
राय बहादुर सिन्हा
बोधगया

दशहरा कर याद

घुरि–फिरी कै सालों में एकबार आबै छै
हाथी, घोडा, डोली या सिंह पर चढ़ी कै आबै छै।
बुधनवमी स ही चंडीपाठ कराबै छै,
एनहे करकै दूर्गापूजा साल मनाबै छै।

गाडी–छपड़ा पर पी–पी करल आबै छै,
पैसा के अभावों म पैदल चल्ल आबै छै।
घर पिछू एक्को टा जरूर आबै छै,
एनहे करिकै दूर्गा पूजा साल में मनावे छै।

सब कुछ रहतै जे नाय पूजा में आबै छै,
माय ओकरा सुतले में जगाबै छै ।
अगला साल पूजा म भागल–भागल आबै छै,
एनहे करकै दूर्गापूजा साल में मनाबै छै ।

सालों में एकबार घुरिकै आबै छै,
फूल, पान, सुपाड़ी आरो मिठाई चढ़ाबै छै।
पैसा के अभावों में खिलयो फूल चढ़ाबै छै,
एनहे करिकै दूर्गापूजा सालों में मनाबै छै।

माय दुंगा साल में एकबार आबै छै,
सभ्भे के साल5 में एकबार मिलाबै छै।
धोती,कुर्ता आरो पयजामा सिलाबै छै,
एनहे करकै दूर्गापूजा साल में मनाबै छै।

चूड़ी, लहठी, टिकली आरो सिदूर खरीदबाबै छै
खाजा, टिकरी छेना आरो जलेबी मंगबाबै छै
साल में एकबार घुरि–फिरी आबै छै
एनहे करिकै दूर्गापूजा साल में मनाबै छै

कष्टों में मन्नत मांगी आरो पाठा चढ़ाबै छै,
एनहे करकै दुर्गा कै सभ्भें मनावे छै।
माय सभ्भें इंसानों के मन्नत पूरा कराबै छै,
एनहे करिकै दूर्गापूजा साल में मनाबै छै ।

बड़का–छोटका सभ्भें मिली रंग–मंच बनाबै छै
बच्चा–बुतरू उछली–कुदी सभ्भें कि मन बेहलाबै छै
बदला में बड–बुजुर्ग सें खुब्बे सवासी पावे छै,
एनहे करिकै दूर्गापूजा साल में मनाबै छै ।

मंडप सें बाहर निकाली बांस बांधल जाय छै,
जर–जनानी सभ्भें आपन सर झुकाय छै।
मेड़ कै कन्धा पर उठाय कै नाचल–नाचल जाय छै,
एनहे करकै माय दूर्गा कै पोखरी भसाय छै।

सभ्भें मिली जावा जयंती लैलै आबै छै,
कोय–कोय बहुते इंतजार कराबै छै।
एक–दोसरा सें गला से गला मिलाबै छै,
एनहे करकै एक दोसरा से प्रेम बढ़ाबै छै।

अंगना में पिड़या पर बैठाबै छै,
पान,सुपाड़ी आरो मिठ बढ़ाबै छै।
बड़–छोट सें गोड़ लागबाबै छै,
एनहे करिकै आपस प्रेम बढ़ाबै छै।

सचिवें नें सुचना भेजी सभ्भें कै बोलाबै छै,
करपरदाज न साल के लेखा–जोखा सुनाबै छै।
खर्च कै पारत करकै नया किमटी बनाबै छै,
एनहे करकै पूजा के काम चलाबै छै।

सर सबासिन सभ्भें से पैसा उघाबै छै,
पुड़ी, सी, खीर आरोमिठाई खलाबै छै।
बचल–खुचल सभ्भें दैकै बतन–वासन मलवाबै छै,
एनहे करकै आपस में प्रेम बढ़ाबै छै।

द्वादसी के दिन सभ्भें पी–पी करलै भागै छै,
बाकी घर 5 सें सौंसे गांव जोगबावे छै।
साल में एकबार घुरकै आबै छै,
एनहे करकै एक दोसरा से मिलावे छै ।

– राजीव रतन घोष

देशला गीत

सोनो नाँखी भोर, जों झलकै
चानी नाँखी दिन, जों चमकै
तामो नाँखी साँझ, जों दमकै
ते लाहौं रङ अन्हारो सें की डोर?
हरसी–हुलसी फूटै, देशला गीत, हिरदय जागै सूचा पिरीत
जीवन–यौवन पक्का तिरीथ
झूमी–झूमी नाँचै मनो रो मोर!
मतर सब छूच्छो भरम, फुटलो कपार, फुटलो करम
केकरा लाज, केकरा शरम
नै झलकै कन्हो इँजोर!

की यहाँ साँझ, की विहान, की यहाँ दिन, की यहाँ शाम?
सुक्खा–सुक्खी सीताराम ! झुट्ठे बात, झुट्ठे शोर!
कोय 'कूँ' करौ की 'काँ', कोय 'नूँ' करौ कि 'नाँ'
कोय 'हूँ' करौ कि 'हाँ', जेहे सिपाही वहैं चोर!
देखथैं रहौं अन्हरिया खेल, केकरो यहाँ कुच्छू नै सेल
गान्ही–सुभास–सब्भे फेल, सरो पर नाँचै सब्बा सेर!
हाय रे निरदय लोहो अन्हार
सोनो–तामो सब बेकार
राकस नाँचै साँझ भिनसार, जिब्भा सें टपकै टपटप लार।
हमरो आँखी में लोर ! कोरमकोर !

–रामचन्द्र घोष

****

यह कविता एक आशावादी विचारधारा की परिचायक है। इस कविता के द्वारा यह बतलाने का प्रयास किया गया है कि यह परिस्थिति कैसी भी को सदैव आशा बनाये रखना चाहिए।आशा ही कुछ भी प्राप्ति का मार्ग हो सकती है

बेचैन है निगाहें मेरी

बेचौन निगाहें मेरी
किसे ढूंढती है निगाहें मेरी
झपकती पलकें तो
एक खड़के से ही खुल जाती हैं
छोटीसी आहट पर
टकटकी लगा लेती है,
किसे ढूंढती है ये
बेचौन निगाहें मेरी।

बाग है बीरान बना
पत्तों में पतझड़ हैं लगे
कैसी ये उमस बढ़ी
पुष्पों के रस सूख गए
भौंरे के चंचल चितवन
क्यूँ हैं यूं मौन पड़े
सूखे हुए मौसम में
आँसू तो बरस रहे
फिर भी,आँखों में किरकिरी लिए
किसे ढूंढती है निगाहें मेरी।

रिश्तों में धूल की परत पड़ी
अपनत्व और इंसानियत पर तो
पत्थर हैं पड़े हुए
लगता है जैसे सब
विनाश को हैं अड़े हुए।
धीरज और मानवता तो
ठूंठ बन है खड़ा
त्रस्त जीवन के साथ
संसार भी मस्त पड़ा
फिर भी न जाने किसे ढूढती है
निगाहें मेरी।

एक दिन वह आएगा
काला शीतल बादल बरसायेगा
धू–धू जलती अज्ञानता का
मौसम बदल जाएगा।
ज्ञान की बारिश होगी
क्षमा की बिजली कड़केगी
प्यार की बौछारों से
मानवता की बगिया
हरी–भरी होगी
तू –मैं को छोड़ भंवरे
हम बनकर गूंजेंगे
इंसानियत के पुष्प फिर से
हिलमिल कर मुस्काऐंगे
उसी की राह तकती
बेचौन हैं निगाहें मेरी।

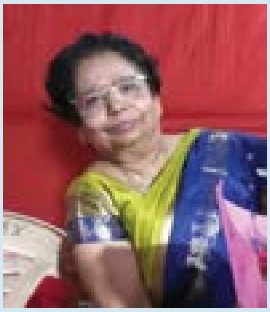

Rupa Das
W/o Late Binay Kumar Das
Native of Orai Jankipur
Presently: Parel Nabi mumbai

'सिनेमा'

जो था रस भंडार सिनेमा
कर सकता उद्धार सिनेमा
वही आज लंपट बाज़ी का
बना हुआ हथियार सिनेमा

ज़िन्दगी का विस्तार सिनेमा
संसारों का सार सिनेमा
वही आज बेशमी का
बना हुआ संचार सिनेमा

युवाओं का करतार सिनेमा
प्यार से भरमार सिनेमा
वही आज गंदे धंधों का
बना हुआ संसार सिनेमा

समाचार पत्र

सूचना भंडार हूं मैं
आधुनिक हथियार हूं मैं
आपकी ही हूं कहानी
आपका विस्तार हूं मैं

विश्व संचार का हिस्सा
ज्ञान का भरा सार हूं मैं
अगर ज्ञान जो नहीं लेते तो
तुम्हारे लिए बेकार हूं मैं

बड़ा पूंजी संचार हूं मैं
देश विदेश का ताड़ हूं मैं
पालता हूं पेट कइयों का
इसलिए व्यापार हूं मैं

मुझे बिकते देखोगे
सड़क किनारे यत्र तत्र
मैं भरा ज्ञान का पूंजी
तुम्हारे घर का समाचार पत्र ।

'कर्तव्यनिष्ठ'

जिम्मेवारी कोई बोझ नहीं है
हंसकर उसे निभाओ
परेशानी अनर्थ शब्द है
उसके गीत मत गाओ

खुद को कमजोर समझ
व्यर्थ खड़े मत हो जाओ
राह अगर कठिन हों तो
छोटा निलय बनाओ

देख कर बाधा विविध
वीर ना तुम घबराओ
राह भरोसे भाग्य के
दुख भोग मत पछताओ

कठिन कर्म हो मगर
भीड़ से ना उकताओ
कर्मनिष्ठ तुम कर्तव्यनिष्ठ
बनकर हम दिखाओ

दान पुण्य व दूसरों के दुख में
कोमल सरल हो जाओ
जब कभी जरुरत पड़े
पाषाण भी बन जाओ

मानो अपनी जी की
सुनते सबकी जाओ
देख फिर कौन सा काम है
जो तुम कर ना पाओ

जो ऐसा कर सके
खुद को इस राह ले चले
हो गए एक आन में
उनके बुरे दिन भी भले
हर देश में हर काल में
वे ही मिले फुले फले

बच्चों मत सोचो दुनिया की
सिर्फ अपना कर्तव्य निभाओ
अपने कर्म और कर्तव्य कर तुम
कर्तव्यनिष्ठ हो जाओ।

–साकेत घोष
गुमटी नं. 1ए भीखनपुर भागलपुर
812001 (बिहार)

गावं घर : कुनौनि

आइये स्मारिका 2020 के इस अंक में हम चलते हैं कुनौनि। राजनैतिक मानचित्र में यह गावं बिहार के बांका जिले में आता है। भौगोलिक परिदृश्य में देखें तो यह चानन नदी के किनारे बांका शहर से महज 5 किलोमीटर दूर बसा हुआ एक छोटा सा गावं है। करीब 25 संयुक्त राढ़ी कायस्थ परिवार के घर होंगे इस गावं में, यहाँ घोष, दास, मित्रा और सिन्हा परिवारों का समन्वय है।

बांका बिहार राज्य का सीमावर्ती जिला है जो झारखण्ड से लगता है। बांका पटना से सीधी रेल सेवा से जुड़ा हुआ है और बस सेवा भी उपलबध है। अन्य दिशा में यह जसीडीह रेलवे स्टेशन के नजदीक है। कुनौनि तक पहुँचने के कई रास्ते हैं, एक भागलपुर और दुमका से आने वाले के लिए सड़क की सुविधा सीधे गावं तक है। बांका से 4 किलोमीटर दूर है महिसाडीह और यहाँ से नदी पार कर कुनौनि पहुँचा जा सकता है। चानन नदी में पानी कुछ दिनों को छोड़कर सालो भर कम ही रहता है,, जिसे पार कर पाना आसान होता है।

कुनौनि में राढ़ी समाज का अपना दुर्गा मंदिर हैं और अपने रीती रिवाज से यहां माँ दुर्गा की पूजा की जाती है। यहां की प्रतिमा में माँ दुर्गा का स्वरुप मन को मोह लेता है, मानो माता अपने बच्चों को ममता भरी नजरों से देख रही है। कुनौनि दुर्गा स्थान में मेढ़पति सिन्हा परिवार हैं जो पूजा की व्यवस्था निश्चित करते हैं।

कहते हैं की पहले आस पास के चार गावों डारा, कुनौनि, टप्पाडीह एवं जगतपुर की पूजा जगतपुर दुर्गा मंदिर में होती थी। करीब 140 वर्ष पूर्व कुनौनि गावं में अपना दुर्गा मंदिर स्थापित हुआ। यहां राढ़ी ब्राह्मण नहीं है और पूजा कार्यक्रम मैथिलि समाज के पुरोहित ही करते हैं पर वे बँगला विधि से दुर्गा पूजा कराने में निपुण हैं। दुर्गा स्थान में लगभग 20 चिराग कुल के हैं जो सालाना है और लगभग 10 चिराग मनोकामनापूर्ति के होते जो अपने समाज के लोग तय वर्षों के लिए जलाते हैं।

यहाँ की माँ दुर्गा पुत्रदायिनी के रूप में विख्यात हैं लोग यहाँ मन्नत मांगते हैं फिर संतान प्राप्ति पश्चात यहां मुंडन के लिए आते हैं। यहाँ दुर्गा पूजा में थाल भोग की प्रथा है जिसमें सप्तमी से दशमी तक हर राढ़ी परिवार क्रमानुसार अनेकोनेक मिठाई और व्यंजन के भोग बड़े बड़े थालों में माता को अर्पित करने लाते हैं। यहाँ की मान्यता का एक स्वरुप यह देखिये की माँ भगवती के साज और प्रतिमा की व्यवस्था करने के लिए भक्तों की कतार लम्बी है और आज

2034 तक का पंजीकरण हो चुका है। इसका मतलब यह हुआ की इस वर्ष यदि आप साज अर्पण करने की बात करते हैं तो आपकी बारी 2035 में आएगी हैं ना आश्चर्यजनक।

कुनौनि में घोष परिवार और सिन्हा परिवार के दो ठाकुरवाड़ी भी हैं और सांकेतिक काली पूजा भी होती है हालाँकि यहाँ काली मंदिर नहीं है।

गावं में अपना प्रार्थमिक एवं माध्यमिक विद्यालय है, परन्तु उच्च शिक्षा के लिए बच्चों को बांका आना होता है। यहां धान, गेहूं और प्याज की खेती होती है, यहां लोगों के घर– बाड़ी भी होती है घर के साथ लगती हुई साग सब्जी उपजाने की जमीन।

गावं चानन नदी और इसी नदी से निकाले गए नहर की बीच बसा हुआ है, यहां वातावरण रमणीक है और प्राकृतिक सौंदर्य की एक छटा दिखाई देती है। पहले हर छोटे बड़े सामान के लिए बांका भागना पड़ता था परन्तु अब गावं में कई दुकाने उपलब्ध है। पहले बिजली की समस्या थी अब बिजली की कोई दिक्कत नहीं है। गावं में प्रगतिशील बदलाव प्रसंशनीय है और एक बात जो अच्छी लगाती है की यहां हर राढ़ी कायस्थ संयुक्त परिवार के घर में एक व्यक्ति जरूर गावं में स्थायी रूप से रहता है, जबकि अन्य गावों में सुनने को आता है की आम तौर पर लोग रोजगार के कारण बाहर ही रहते हैं घर बंद होता है और वे पूजा के अवसर पर घर आते हैं फिर घर साल भर के लिए बंद हो जाता है।

उम्मीद है आपने इस लेख को पढ़ते हुए ग्रामीण परिवेश के चित्रण का आनंद लिया होगा और अपनी कल्पना में कुनौनि जरूर घूमे होंगे।

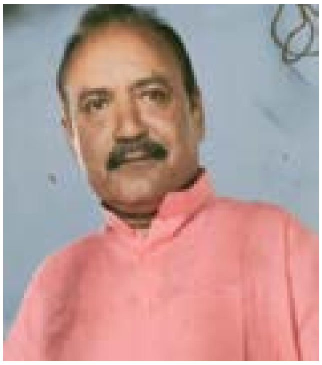

ग्राम परिचयः
प्रदीप कुमार सिन्हा
ग्राम – कुनौनि, बांका

छायाचित्रः
पारस कुमार सिन्हा
ग्राम – कुनौनि, बांका

मन जो अक्टूबर था नवंबर हो रहा है

डॉ.उत्तम पीयूष

बदल रहा है मौसम
कि जैसे एक बच्चा लुढ़कता हुआ
गिरता है, पलटता है -- ताकते हुए
खिलखिलाकर हंस पड़ता है

एक यतीम जैसी लड़की के रूखे बालों पर
कोई नरम हाथ रख देता है

जो सिक्का बड़ी दुकानों में नहीं चलता
वह गुमटी वाले चाय की दुकान वाला
खुशी खुशी ले लेता है

बहुत सारे बच्चे खेल रहे कबड्डी कबड्डी
लड़कियाँ छु कित कित
लगा रहे रेस साइकिलों से लड़के

मन जो अक्टूबर था
नवंबर हो रहा है
शबनम की बूंदों पर
सूरज मचल रहा है

खलिहानों में आने से पहले
खेत पक रहा है
वो आदमी नीले शर्ट में
कितना जंच रहा है

मौसम बदल रहा है
जैसे बक्से संदूकों से कंबल स्वेटर
धीरे धीरे निकल रहा है

भोरे भोरे स्त्रियाँ कार्तिक में
गंगा नहाने का गीत गा रही हैं

धनिया के पत्ते की खुश्बू की तरह
रिश्तों में ताज़गी आ रही है

वक्त की चादर कभी लपेटकर
कभी समेटकर कोई सुबह
कोई शाम टहल रहा है

मौसम बदल रहा है

Industry 4.0: the fourth industrial revolution – brief notes to Industry 4.0.

BY: : Mukesh Kumar, Director, R G Software & Systems, Chairman, R G Social welfare Trust , Chairman, IT & ITEs and Service Sector Sub Committee (BIA), Member , Bihar Chamber of commerce & Industries (BCC& I) Vice President, Akhil Bhartiya Kayastha Mahasabha(ABHAKAM), Bihar Pradesh. Ex. General Secretary, Bihar Rarhi Bandhav Samiti, Patna, Bihar-E-Mail: rgsspatna@gmail.com, Mobile No. 9431074202

Industry 4.0 is the digital transformation of manufacturing/production and related industries and value creation processes.

Industry 4.0 is used interchangeably with the fourth industrial revolution and represents a new stage in the organization and control of the industrial value chain.

Cyber-physical systems form the basis of Industry 4.0 (e.g., 'smart machines'). They use modern control systems, have embedded software systems and dispose of an Internet address to connect and be addressed via IoT (the Internet of Things). This way, products and means of production get networked and can 'communicate', enabling new ways of production, value creation, and real-time optimization. Cyber-physical systems create the capabilities needed for smart factories. These are the same capabilities we know from the Industrial Internet of Things like remote monitoring or track and trace, to mention two.

Industry 4.0 has been defined as "a name for the current trend of automation and data exchange in manufacturing technologies, including cyber-physical systems, the Internet of things, cloud computing and cognitive computing and creating the smart factory".

Industry 4.0: technologies, security, people/workers and society

Before diving into all the mentioned evolutions, integrations, cyber-physical evolutions, IoT elements, big data aspects and before looking at the origins of Industry 4.0, definitions, evolutions, global implications, similar initiatives, Industry 4.0 design principles, building blocks and the Reference Architecture Model industry 4.0 a final word on technologies and people to wrap up this quick introduction.

It is important to note that Industry 4.0 is not just about those technologies. It also looks at the impact on and role of society and workers (e.g. collaboration between man and machine as with collaborative robots or cobots, new required skillsets of workers in industries amidst all these changes and, inevitably, the loss of jobs due to ongoing automation as mentioned – and how to tackle this major challenge).

Moreover, Industry 4.0 also has a strong focus on security. This does not just mean security of data and communication networks, data protection (including personal data protection, especially since the arrival of the General Data Protection Regulation, the ePrivacy Regulation and coming rules in several areas, including green facilities, energy and ecology, and again personal data in the wake of scandals that have emerged in consumer markets), cybersecurity in the broadest sense and industrial control systems security (ICS security) but also the protection and security of workers, industrial assets, critical infrastructure and 'physical security'.

As industrial assets and critical infrastructure (from critical power buildings to energy grids and more) get connected and attacks are on the rise in the traditionally rather isolated industrial environments the stakes and dangers of vulnerabilities and attacks are huge in industry 4.0 which requires an end-to-end 'security by design' approach. Since attacks increase and the consequences can be high it's also recommended to not just focus on cybersecurity but to combine this with risk management, business continuity and other fields in what's also known as cyber resilience and becomes a must as we keep transforming.

This overall security challenge and certainly the ICS security and end-to-end cybersecurity challenge

ranks high among the Industry 4.0 challenges and risks.

The future project industry 4.0

Five years later, in 2011, Dr. Kagermann, Dr. Wolfgang Wahlster of the German Research Center for Artificial Intelligence (DFKI) and Dr. Wolf-Dieter Lukas from the Federal Ministry of Research and Education presented the results of the work of the advisory group across various domains, including Industrie 4.0, which from then on became broadly known.

Before the presentation in the form of a press conference at Hannover Messe, they published an article, entitled "industry 4.0: Mit dem Internet der Dinge auf dem Weg zur 4. Industrially Revolution" (Industry 4.0: on the road to the fourth industrial revolution with the Internet of Things).

The future project Industrie 4.0 was adopted and revolved around the creation of new business models thanks to cyber-physical systems. To further develop it, Plattform Industrie 4.0 was created in 2013 by Bitkom (Germany's digital association), VDMA (German Mechanical Engineering Industry Association), and ZVEI (Germany's Electrical Industry), later joined by others.

Along with these other partners, including acatech, they still work on Industry 4.0, among others on the level of standardization and international collaboration, gauging progress of Industry 4.0, education and R&D. Yet, Industry 4.0 is not just an industrial policy issue. It also addresses ecological and social challenges such as resource efficiency, environmental protection or urbanization.

Plattform Industrie 4.0 today still works on several of the mentioned tasks and challenges ahead to make Industry 4.0 a reality through its working groups, on levels such as standards, norms, reference architectures, security, applications, business models, legal aspects (also data-related), work, education and skills, global collaboration, etc. Given the internationalization of Industry 4.0, Plattform Industrie 4.0 also has an English website since several years, albeit still with a strong German emphasis.

This global diffusion of the Industrie 4.0 vision and technologies, at different speeds, is related with the universal challenges and possibilities across the globe and with the cross-fertilizations, enabled by collaborations with the US industry, the Japanese industry, EU industry initiatives and so forth. Still, there are several hurdles to take before the Industry 4.0 vision is realized in more companies than is the case today.

Industry 4.0 and the fourth industrial revolution (4IR)

As a reminder the classic view of these four industrial revolutions, as Industry 4.0 became increasingly popular, was:

1. **The first industrial revolution**, which REALLY was a revolution, and, among others thanks to invention of steam machines, the usage of water and steam power and all sorts of other machines, would lead to the industrial transformation of society with trains, mechanization of manufacturing and loads of smog.

2. **The second industrial revolution** is typically seen as the period where electricity and new manufacturing 'inventions' which it enabled, such as the assembly line, led to the area of mass production and to some extent to automation.

3. **The third industrial revolution** had everything to do with the rise of computers, computer networks (WAN, LAN, MAN,…), the rise of robotics in manufacturing, connectivity and obviously the birth of the Internet, that big game changer in the ways information is handled and shared, and the evolutions to e-anything versions of previously brick and mortar environments only, with far more automation.

4. **In the fourth industrial revolution** we move from 'just' the Internet and the client-server model to ubiquitous mobility, the bridging of digital and physical environments (in manufacturing referred

to as Cyber Physical Systems), the convergence of IT and OT, and all the previously mentioned technologies (Internet of Things, Big Data, cloud, etc.) with additional accelerators such as advanced robotics and AI/cognitive which enable Industry 4.0 with automation and optimization in entirely new ways that lead to ample opportunities to innovate and truly fully automate and bring the industry to the next level.

Some also like to add the injection of technology and connectivity in the human/digital mind and body convergence to Industry 4.0.

<u>Cyber-physical systems before Industry 4.0</u>

In the original definitions, going back over a decade, IP addresses where not specifically mentioned in cyber-physical systems.

Cyber-physical systems also include dimensions of simulation and twin models, smart analytics, self-awareness (self-configuration) and more. We've tackled some of these topics, including digital twins, previously.

<u>Cyber-physical systems: summary of the key characteristics</u>

Next, we take a deeper look into the Internet of Things and its place in Industry 4.0. You'll notice that both are virtually twins.

Before doing so we summarize some key characteristics of cyber-physical systems as they are related with the Internet of Things:

- Cyber-physical systems are seen as a next evolution in manufacturing, mechanics and engineering. The essential dimensions are the bridging of digital and physical, which is possibly thanks to Internet technology, and the bridging/convergence of Information Technology and Operational Technology.
- Cyber-physical systems can communicate. They have intelligent control systems, embedded software and communication capabilities as they can be connected in a network of cyber-physical systems.
- Cyber-physical systems can be uniquely identified. They dispose of an IP (Internet Protocol) address which means that they use Internet technology and are part of an Internet of Everything in which they can be uniquely addressed (each system has an identifier).
- Cyber-physical systems have controllers, sensors and actuators. This was already the case in previous stages before cyber-physical systems (mechatronics and adaptronics); however as we'll see with the Internet of Things it plays an important role.
- Cyber-physical systems are the basic building blocks of Industry 4.0 and the enablers of additional capabilities in manufacturing (and beyond) such as track and trace and remote control (more about these capabilities in the next section on CPS and the Internet of Things).
- The capabilities which are possibly thanks to cyber-physical systems enable smart factories, smart logistics (Logistics 4.0) and other smart areas of applications, among others in energy, oil and gas, and utilities.

Industry 4.0 building blocks: the (Industrial) Internet of Things.

As promised, time for the Internet of Things. The Internet of Things (IoT) is Omnipresent in Industry 4.0 and its international counterparts.

As you can read on our page on the Industrial Internet of Things (IIoT) and deduct from the graphic above on cyber-physical systems, CPS essentially is mainly about the Industrial Internet of Things.

Connected objects, people, processes and data as the building blocks of smart applications.

It is another key similarity between the CPS view of industry 4.0 and the reality of the Internet of Things, which is key in Industry 4.0.

To conclude: in fact, you can call cyber-physical systems the (albeit advanced) things in the Industrial Internet of Things in manufacturing. So, CPS and IoT are de facto more than twins.

Architectural Model Industry 4.0 (RAMI 4.0)?

RAMI 4.0, Reference Architectural Model for industry 4.0, are a three-dimensional map showing how to approach Industry 4.0 in a structured manner, enabling stakeholders to understand each other. RAMI 4.0 combine all elements and IT components in a layer and life cycle model.

- Industry 4.0 — Digital transformation
- IoT — Customer-centricity
- Edge computing — Content marketing
- Cyber resilience — Digitization and digitalization
- IoT technology stack — Customer life cycle
- Data lakes — Customer experience
- Industrial IoT — AI
- Data processor — Big data
- Home automation — Operational technology
- Digital supply chain — Smart industry
- Smart cities — Digital twins
- Block chain technology — LPWA
- Unstructured data — Information management
- Cloud computing — Smart buildings
- Digital business — Retail transformation
- Built environment — LoRa

Activating Indian SMEs well prepared for Industry 4.0 Revolution

The Small and Medium-scale organizations (SMEs) play a vital position in the socio-financial growth story of India accounting for more than 45% of the manufacturing output and around 40% of the full export of India, as according to the annual report of Ministry of MSME. This sector is likewise the main provider for employment and commercial enterprise avenues in rural and urban India, thereby bursting equitable and inclusive development throughout neighborhood economies. Yet, the capability of the Indian SMEs in growing jobs and maintenance technology possibilities remains untapped. Inadequate access to generation, technical and enterprise competencies, and finance had been highlighted as a number of the key constraints for the MSMEs in the production sector.

Importance of SMEs for India

1. Creates large scale employment — India produces about 1.2 million graduates per 12 months, of the full number about 0.8 million are engineers. SMEs may be boon for any activity seeking graduate.

2. Economic balance in phrases of Growth and leverage Exports — MSME is a giant increase motive force in India, with it contributing to the music of 80% to GDP

3. Encourages Inclusive Growth

4. An important role in making "Make in India" — Post the inception of 'Make in India', a signature initiative via the high minister of India, the procedure of incorporating a brand new business has been made easy. MSME is the backbone in making this dream an opportunity, the government ought to direct the financial institution to lend extra credit to establishments in MSME Sector.

Development in the SME Sector

India is one of the world's fastest-growing economies housing forty million small and medium organizations (SMEs). Growth of the brand new wave SMEs led by entrepreneurship targeted on innovation and technology, developing possibilities for girls entrepreneurs and growing professional assets across the following opportunity regions.

From the Government perceptive the fast term awareness have to be to increase GDP contribution from 8 % to twenty % by using 2020. Following is the sector clever contribution closer to export from SMEs

How the SMEs Sector Can Benefit from the IoT Revolution

Smaller organizations can gain from IoT in some of the approaches which we will talk afterward. The IoT is predicted to help you in your product design and advertising strategies, based totally on consumer conduct. Whether you have a small or a complex product, upkeep of the identical must come to be in reality easy, and with this, your popularity will construct.

1. Internet of Things permit you to cross inexperienced and meet regulation necessities

2. Customer pleasure

3. Increase your financial fulfillment

4. Compliance with regulations and standards

5. Enhance your operational performance

6. Improved analytics and commercial enterprise intelligence

Mobilizing Human Resource for Industry 4.0 Employments

To create an IoT Education and Awareness program in the country for developing talent units for IoT in any respect ranges. Objectives of this program would be 1. Introduction of IoT Curriculum at M.Tech & B.Tech level and Research Activity/PhD

A new horizon for SMEs

Enabling the five pillars can empower the SMEs for extra contribution toward GDP and growth of the economy as an entire.

Infrastructure: (a) Allocate 25 in line with cent of the land to be had in any respect Industrial corridors for MSMEs at special price slabs and for acquiring models. This will help MSMEs to start their enterprise ventures at less expensive quotes in key commercial parks and clusters. (b) Incubation cells and hubs inside clusters may be evolved in collaboration with academia / nearby institutions to provide MSMEs with mentoring and generation aid and shared R&D centers

Regulatory: (a) Single complete MSME Law for India, relevant in all states and territories and relevant

to all MSMEs. (b) Effective coverage to deal with behind schedule bills to MSME by big agencies on a timely foundation (c) Exit policy for MSME zone that can help MSMEs exit the commercial enterprise with none non-public financial loss, and the 2nd threat for entrepreneurs.

Funding : (a) Open surroundings and incentives for investments by using HNWI and budget into MSME commercial enterprise as well incentivize debt funding in MSME segment through discount indirect tax rates on earnings / profits generated with the aid of investment MSME section (b) Incentivize the financial institution by means of making lending to MSME greater possible and worthwhile for banks

Performance incentives : (a) Create enterprise facilitation centers with the linkage of all stakeholders i.e. Industry Associations, fairness budget, banks and economic institutions, MSME, and many others at nearby and district level to facilitate get right of entry to finance for MSMEs (b) Direct Tax exemption on export profits and profits generated directly or indirectly

Skill India: (a) Employee skilling via authorized courses at authorized training facilities to get hold of direct incentives and grants (b) Support and Incentives for up-gradation of ability development Institutions.

Looking ahead

Certainly, the Internet of Things is in all likelihood to revolutionize the Internet and also the way we have a look at our lives. Objects and matters will all quickly be linked to the Internet, all interacting with both the customers, the Internet and with the manufacturers, sharing important statistics, providing analytics and additionally conducting their techniques. All those will have extensive ramifications inside the commercial enterprise world.

While large organizations are already making use of the IoT, SMEs also can obtain the benefits of the Internet of Things. This will assist them to create higher products which might be extra smart, inexperienced and worthwhile. All of those are very crucial for an agency to have a competitive edge.

BY: Mukesh Kumar, Chairman, IT & ITEs and Service Sector (BIA), rgsspatna@gmail.com, 9431074202

AKHIL BHARTIYA RADHI KAYASTHA SANGATHAN, NEW DELHI

Meritorius Student

Sr. No.	Name	Father's Name	Native Place	Achievment
1	Harshit Sinha	Dr Rajiv Kumar Sinha	Jagdishpur	Qualified JEE Advanced
2	Gaurav Vinay	Binoy Kumar	Pathakdih	Qualified NEET
3	Pratyush Pravin	Pravin Kumar Ghosh	Saidapur	Qualified JEE Advanced
		Class XII		
4	Saachi Priya	Jayant Kumar Das	Chara Bargram	Secured 95.4% in Class XII CBSE Board (JAMSHEDPUR)
5	Nimisha Dutta	Prof. Ashutosh Dutta	Kushmaha	Secured 95.25% in Class XII ICSE Board (BHAGALPUR)
6	Pratyush Pravin	Pravin Kumar Ghosh	Saidapur	Secured 94.6% in Class XII CBSE Board (GHAZIABAD)
7	Khushi Sinha	Sujit Kumar	Pathakdih	Secured 94% in Class XII CBSE Board (RANCHI)
8	Gaurav Vinay	Binoy Kumar	Pathakdih	Secured 92% in Class XII CBSE Board (PURNEA)
9	Yash Sinha	Sanjay Kumar Sinha	Manoharpur	Secured 90% in Class XII CBSE Board (FARIDABAD)
10	Lavanya Priya	Kumar Vishwajeet	Banka	Secured 89.2% in Class XII CBSE Board (PATNA)
		Class X		
11	Vidit Om	Manas Kumar Mitra	Lakhanpur	Secured 96.4% in Class X CBSE Board (NEW DELHI)
12	Snehil Sinha	Shachish Kumar Sinha	Rupsa	Secured 95% in Class X CBSE Board (MUMBAI)
13	Deepanshu Kr.	Deepak Das	Belaganj	Secured 95.2% in Class X CBSE Board (PURNEA)

14	Priya Shree Sinha	Asim Kumar Sinha	Manoharpur	Secured 94.6% in Class X CBSE Board (HARIDWAR)
15	Atishay Ghosh	Mukesh Ghosh	Singhnan	Secured 94.4% in Class X ICSE Board (BHAGALPUR)
16	Shourya Raj	Navin Kumar	Gangaldai	Secured 94% in Class X ICSE Board (BHAGALPUR)
17	Yagyesh Anand	Kanhaiya Lal Ghosh	Bounsi	Secured 93.8% in Class X CBSE Board (BOUNSI)
18	Anu Shree Sinha	Asim Kumar Sinha	Manoharpur	Secured 93.6% in Class X CBSE Board (HARIDWAR)
19	Kshitij Ghosh	Malay Anand	Mahiyama	Secured 93.2% in Class X CBSE Board (GREATER NOIDA)
20	Shatakshi Sinha	Kaushal Kumar Sinha	Laxmipur	Secured 92% in Class X CBSE Board (NEW DELHI)
21	Praneet Pravin	Pravin Kumar Ghosh	Saidapur	Secured 91% in Class X CBSE Board (GHAZIABAD)
22	Srishti Das	Saurabh Kumar Ghosh	Kasba	Secured 91% in Class X CBSE Board (NEW DELHI)
23	Ayushi Ghosh	Mukesh Ghosh	Singhnan	Secured 88.8% in Class X CBSE Board (BHAGALPUR)
24	Medhanshu Ghosh	Nihar Ranjan	Bhuriya	Secured 84% in Class X CBSE Board (NEW DELHI)
25	Harshika Mitra	Naveen Mitra	Kunouni	Secured 82.6% in Class X CBSE Board (NEW DELHI)

ABRKS CONGRATULATE ALL THE STUDENT. BEST WISHES FOR BRIGHT FUTURE AND ACHIEVE DESIRED GOAL IN LIFE.

The data has been provided and collected from diffirent sources. No award is to be given this year.

ACHIEVEMENT/APPRECIATION OF RADHI KAYASTHA MEMBERS

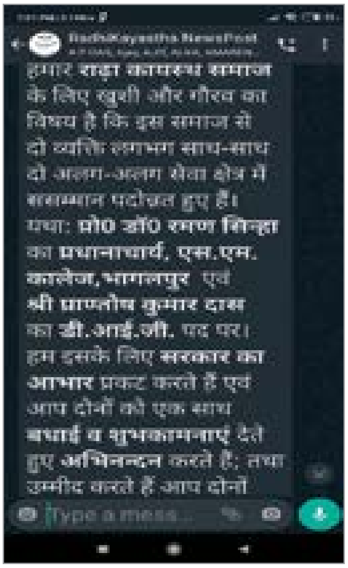

हमारे राढ़ी कायस्थ समाज के लिए खुशी और गौरव का विषय है कि इस समाज से दो व्यक्ति लगभग साथ-साथ दो अलग-अलग सेवा क्षेत्र में ससम्मान पदोन्नत हुए हैं। यथा: प्रो0 डॉ0 रमण सिन्हा का प्रधानाचार्य, एस.एम. कालेज, भागलपुर एवं श्री प्राणतोष कुमार दास का डी.आई.जी. पद पर। हम इसके लिए सरकार का आभार प्रकट करते हैं एवं आप दोनों को एक साथ बधाई व शुभकामनाएं देते हुए अभिनन्दन करते हैं; तथा उम्मीद करते हैं आप दोनों

PR Newswire

CISION

Manish Bharti Appointed as UiPath India President

BENGALURU, Nov. 25, 2019 /PRNewswire/ -- The leading robotic process automation (RPA) software company, UiPath, today announced that Manish Bharti has been elevated to the role of President for the India region, effective November 22, 2019. Manish joined UiPath India at its inception, to lead Sales function and then served as UiPath's Senior Vice President of Global Accounts. In this new role, he will scale UiPath by overseeing all business and technology units within the company's India operations. Raghunath Subramanian, previously CEO for UiPath India, has been appointed as Non-Executive Chairman of UiPath Entities in India.

Manish will be responsible for accelerating business growth for UiPath in India. His focus will be aimed at scaling RPA implementations across diverse industry verticals - Banking & Financial Services, Technology, Manufacturing, Retail and Healthcare leading engagements with global Fortune 500 companies for deeper adoption of RPA. He will also take on additional responsibilities from Rajeev Mittal who is moving

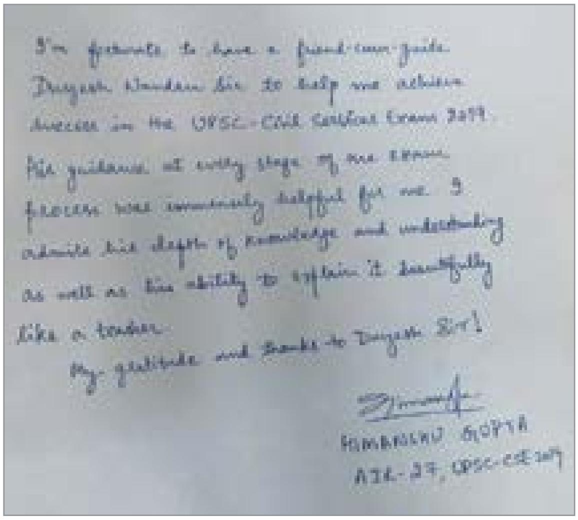

I'm fortunate to have a friend-cum-guide Durgesh Nandan Sir to help me achieve success in the UPSC-Civil Services Exam 2019. His guidance at every stage of the exam process was immensely helpful for me. I admire his depth of knowledge and understanding as well as his ability to explain it beautifully like a teacher.

My gratitude and thanks to Durgesh Sir!

HIMANSHU GUPTA
AIR-27, UPSC-CSE 2019

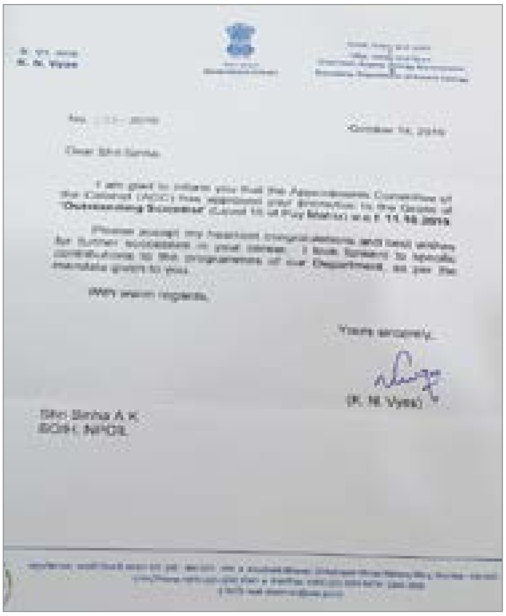

October 14, 2019

Dear Shri Sinha,

I am glad to inform you that the Appointments Committee of the Cabinet (ACC) has approved your promotion to the Grade of 'Outstanding Scientist' w.e.f. 11.10.2019.

Please accept my heartiest congratulations and best wishes for further successes in your career. I look forward to contributions to the programmes of our Department, as per the mandate given to you.

With warm regards,

Yours sincerely,

(K. N. Vyas)

Shri Sinha A K
SO(H), NPCIL

PAYLO

ONE STOP SHOP FOR MAKING YOUR PAYMENTS SWIFT EASY AND SEAMLESS

EVP CHAMPION'S OF BIHAR

OFFICE OF CEO BIHAR

EXTENDS HEARTIEST CONGRATULATIONS TO DISTRICT ELECTION OFFICERS-CUM-DISTRICT MAGISTRATES OF SITAMARHI, MUNGER AND MUZAFFARPUR WITH THEIR TEAM FOR BEING FIRST THREE DISTRICTS IN THE STATE TO COMPLETE 100% EVP.

Subject: Donation of 100 face shields as a support for fight against COVID

Dear Sir,

I am a native of Bhagalpur and currently working in Pune as a Software Engineer.

Thanks & Regards,

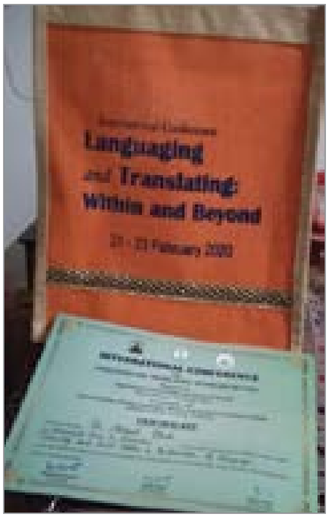

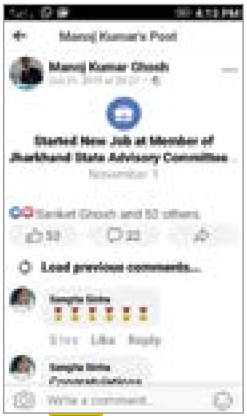

MESSAGES FROM MERITORIOUS STUDENT 2020

मैं Harsit Sinha , पिता का नाम Dr Rajiv Sinha, दादा जी का नाम स्व भुवनेश्वर प्रसाद सिन्हा, ग्राम जगदीशपुर, भागलपुर का मूल निवासी हूँ।

अपने समाज के सारे बड़ों को विजया का सादर प्रणाम।

मुझे गौरव महसूस हो रहा है की आज मुझे IIT में मिली सफलता की वजह से आप लोगों के समक्ष आने लायक समझा गया। यह मेरा सौभाग्य है।

Juniors को मेरी सलाह है की अपना लक्ष्य तय करें और उसको प्राप्त करने की दिशा में पूरे concentration से जुट जाएँ।

प्रथम प्रयास में मनचाही सफलता न मिलने पर भी मैं अपने लक्ष्य से भटका नहीं। Mobile और social media से पूरी दूरी बना के ही अपने target पर पहुँच पाया।

यही expectations मैं अपने रनदपवते से रखता हूँ और मेरा good wishes है कि मेरे रनदपवते भी अपने सपमि में शानदार सफलता achieve करें

Thanks

मैं, गौरव विनय पिता– श्री बिनय कुमार, ग्राम् +पो– पाठक डीह, थाना–सन्हौला, जिला– भागलपुर का स्थाई निवासी हूँ। स्कूल की पढ़ाई मैंने "उर्स लाइन कान्वेंट स्कूल" पूर्णियाँ, बिहार से की। मिल्लिया कान्वेंट, पूर्णियाँ से मैंने +2 किया। इस के पश्चात आकाश इंस्टिट्यूट, जनकपुरी, दिल्ली में कोचिंग (NEET) लिया।

कोचिंग के शुरुवाती दिनों में घर की याद, घर के खाने की याद मेरी पढ़ाई के आढ़े आते रहे। किंतु माता–पिता की आशाओं एवं मेरी प्रतिबद्धता ने मुझे सबल बना दिया । सफलता के प्रति आशान्वित होकर मैं पुरजोर मेहनत करता रहा।

मेरी इस सफलता का श्रेय हमारे समस्त परिवार और खासकर मेरे जेठू श्री प्रशांत कुमार मजूमदार एवं जेठी माँ राखी मजूमदार को जाता है। मैं इनके योगदान को कभी नहीं भूला सकता।

मैं अपने छोटे भाई–बहन से बस इतना कहना चाहूँगा कि "प्रतिबद्धता" बड़े से बड़े लक्ष्य को हासिल करने में सहायक है। मुझसे किसी भी प्रकार की सहायता हेतु मैं सदा तत्पर रहूँगा। सभी उपस्थित जनों को प्रणाम।

INTERNATIONAL WOMENS DAY AND HOLI MILAN CELEBRATION BY RADHI BANDHAB SAMITI BHAGALPUR

A praise worthy initiative, ABRKS wishes a grand success

RADHI KAYASTHA BANDHAV SANGH PUNE

RKBS Pune has helped about 72 Radhi kayastha family at different villages and sangh has issued a appreciation letter for their helpng hand.

Radhi Kayastha Bandhav Sangh Pune

11/2 Partik Nagar Yerwada, Pune-411 006, Phone-9822495256/9660427174

Reg. No.: MHA/985/2017 (Pune)

Ref.: Rk/pune/003/20 Date: 11/07/2020

Appreciation Letter

The whole world is suffering from pandemic of Covid-19 and so we are. The worst sufferes of this Pandemic are underprivileged and daily wagers.

The thought & Mission of "Radhi Kayastha Bandhav Sangh, Pune" is very clear & crisp, that is "Live together, grow together and properity with togetherness." We always feel that all RK families of our society belong to us and we must support them at the time of any crisis.

This is time to help our people in such a grave situtation when they literally became pouper after loosing their hand to mouth earings. Your helping hand to distribute the grocery or money transfer to the needy people of our society would be highly appreciable.

List of Helping Hands

Name	Village
1. Ajay Kumar Sinha	Manoharpur
2. Bishwesh kr. Das	Bhikanpur, Bgp
3. Jivan Kr. Ghosh	Jagatpur
4. Rakhal Chandra Ghosh	Orai janakipur
5. Ankit Roshan	Dumramah
6. Awadhesh Kumar	Surkhikal, Bgp
7. Raj Narayan Dutta	Banka
8. Ratan Kr. Mitra	Banka
9. Sanjeev Das	Lakhan Pur
10. Subendu Tegra	Lakhanpur
11.Shailendra kr.Ghosh	Dhouni

Website www.rkpune.co.in

ABRKS appreciate the effort in such difficult situation for our families by RKBS Pune

PICNIC CELEBRATION BY BANDHAV SAMITI SINGHBHUM (JAMSHEDPUR)

you all are welcome for

BANDHAV SAMITI

SINGHBHUM, JAMSHEDPUR

PICNIC 2020

on Sunday, 26th January 2020

with family from 9:00am to 4:00pm

Venue:
Nildih Park
(Ashok Garden)
Namdah Basti, Jameshedpur

Organised every year on 26th January. ABRKS wishes grand success.

ABRKS

Please visit us at: www.abrks.com

- You may find members directory on the website along with introduction of Executive Body since its inception. Many useful information, picture gallery etc are available here.
- You may register for matrimonial section as well on the website.

Also connect with us at –

Facebook https://www.facebook.com/abrks.delhi

Instagram https://www.instagram.com/abrksdelhi/

Twitter https://twitter.com/AbrksD

YouTube Channel Name: ABRKS Delhi

Sarvagya Enterprises

Deals in all kind of IT Sales Services

SE

SAURABH GHOSH

8851 622473 | 9999 668525

Data Recovery | Laptop & Desktop Repair

sarvagyaenterprises.delhi@gmail.com

Plot 27, K-5 Extn. Mohan Garden Delhi-59

"AKHIL BHARTIYA RADHI KAYASTHA SANGATHAN"
NEW DELHI

(Registration No.: S/63768/2008)

REGISTRATION FORMS* SR. NO.: /2020

Name of Head of the family (With blood froup) ______________________

Nick Name if any ______________________

Father's/Husband's name ______________________

Grand Father's name ______________________

Spouce's name ______________________

(With blood group)

No. Of Children (With Blood Group): (i) Son(S) ☐ (ii) Daughter(S) ☐

Village, taluka, district to which originally He/She belongs

(Ancestral home address)

____

Village, taluka, district where He/She stayed for longer time

(Previous Home Address) ______________________

Present Address ______________________

Contact details (Phone no.)

Mobile: ______________ Residence: ______________ Office: ______________

E-mail ID: ______________________

ANY other information:______________________

(Like working with, designation etc.)

House: Self/Rented/Official quarter

Gotra: ______________________

Remarks, if any ______________________

Date: ______________ Signature: ______________

Notes:

1) Registration fee: rs 100/- only
2) Annual subscription fee: rs 500/- only
3) Life membership (subscription) fee: rs 10,000/- & rs 5,000/- for senior citizen.
4) All above mention information shall be written in capital letters only.
5) All family members name shall be written with blood group.
6) Above-stated information can be used for useful purposes as required.
7) Also same can be put in our website www.abrks.comwithout further consent of members.
8) Details of children viz. name, age, education etc.
9) For marriageable (if any), hobby, service, business etc. may be submitted in the attached Annexure-I which can be used for matrimonial purposes.

FOR OFFICE USE:

1) Date of Receipt: ______________ 2) Receipt No.: ______________ 3) Amount: ______________

4) Type of Membership: Annual/Life" ______________________ 5) Signature: ______________

Annexure-I

(A) Daughter(s):

1) Name: ______________________

2) Age as on 1.11.20) ______________________

3) Educational Qualifications: ______________________

4) Any liking/choice for would be groom: ______________________
(viz. colour/range of salary/height etc.)

5) Details of service/business with phone nos. (if doing): ______________________

6) Earnings per month (optional): ______________________

7) E-mail address and website where her profile can be seen) (optional): ______________________

8) Hobby: ______________________

9) Any achievement:

(B) Son(s):

1) Name: ______________________

2) Age as on 1.11.20) ______________________

3) Educational Qualifications: ______________________

4) Any liking/choice for would be groom: ______________________
(viz. colour/range of salary/height etc.)

5) Details of service/business with phone nos. (if doing): ______________________

6) Earnings per month (optional): ______________________

7) E-mail address and website where her profile can be seen) (optional): ______________________

8) Hobby: ______________________

9) Any achievement:

Signature of the applicant: ______________________

Dated: ______________________

(Extra paper may be used to cover all its related matters)

Any wish/comment of head of the family wants to convey for matrimonial purposes of their children:

REACH US !

C-5, 2nd Floor, RK Tower, Plot No. 21-22, Sector 4, Vaishali, Ghaziabad, UP
email : info@abrks.com

https://www.facebook.com/abrks.delhi | YouTube ABRKS Delhi | www.abrks.com